# श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्रत्यायित

# वार्षिक प्रतिवेदन

## 2023-24

# कुलाधिपति

## डॉ. हरि गौतम

डॉ. हरि गौतम का विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न जीवन चिकित्सा अध्ययन और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदानों से अभिभूत है। आपने राष्ट्र के प्रतिष्ठित संस्थानों में कई महत्वपूर्ण पदों के दायित्वों का निष्ठा एवं कर्त्तव्य परायणता के साथ निर्वहन किया है। यथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ तथा भुवनेश्वर में के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य कर सभी को गौरवान्वित किया है। आपका नेतृत्व जयपुर में महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष पद तक विस्तारित था। साथ ही आपके द्वारा राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया गया है। आप जालंधर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष के पद से भी अलंकृत हो चुके हैं।

डॉ. हरि गौतम को देश के दस विश्वविद्यालयों द्वारा मानद डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि प्रदान की गई। जैसे कि आपके द्वारा 40 से अधिक विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में प्रदत्त भाषणों से पता चलता है कि आपके व्यक्तित्व का प्रकाश दूर-दूर तक फैला हुआ है।

वर्तमान में, आप जयपुर में महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रधान सलाहकार के महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलाधिपति के रूप में आप की भूमिका संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति उनके समर्पण को लक्षित करती है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में डॉ. हरि गौतम सर्वदा विश्वविद्यालय को प्रेरित और मार्गदर्शित करते हैं, तथा प्रशासनिक उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। विश्वविद्यालय को एक ऐसे नेतृत्व का सौभाग्य प्राप्त है जो विश्वविद्यालय को प्रशासनिक उत्कृष्टता के पथ पर निरन्तर अग्रसर रहा है।

# कुलपति

## प्रो. मुरलीमनोहर पाठक

माननीय राष्ट्रपति द्वारा आपको श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति पद पर दिनांक 29 अक्टूबर, 2021 को नियुक्त किया गया था। आप शैक्षणिक, प्रशासनिक और शोध गतिविधियों के व्यापक अनुभव से अभिभूत प्रतिष्ठित विद्वान हैं। आप इलाहाबाद विश्वविद्यालय की संस्कृत विषय की स्नातकोत्तर और विद्यावारिधि की उपाधि से अलंकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति पद के महत्वपूर्ण दायित्व को संभालने के पूर्व आप दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग के प्रमुख के रूप में आसीन थे।

आप के पास प्रभावशाली शैक्षणिक करियर में व्यापक शिक्षण, मार्गदर्शन से संबंधित 34 वर्षों से अधिक का विशाल अनुभव है, जो व्यापक शिक्षण एवं मार्गदर्शन के माध्यम से शिक्षा के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में आपके द्वारा प्रकाशित कई शोध पत्रों की श्रृँखला को देखने से स्पष्ट होता है कि आपका विद्वत्तापूर्ण योगदान कक्षा से परे भी है। आपका महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में वेद-वेदांग और साहित्य संकाय प्रमुख, संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र विभाग के प्रमुख सहित नेतृत्व के पदों पर कार्य करने वाले प्रोफेसर शैक्षणिक क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण ट्रैक रिकॉर्ड भी है। आपकी महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना में भी अपनी गरिमामय उपस्थिति शैक्षणिक एवं प्रशासनिक उत्कृष्टता दोनों के प्रति समर्पण का सटीक प्रमाण है।

आपके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय निरन्तर उन्नति पथ पर अग्रसर है।

# कुलसचिव ( प्रभारी )

## डॉ. प्रेम कुमार शर्मा

### ( 9 दिसंबर 2022 से 14 दिसम्बर, 2023 )

प्रो. प्रेम कुमार शर्मा ज्योतिष (ज्योतिष) के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रसिद्ध विद्वान हैं। 4 मार्च 1961 को हिमाचल प्रदेश के कायलर गांव में जन्म हुआ। उन्होंने अपना जीवन ज्ञान की खोज और संस्कृत अध्ययन में उत्कृष्टता के लिए समर्पित कर किया। प्रोफेसर शर्मा ने 9 दिसंबर 2022 से 14 दिसम्बर, 2023 तक श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कुलसचिव (प्रभारी) के रूप में कार्य किया।

उनके पास पीएच.डी. सहित विविध प्रकार की शैक्षणिक योग्यताएं हैं। 'सिद्धान्त शिरोमनेगोर्लाध्यायस्य समालोचनात्मक-मध्ययनम्' राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली से विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त की। प्रोफेसर शर्मा की शैक्षणिक यात्रा में शास्त्री (बी.ए.), संस्कृत में एम.ए. और आचार्य (सिद्धान्त ज्योतिष) में स्नातकोत्तर सहित उपाधियों की एक समृद्ध श्रृंखला शामिल है।

अपनी शिक्षण और अनुसन्धान भूमिकाओं के अतिरिक्त, प्रोफेसर शर्मा विभिन्न प्रशासनिक क्षमताओं में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। उन्होंने ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष, वेद-वेदांग संकाय के प्रमुख के रूप में कार्य किया है, और श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में मुख्य सतर्कता अधिकारी और कुलानुशासक के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई थी।

प्रोफेसर शर्मा का योगदान शिक्षाविदों से परे तक फैला हुआ है, जैसा कि एस.ए.पी. (डी.आर.एस.) ज्योतिष सहित कई परियोजनाओं में उनकी भागीदारी से पता चलता है। वह एक विपुल लेखक और सम्पादक भी रहे हैं, जिनके नाम 'मुहूर्तचिंतामणि' का विवाह प्रकरण और 'विद्यापीठ पञ्चाङ्ग-गणित' जैसे कई प्रकाशन हैं।

अपने पूरे कार्यकाल में प्रो. प्रेम कुमार शर्मा ने संस्कृत अध्ययन और ज्योतिष की उन्नति के लिए असाधारण नेतृत्व और समर्पण का प्रदर्शन किया है। उनका बहुमुखी योगदान उन्हें श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए एक मूल्यवान सम्पत्ति बनाता है।

# कुलसचिव ( प्रभारी ) एवं वित्ताधिकारी

## श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव

**( 9 अगस्त 2023 से )**

श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने 9 अगस्त 2023 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया, अपने साथ व्यापक अनुभव और संस्थान की संचालन क्षमता को बढ़ाने की स्पष्ट दृष्टि लेकर आए। उनके पास वित्त, लेखा, क्रय, संपत्ति, लेखा परीक्षा, स्थापना, प्रशासन और भर्ती संबंधित विश्वविद्यालय प्रबंधन के विविध क्षेत्रों का विस्तृत अनुभव है। उनके रणनीतिक नेतृत्व ने सुनिश्चित किया कि ये महत्वपूर्ण कार्य विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप रहें, और उनके सक्रिय दृष्टिकोण ने उन्हें शीघ्र ही संस्थान में विकास और स्थिरता के लिए एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में स्थापित किया। उनकी क्षमताओं को पहचानते हुए, विश्वविद्यालय ने उन्हें 15 दिसंबर 2023 को कुलसचिव के रूप में अतिरिक्त कार्यभार सौंपा, जिससे उनके जटिल प्रबंधन क्षमता की बहुमुखी प्रतिभा भी उजागर हुई।

35 से अधिक वर्षों के प्रशासनिक और प्रबंधकीय अनुभव के साथ, श्री श्रीवास्तव की विशेषज्ञता उन्हें अन्य से अलग बनाती है। कुमाऊं विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने वाली उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि ने उनके वित्तीय और प्रशासनिक कौशल के लिए एक ठोस आधार प्रदान किया है। अपने कैरियर के दौरान, उन्होंने चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया और परिवर्तनकारी बदलाव लाने की क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे विश्वविद्यालय में उत्तरदायित्व और नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहन मिला। उनके नेतृत्व ने न केवल संस्थान के संचालन ढांचे को मजबूत किया बल्कि अकादमिक उत्कृष्टता और वित्तीय विवेक को भी बढ़ावा दिया।

जब हम शैक्षणिक वर्ष 2023-24 को देखते हैं, श्री श्रीवास्तव के योगदान विश्वविद्यालय की उन्नति में महत्वपूर्ण साबित प्रतीत होते हैं। उनका दूरदर्शी दृष्टिकोण और समर्पण भाव, भविष्य की प्रगति के लिए एक मजबूत नींव रख चुका है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विश्वविद्यालय निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर होता रहेगा।

# पीठों के पीठाध्यक्ष

## वेद वेदांग पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा

## दर्शनशास्त्र पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. ए.एस. आरावमुदन

## साहित्य और संस्कृति पीठ

पीठाध्यक्ष प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला

## आधुनिक विषय पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. मीनू कश्यप

## शिक्षा पीठ

पीठाध्यक्ष - प्रो. सदन सिंह

## छात्र कल्याण

पीठाध्यक्ष - प्रो. शिव शंकर मिश्र

## शैक्षणिक

पीठाध्यक्ष - प्रो. भागीरथि नन्द

# विषयानुक्रमणिका


| क्र.सं. | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1. | प्रस्तावना (कुलाधिपति) | 123 |
| 2. | प्रस्तावना (कुलपति) | 124 |
| 3. | परिचय | 132 |
| 4. | विश्वविद्यालय के दृष्टि, लक्ष्य एवं उद्देश्य | 133 |
| 5. | संगठन सारिणी | 136 |
| 6. | प्राधिकरण वर्ग, मण्डल एवं समितियाँ | 137–151 |
| 7. | पीठानुसार शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग विवरण | 152–155 |
| 8. | गैर शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग विवरण | 156–159 |
| 9. | विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम | 160–161 |
| 10. | नूतन शिक्षा नीति का क्रियान्वयन | 162 |
| 11. | अनुदान/विद्यमान समझौता/ज्ञापन सहयोग, योजनाएं एवं परियोजनाएं | 162–163 |
| | **छात्र विवरण** | |
| 12. | कार्यक्रम वार स्वीकृत एवं पंजीकृत छात्रों का विवरण | 164 |
| 13. | नियमित और अंशकालिक पाठ्यकार्यक्रमों के लिए नामांकित छात्रों का राज्यवार विवरण | 165 |
| 14. | श्रेणीवार नियमित कार्यक्रमों के छात्रों का विवरण | 166 |
| 15. | श्रेणीवार स्ववित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रमों के छात्रों का विवरण | 167 |
| 16. | कार्यक्रमवार छात्रों के परिणामों का विवरण | 168 |
| 17. | छात्रवृत्ति, जे.आर.एफ., एस.आर.एफ. एवं राष्ट्रीय अध्येतावृति सम्मानित छात्र | 169–170 |
| | **पीठ** | |
| 18. | वेद वेदांग पीठ | 172–179 |
| 19. | दर्शन पीठ | 180–185 |

| | | |
|---|---|---|
| 20. | साहित्य एवं संस्कृति पीठ | 186-190 |
| 21. | आधुनिक विषय पीठ | 191-194 |
| 22. | शिक्षा पीठ | 195-204 |
| 23. | शैक्षणिक | 201 |
| 24. | छात्र कल्याण | 202 |
| | **केंद्र** | |
| 25. | शिक्षण अधिगम केन्द्र | 206-210 |
| 26. | महिला अध्ययन केन्द्र | 211 |
| 27. | संगणक केन्द्र | 212-216 |
| 28. | स्वास्थ्य केन्द्र | 217-218 |
| | **प्रकोष्ठ एवं प्रभाग** | |
| 29. | आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ | 220 |
| 30. | स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ | 220 |
| 31. | आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ | 220 |
| 32. | समान अवसर प्रकोष्ठ | 221 |
| 33. | प्रकाशन | 221 |
| 34. | अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ | 223 |
| 35. | राष्ट्रीय छात्र सेना | 226 |
| 36. | राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) | 228 |
| | **प्रशासनिक अनुभाग एवं इसके अनुभाग** | |
| 37. | लेखा | 230 |
| 38. | शैक्षणिक | 231 |
| 39. | प्रशासन (I, II एवं सामान्य) | 231-233 |
| 40. | विकास | 233 |
| 41. | परीक्षा | 234 |
| 42. | अभियान्त्रिकी (विश्वविद्यालय कार्य विभाग) | 235 |
| 43. | केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) (आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत) | 237-241 |

## संरचना और सुविधाएं


| | | |
|---|---|---|
| 44. | केन्द्रीय पुस्तकालय | 242 |
| 45. | जलपान गृह | 245 |
| 46. | परिसर में दिव्यांगजन सुविधा | 246 |
| 47. | पर्यावरण-सुरक्षित कैम्पस ओएसिस : हरियाली, 24x7 सुरक्षा और ई-चार्जिंग स्टेशनों के साथ टिकाऊ पार्किंग | 246 |
| 48. | उत्कृष्टता का मैदान : एसएलबीएसएनएसयू परिसर में एक स्पोर्टिंग ओडिसी | 247 |
| 49. | बहुमुखी स्थान : अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ शैक्षणिक अनुभवों को बढ़ाना | 248 |
| 50. | आभासीय कक्षा/ स्टूडियो | 249 |
| 51. | अतिथि गृह | 249 |
| 52. | छात्रावास | 250 |
| 53. | मनोरंजन कक्ष | 250 |
| 54. | व्यायामशाला | 251 |
| 55. | देवसदनम् | 251 |
| 56. | आवासीय क्वार्टर | 252 |
| 57. | शिशु सदन | 252 |
| 58. | वेधशाला | 253 |
| 59. | यज्ञशाला | 253 |
| 60. | श्रौतयज्ञ प्रयोगशाला | 254 |
| 61. | वर्षा जल संचयन प्रणाली | 254 |
| 62. | छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र | 255 |
| 63. | मलजल उपचार संयंत्र | 255 |


## खेलकूद, अकादमिक एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ


| | | |
|---|---|---|
| 64. | खेलकूद गतिविधियाँ | 256 |
| 65. | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2023 | 259 |
| 66. | अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस | 259 |
| 67. | आजादी का अमृत महोत्सव (हर घर तिरंगा) | 259 |

| | | |
|---|---|---|
| 68. | विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस | 259 |
| 69. | स्वतंत्रता दिवस | 260 |
| 70. | अंगदान प्रतिज्ञा/अंगदान महोत्सव-2023 | 260 |
| 71. | शिक्षक दिवस | 260 |
| 72. | हिन्दी पखवाड़ा | 260 |
| 73. | श्री लाल बहादुर शास्त्री और श्री महात्मा गांधी की जयंती समारोह | 260 |
| 74. | स्वच्छता अभियान | 261 |
| 75. | खादी महोत्सव | 261 |
| 76. | मेरी माटी मेरा देश अभियान | 261 |
| 77. | संविधान दिवस | 262 |
| 78. | अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष | 262 |
| 79. | विकसित भारत/2047 (युवाओं की आवाज) | 263 |
| 80. | दीक्षांत समारोह/दीक्षांत दिवस | 263 |
| 81. | गणतन्त्र दिवस | 264 |
| 82. | संस्कृति समागम-22.01.2024 | 264 |
| 83. | राष्ट्रीय मतदाता दिवस तथा मेरा पहला वोट देश के लिए | 264 |
| 84. | सरस्वती पूजन | 264 |

# परिचय

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (श्री.ला.बा.शा. रा.स.वि), जिसे पहले श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता था, शास्त्र परंपरा, उच्च शिक्षा और शास्त्रों की व्याख्या के प्रतीक के रूप में खड़ा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य आधुनिक संदर्भ में इसकी सार्थकता सुनिश्चित करते हुए संस्कृत ज्ञान की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना है। अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष श्री लाल बहादुर शास्त्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, संस्था का आधिकारिक नामकरण 2 अक्टूबर, 1966 को तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया था। 1987 में, (श्री.ला.बा.शा. रा.स.वि) ने मानित विश्वविद्यालय संस्थान का दर्जा प्राप्त किया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से वित्त पोषण के साथ 1 नवंबर 1991 को पूरी तरह से प्रचालित हो गया। यह विद्यापीठ अपने संस्था के बहिर्नियमों, यूजीसी विनियमों, नियमों और उप-नियमों द्वारा प्रशासित है, शास्त्रिक शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रति कार्यरत रहते हुए, बीते वर्षों से विकसित हुआ है।

**केंद्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तनः**

श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के दूरदर्शी स्वप्न और देश भर में संस्कृत प्रेमियों की लगातार मांगों को विचार में लेकर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने एसएलबीएसएनएसयू को केंद्रीय विश्वविद्यालय में बदलने का अनुमोदन किया। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना 30 अप्रैल, 2020 को हुई, जो संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है।

**शैक्षणिक दूरदृष्टिः**

श्री.ला.बा.शा.रा.स.वि में पांच पीठ शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक विश्वविद्यालय शैक्षणिक दृष्टि में योगदान देता है। वेद-वेदांग पीठ, दर्शन पीठ, साहित्य और संस्कृति पीठ, शिक्षा पीठ, और आधुनिक विद्या पीठ पारंपरिक शास्त्र विषयों, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शिक्षा शास्त्र में उन्नत पाठ्यक्रमों के अध्ययन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करते हैं। अनुसंधान और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्रिक शिक्षा की विभिन्न शाखाओं में अनुसंधान करने में रुचि रखने वाले अध्येताओं के लिए एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। इसके अतिरिक्त, एक स्वतंत्र प्रकाशन इकाई में शोध पत्रिका शोध-प्रभा सहित ऐतिहासिक कार्यों का संरक्षण और प्रकाशन किया जाता है।

**उपलब्धियां और मान्यताएं**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के प्रमुख संस्कृत संस्थान के रूप में स्वस्थापित संस्थान है, जो अपनी अकादमिक उत्कृष्टता, नवीन शोध और सामुदायिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के

लिए प्रसिद्ध है। नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा वास्तुशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, कर्मकांड, दर्शनशास्त्र, योग तथा कंप्यूटर एप्लीकेशन आदि में व्यावसायिक और रोजगारकौशलप्रमाणपत्रीय एवं डिप्लोमा कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय तृतीय चक्र के लिए अपने NAAC प्रत्यायन की प्रक्रिया में कार्यरत है। भारतीय विश्वविद्यालयसंघ सदृश प्रतिष्ठित शैक्षणिक निकायों का श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नियमित सदस्य है।

## दृष्टि एवं ध्येय

**दृष्टि**

शास्त्रों की शास्त्रीय परंपरा और व्याख्या को संरक्षित करना तथा प्राचीन ज्ञान को आधुनिक समस्याओं के समाधान हेतु परिभाषित करना।

**ध्येय**

- अत्यधिक विशिष्ट शाखाओं पर विशेष ध्यान देते हुए पारम्परिक संस्कृत विद्या में शिक्षा प्रदान करना।
- संस्कृत शिक्षा एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली में उच्च स्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- शास्त्रीय संस्कृत और संस्कृत में समकालीन साहित्य का अध्ययन करना।
- अनुसंधान के माध्यम से संस्कृत विरासत के ज्ञान को संवर्द्धित करना।
- पारम्परिक और समसामयिक दृष्टिकोण के विशेष संदर्भ में शास्त्रों की निर्वचन करना।
- संस्कृत के सहायक घटकों अर्थात ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में उच्च अध्ययन हेतु अवसर प्रदान करना।
- आलोचनात्मक विश्लेषण और चिंतन के लिए पांडुलिपियों को संरक्षित करना।
- स्कूली शिक्षा के लिए सक्षम संस्कृत शिक्षक तैयार करना।
- शिक्षाशास्त्र के लिए शिक्षक प्रशिक्षकों को तैयार करना।
- अपना एक विशेष स्वरूप बनाने हेतु संस्कृत शिक्षा एवं विभिन्न विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करना।

**उद्देश्य**

विश्वविद्यालय की स्थापना संस्कृत भाषा और सीखने की ऐसी अन्य शाखाओं को बढ़ावा देने के लिए निर्देशात्मक, अनुसंधान और विस्तार सुविधाएं प्रदान करके ज्ञान का प्रसार और उन्नति करने के लिए की गई है जो यह उचित समझे; अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना; शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, अंतर-विषयक अध्ययन और अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उचित उपाय करना; और संस्कृत और संस्कृत पारंपरिक विषयों के क्षेत्र में समग्र विकास, प्रचार, संरक्षण और अनुसंधान के लिए जनशक्ति को शिक्षित और प्रशिक्षित करना।

**निर्दिष्टित दृष्टि एवं ध्येय को पूरा करने के लिए, निम्नलिखित उद्देश्य तैयार किए गए हैं:**

i. विभिन्न शास्त्रों के अंतर्निहित ज्ञान में अंतर्दृष्टि विकसित करना।

ii. शास्त्रों की व्याख्या के लिए दक्षताओं का विकास करना। दूरदृष्टि एवं ध्येय एवं ध्येय के उद्देश्य 4 वार्षिक रिपोर्ट 2022-2023 श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय।

iii. समस्याओं के साथ शास्त्रों की सार्थकता को आधुनिक संदर्भ में जोड़ना।

iv. आधुनिक और शास्त्रीय विद्या में गहन प्रशिक्षण के साधन उपलब्ध कराना।

v. संस्कृत शिक्षा और इसके विभिन्न विषयों में अनुसंधान करने के अवसर प्रदान करना।

vi. भारतीय ज्ञान प्रणाली विशेषकर पारम्परिक संस्कृत अनुशासन का आधुनिक विषयों के साथ संबंध और समकालीन संदर्भ में सार्थकता का पता लगाना।

vii. विशेष रूप से संस्कृत और विभिन्न शास्त्रों को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक कौशल और दक्षता विकसित करना।

**विश्वविद्यालय ने उपरोक्त उद्देश्यों के अनुसरण में निर्णय लिया है:**

- संस्कृत शिक्षकों के प्रशिक्षण और संस्कृत शिक्षा के शैक्षणिक पहलुओं में अनुसंधान के संचालन की व्यवस्था करना।
- एशिया की इन भाषाओं और साहित्यों के अध्ययन की सुविधाएं प्रदान करना, जिनका संस्कृत अध्ययन पर प्रभाव पड़ता है, जैसे पाली, ईरानी, तिब्बती, मंगोलियाई, चीनी, जापानी, आदि।
- भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर विशेष जोर देते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम निर्धारित करना और संस्कृत और संबद्ध विषयों में परीक्षाएं आयोजित करना।
- मूल ग्रंथों, टिप्पणियों और पांडुलिपियों के अनुवाद सहित संस्कृत के बारे में साहित्य प्रकाशित करना और प्रिंट और गैर-मुद्रित सामग्री विकसित करना।
- अनुसंधान निष्कर्षों, पत्रिकाओं और अनुसंधान के लिए सहायता जैसे सूचकांक, डाइजेस्ट और ग्रंथ सूची सामग्री के प्रकाशन की व्यवस्था करना।
- पांडुलिपियों को एकत्रित, संरक्षित और प्रकाशित करना और एक राष्ट्रीय संस्कृत पुस्तकालय और संग्रहालय का निर्माण करना और पांडुलिपि विज्ञान में, विशेष रूप से संस्कृत अध्ययन में उपयोग की जाने वाली लिपियों में प्रशिक्षण के लिए साधन प्रदान करना।
- संस्कृत में तकनीकी साहित्य सहित मूल संस्कृत ग्रंथों की सार्थक व्याख्या के लिए आवश्यक आधुनिक विषयों में शिक्षा के साधन प्रदान करना।

- छात्रवृत्ति से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर आपसी समझ के लिए आधुनिक और पारंपरिक अध्येयताओं के बीच बातचीत को बढ़ावा देना।
- शास्त्र परिषदों, सेमिनारों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- अन्य शैक्षणिक निकायों और संस्थानों की डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्रों को विश्वविद्यालय के समकक्ष मान्यता देना।
- संकायों की स्थापना करना और उक्त बोर्ड और समितियों का गठन करना जो विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक हों।
- समय-समय पर अपनाए गए नियमों और उपनियमों के अनुसार संस्थान और अध्येकतावृत्ति, छात्रवृत्ति, पुरस्कार और पदक प्रदान करना।
- विश्वविद्यालय के समान पूर्ण या आंशिक रूप से समान उद्देश्यों वाले किसी अन्य संघ, समाज या संस्थान की सदस्यता लेना और उसका सदस्य बनना या उसके साथ सहयोग करना।
- विश्वविद्यालय के सभी या किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक या अनुकूल उक्त सभी गतिविधियां करना।

# श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय की संगठन सारणी

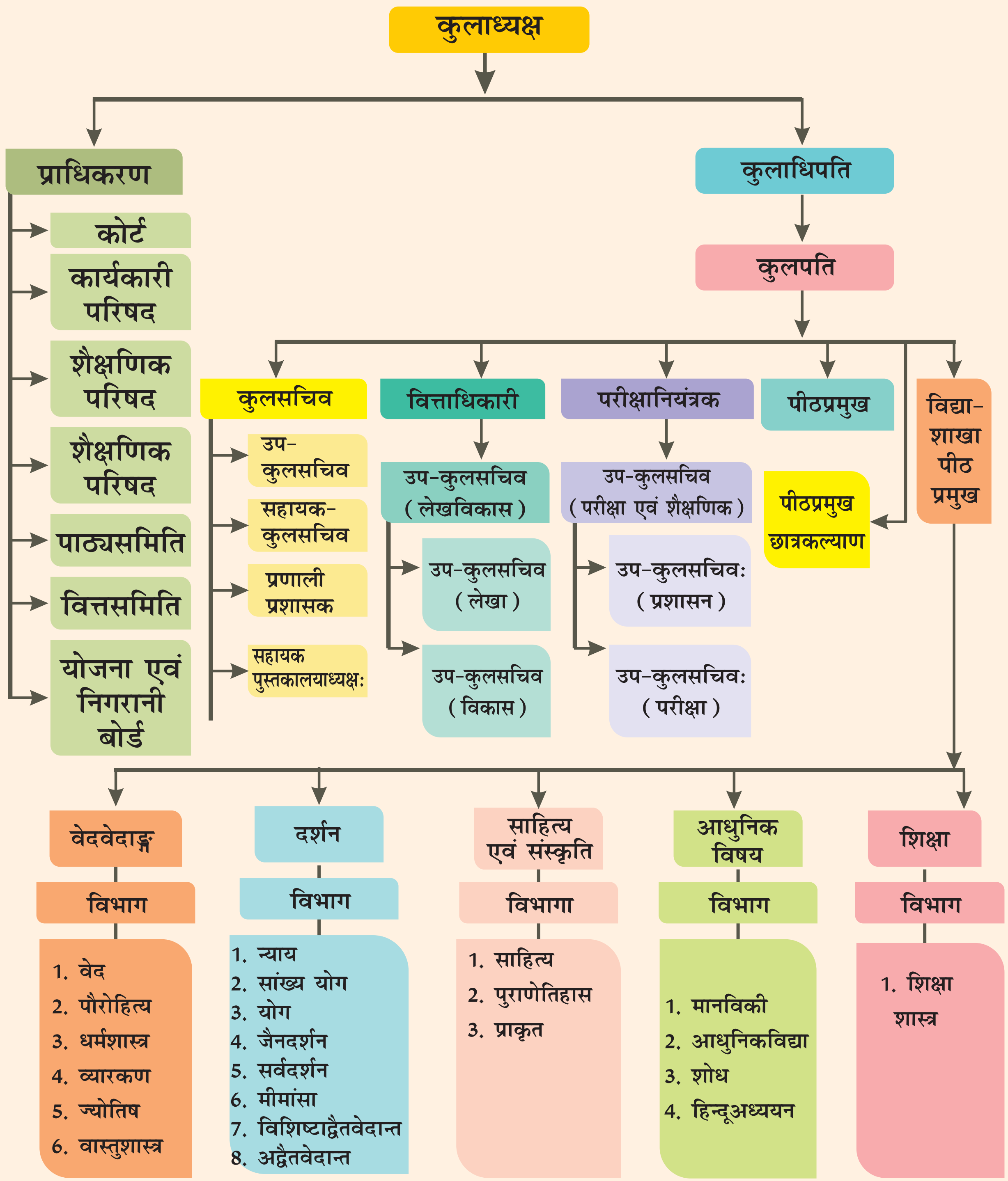

## प्राधिकरण

1. कोर्ट
2. कार्यकारी परिषद
3. शैक्षणिक परिषद
4. अध्ययन मण्डल
5. वित्त समिति
6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

## मण्डल

1. शोध मण्डल
2. परीक्षा मण्डल
3. संपादकीय मण्डल
4. कुलानुशासक मण्डल

## समितियाँ

1. विभागीय अनुसंधान समीक्षा समिति
2. शैक्षणिक दिनदर्शिका समिति
3. भवन समिति
4. प्रवेश समिति
5. छात्रावास समिति
6. छात्रवृत्ति समिति
7. शोध एवं प्रकाशन समिति
8. पुस्तकालय समिति
9. परिचय नियमावली समिति
10. हिंदी राजभाषा समिति
11. रोस्टर समिति
12. शिकायत समिति
13. अनुशासन समिति
14. शोधोपाधि समिति
15. आई.क्यू.ए.सी. समिति

# प्राधिकरण

## 1. न्यायालय

विश्वविद्यालय एक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के अनुपालन में, अपने प्रारंभिक न्यायालय की स्थापना पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, अधिनियम के दिशानिर्देशों के अनुरूप, न्यायालय की संरचना और सदस्य शर्तों पर सावधानीपूर्वक विचार किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार वर्तमान में प्रस्तावित गठन की समीक्षा कर रहा है। यह प्रयास शासन की पारदर्शिता और कानूनी अनुपालन के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संस्थान उत्सुकता से विश्वविद्यालय न्यायालय की आधिकारिक स्थापना का इंतजार कर रहा है, जो कार्यनीतिक निगरानी और निर्णय लेने के लिए एक महत्वपूर्ण निकाय है। इस प्रगति का विवरण आगामी वार्षिक रिपोर्ट में दिया जाएगा।

## 2. कार्यकारी परिषद

कार्यकारिणी परिषद, विश्वविद्यालय की अग्रणी कार्यकारिणी संस्था है, जो सावधानीपूर्वक परिभाषित विधियों द्वारा निर्देशित, सटीकता और अधिकार के साथ संचालित होती है। इस परिषद द्वारा निपुण व्यक्तियों को शामिल करते हुए संस्थान की कार्यनीतिक दृष्टि को साकार किया जाता है और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, कुलपति | अध्यक्ष |
| 2. | प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल, पीठाध्यक्ष, साहित्य एवं संस्कृति पीठ | सदस्य |
| 3. | प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा, वेदवेदांग पीठाध्यक्ष | सदस्य |
| 4. | प्रो. प्रेम कुमार शर्मा, आचार्य, ज्योतिष विभाग | सदस्य |
| 5. | डॉ. रामचन्द्र शर्मा, आचार्य, ज्योतिष विभाग | सदस्य |
| 6. | प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति, इग्नू | सदस्य |
| 7. | श्रीमती नीता प्रसाद, संयुक्त सचिव (भाषाएं) | सदस्य, पूर्व कार्यालय |
| 8. | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव (प्रभारी) | सचिव, पूर्व कार्यालय |

**कार्यकारी परिषद की सातवी, आठवी तथा नवमी बैठक दिनांक 30.06.2023, 16.08.2023, 04.12.2023 को आयोजित की गई ।**

**Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)**

## 3. शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद, सर्वोच्च शैक्षणिक निकाय है जो अधिनियम, विधि और अध्यादेशों की रूपररेखा के अंदर काम करती है। परिषद उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करते हुए, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों का परिश्रमपूर्वक समन्वय और देखरेख करती है। निम्नलिखित तालिका में परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों का विवरण दर्शाया गया है: –

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. मुरली मनोहर पाठक | अध्यक्ष |
| 2. | प्रो. मृदुला त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| 3. | प्रो. बनारसी त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| 4. | प्रो. मनोज कुमार मिश्रा | बाह्य सदस्य |
| 5. | प्रो. जयकांत सिंह शर्मा | सदस्य |
| 6. | प्रो. सदन सिंह | सदस्य |
| 7. | प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल | सदस्य |
| 8. | प्रो. ए.एस. अरावमुदन | सदस्य |
| 9. | प्रो. मीनू कश्यप | सदस्य |
| 10. | प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय | सदस्य |
| 11. | प्रो. पी.के. दीक्षित | सदस्य |
| 12. | प्रो. सुखदेव भोई | सदस्य |
| 13. | प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी | सदस्य |
| 14. | प्रो. वीर सागर जैन | सदस्य |
| 15. | प्रो. सुदीप कुमार जैन | सदस्य |
| 16. | प्रो. यशवीर सिंह | सदस्य |
| 17. | प्रो. मार्कण्डेय तिवारी | सदस्य |
| 18. | प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र | सदस्य |
| 19. | प्रो. नीलम ठागेला | सदस्य |
| 20. | प्रो. प्रभाकर प्रसाद | सदस्य |
| 21. | प्रो. बृन्दाबन दाश | सदस्य |
| 22. | प्रो. राम सलाही द्विवेदी | सदस्य |
| 23. | प्रो. सुमन कुमार झा | सदस्य |
| 24. | प्रो. के. अनंत | सदस्य |
| 25. | प्रो. एस. सुदर्शन | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| 26. | प्रो. शिव शंकर मिश्र | सदस्य |
| 27. | डॉ. आदेश कुमार | सदस्य |
| 28. | प्रो. राम चन्द्र शर्मा | सदस्य |
| 29. | प्रो. रचना वर्मा मोहन | सदस्य |
| 30. | प्रो. भागीरथि नंद | सदस्य |
| 31. | प्रो. जगदेव कुमार शर्मा | सदस्य |
| 32. | प्रो. संगीता खन्ना | सदस्य |
| 33. | डॉ. अभिषेक तिवारी | सदस्य |
| 34. | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव | सदस्य |

**शैक्षणिक परिषद की सातवी तथा आठवी बैठक दिनांक 19.06.2023-24.11.2023 को आयोजित की गई ।**

**Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)**

## 4. अध्ययन मण्डल

विधान द्वारा निर्देशित, अध्ययन मंडल संविधान, शक्तियों और कार्यों पर नियंत्रण रखता है। यह प्रत्येक पीठ के अंतर्गत विभाग-वार संचालित होता है, जिससे अनुरूप शैक्षणिक प्रशासन सुनिश्चित होता है। विभिन्न स्कूलों में विभागवार अध्ययन बोर्ड के सदस्यों और उनके अध्यक्ष का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

| | |
|---|---|
| **I. वेद-वेदांग पीठ** | |
| **1. वेद विभाग** | |
| प्रो. रामानुज उपाधय | अध्यक्ष |
| प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र | बाह्य सदस्य |
| प्रो.राममूर्ति चतुर्वेदी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा | सदस्य |
| प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा | सदस्य |
| प्रो. सुन्दर नारायण झा | सदस्य |
| प्रो. रामराज उपाध्याय | सदस्य |
| प्रो. हनुमान मिश्र | सदस्य |

| | |
|---|---|
| **2. पौरोहित्य विभाग** | |
| प्रो. बृन्दावनदास | अध्यक्ष |
| प्रो. श्रीकिशोर मिश्र | बाह्य सदस्य |
| प्रो. वेदप्रकाश उपाध्याय | बाह्य सदस्य |
| प्रो. रामराज उपाध्याय | सदस्य |
| प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा | सदस्य |
| **3. धर्मशास्त्र विभाग** | |
| प्रो. यशवीर सिंह | अध्यक्ष |
| प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. बृज किशोर स्वाई | बाह्य सदस्य |
| प्रो. सुधांशु भूषण पण्डा | अध्यक्ष |
| डॉ. हिमांशु शेखर त्रिपाठी | सदस्य |
| डॉ. मीनाक्षी मिश्र | सदस्य |
| **4. व्याकरण विभाग** | |
| प्रो. राम सलाही द्विवेदी | अध्यक्ष |
| प्रो. ललिता त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. ओम नाथ बिमली | बाह्य सदस्य |
| प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा | सदस्य |
| प्रो. प्रेम कुमार शर्मा | सदस्य |
| प्रो. सुजाता त्रिपाठी | सदस्य |
| डॉ. दयाल सिंह | सदस्य |
| डॉ. नरेश कुमार बैरवा | सदस्य |
| श्री धर्म पाल प्रजापत | सदस्य |
| **5. ज्योतिष विभाग** | |
| प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा | अध्यक्ष |
| प्रो. सदानंद शुक्ल | बाह्य सदस्य |
| प्रो. श्रीपद भट्ट | बाह्य सदस्य |
| प्रो. बिहारी लाल शर्मा | सदस्य |
| प्रो. प्रेम कुमार शर्मा | सदस्य |
| प्रो. विनोद कुमार शर्मा | सदस्य |
| प्रो. नीलम ठगेला | सदस्य |

| | |
|---|---|
| प्रो. परमानंद भारद्वाज | सदस्य |
| प्रो. सुशील कुमार | सदस्य |
| प्रो. फणींद्र कुमार चौधरी | सदस्य |
| प्रो. रश्मि चतुर्वेदी | सदस्य |
| डॉ. रतन लाल | सदस्य |
| **6. वास्तुशास्त्र विभाग** | |
| प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी | अध्यक्ष |
| प्रो. विनय कुमार पाण्डेय | बाह्य सदस्य |
| प्रो. श्यामदेव मिश्र | बाह्य सदस्य |
| प्रो. अशोक थपलियाल | अध्यक्ष |
| प्रो. रश्मि चतुर्वेदी | सदस्य |
| डॉ प्रवेश व्यास | सदस्य |
| डॉ. देशबंधु | सदस्य |
| **II. दर्शनशास्त्र पीठ** | |
| **1. न्याय विभाग** | |
| डॉ. राम चंद्र शर्मा | अध्यक्ष |
| प्रो. रामपूजन पाण्डेय | बाह्य सदस्य |
| प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र | बाह्य सदस्य |
| प्रो. विष्णुपद महापात्र | सदस्य |
| प्रो. महानंद झा | सदस्य |
| प्रो. प्रभाकर प्रसाद | सदस्य |
| **2. सांख्य योग विभाग** | |
| प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी | अध्यक्ष |
| प्रो. हरि प्रसाद अधिकारी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. राम नाथ झा | बाह्य सदस्य |
| प्रो. ए.एस. अरावमुदन | सदस्य |
| **3. योग विभाग** | |
| प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी | अध्यक्ष |
| प्रो. सुरेन्द्र त्यागी | बाह्य सदस्य |
| डॉ. सत्य प्रकाश पाठक | बाह्य सदस्य |
| प्रो. एस. सुदर्शन | सदस्य |

| | |
|---|---|
| डॉ. विजय गुसाईं | सदस्य |
| डॉ. रमेश यादव | सदस्य |
| **4. जैन दर्शन विभाग** | |
| प्रो. वीर सागर जैन | अध्यक्ष |
| प्रो. फूल चंद जैन | बाह्य सदस्य |
| प्रो. कमलेश जैन | बाह्य सदस्य |
| प्रो. कुलदीप कुमार | अध्यक्ष |
| प्रो. अनेकांत जैन | सदस्य |
| प्रो. संगीता खन्ना | सदस्य |
| **5. सर्वदर्शन विभाग** | |
| प्रो. प्रभाकर प्रसाद | अध्यक्ष |
| प्रो. संतोष कुमार शुक्ल | बाह्य सदस्य |
| प्रो. कृष्ण कान्त शर्मा | बाह्य सदस्य |
| प्रो. संगीता खन्ना | सदस्य |
| प्रो. जवाहर लाल | सदस्य |
| डॉ. विजय गुप्ता | सदस्य |
| **6. मीमांसा विभाग** | |
| प्रो. ए.एस. अरावमुदन | अध्यक्ष |
| प्रो. मधर जनार्दन रताते | बाह्य सदस्य |
| प्रो. टी.एस.आर. नारायण | बाह्य सदस्य |
| प्रो. जवाहर लाल | सदस्य |
| श्री राजेश कुमार गुर्जर | सदस्य |
| **7. विशिष्ट अद्वैत वेदान्त विभाग** | |
| प्रो. एस. सुदर्शन | अध्यक्ष |
| प्रो. एम.एम. अग्रवाल | बाह्य सदस्य |
| डॉ. महेश शर्मा | बाह्य सदस्य |
| प्रो. के अनंत | सदस्य |
| प्रो. संगीता खन्ना | सदस्य |
| **8. अद्वैत वेदान्त विभाग** | |
| प्रो. के अनंत | अध्यक्ष |

| | |
|---|---|
| प्रो. राम किशोर त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. के. गणपती भट्ट | बाह्य सदस्य |
| प्रो. मारकण्डे नाथ तिवारी | सदस्य |
| **III. साहित्य एवं संस्कृति पीठ** | |
| **1. साहित्य विभाग** | |
| प्रो. सुमन कुमार झा | अध्यक्ष |
| प्रो. रमाकांत पाण्डेय | बाह्य सदस्य |
| प्रो. रंजन त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. भागीरथी नंद | सदस्य |
| प्रो. शुकदेव भोई | सदस्य |
| प्रो. धर्मानंद राउत | सदस्य |
| प्रो. अरविंद कुमार | सदस्य |
| प्रो. सुदीप कुमार जैन | सदस्य |
| डॉ. बेजवाड़ा कामाक्षम्मा | सदस्य |
| डॉ. अनमोल शर्मा | सदस्य |
| **2. पुराणेतिहास विभाग** | |
| प्रो. शीतलाप्रसाद शुक्ल | अध्यक्ष |
| प्रो. श्रीकृष्ण त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. मखलेश कुमार उपाध्याय | बाह्य सदस्य |
| प्रो. भागीरथी नंद | सदस्य |
| **3. प्राकृत विभाग** | |
| प्रो. सुदीप कुमार जैन | अध्यक्ष |
| प्रो. हरिशंकर पाण्डेय | बाह्य सदस्य |
| प्रो. योगेश जैन | बाह्य सदस्य |
| प्रो. कल्पना जैन | सदस्य |
| प्रो. सुमन कुमार झा | सदस्य |
| **IV. आधुनिक विषय पीठ** | |
| **1. मानविकी विभाग** | |
| **विषय- अंग्रेजी** | |
| प्रो. मीनू कश्यप | अध्यक्षा |
| प्रो. अजय कुमार शुक्ल | बाह्य सदस्य |

| | |
|---|---|
| प्रो. अमिया भूषण शर्मा | बाह्य सदस्य |
| डॉ. अभिषेक तिवारी | सदस्य |
| डॉ. सुमिता त्रिपाठी | सदस्य |
| **विषय - समाजशास्त्र** | |
| प्रो. मीनू कश्यप | अध्यक्षा |
| प्रो. राम प्रकाश | बाह्य सदस्य |
| प्रो. शफीक अहमद | बाह्य सदस्य |
| श्रीमती वंदना शुक्ला | सदस्य |
| डॉ. अभिषेक तिवारी | सदस्य |
| **विषय - हिंदी** | |
| प्रो. मीनू कश्यप | अध्यक्षा |
| प्रो. विमलेश कुमार मिश्र | बाह्य सदस्य |
| प्रो. के.एन. तिवारी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. जगदेव शर्मा | सदस्य |
| प्रो. शिवशंकर मिश्र | सदस्य |
| **विषय - राजनीतिक विज्ञान** | |
| प्रो. मीनू कश्यप | अध्यक्षा |
| प्रो. रजनी कान्त पाण्डेय | बाह्य सदस्य |
| प्रो. टी.पी. सिंह | बाह्य सदस्य |
| डॉ. अभिषेक तिवारी | सदस्य |
| **2. आधुनिक ज्ञान विभाग** | |
| **विषय - कंप्यूटर** | |
| प्रो. आदेश कुमार | अध्यक्ष |
| प्रो. विशाल भटनागर | बाह्य सदस्य |
| प्रो. उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| श्री आदित्य पंचोली | सदस्य |
| डॉ. सुमिता त्रिपाठी | सदस्य |
| **विषय - पर्यावरण अध्ययन** | |
| प्रो. आदेश कुमार | अध्यक्ष |

| | |
|---|---|
| प्रो. आर.पी. शुक्ला | बाह्य सदस्य |
| प्रो. डी.एम. कुमावत | बाह्य सदस्य |
| प्रो. मीनू कश्यप | सदस्य |
| डॉ. सुमिता त्रिपाठी | सदस्य |
| **3. शोध विभाग** | |
| प्रो. शिवशंकर मिश्र | अध्यक्ष |
| प्रो. दीप्ति त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| प्रो. राम बहादुर शुक्ल | बाह्य सदस्य |
| प्रो. आदेश कुमार | सदस्य |
| **4. हिन्दू अध्ययन** | |
| प्रो. शिवशंकर मिश्र | अध्यक्ष |
| प्रो. रामनाथ झा | बाह्य सदस्य |
| प्रो. सदाशिव द्विवेदी | बाह्य सदस्य |
| **शिक्षा पीठ**<br>**शिक्षाशास्त्र विभाग** | |
| प्रो. सदन सिंह | अध्यक्ष |
| प्रो. एच.सी.एस. राठौर | बाह्य सदस्य |
| प्रो. बी.पी. भारद्वाज | बाह्य सदस्य |
| प्रो. के. भारत भूषण | सदस्य |
| प्रो. आर.पी. पाठक | सदस्य |
| प्रो. रचना वर्मा मोहन | सदस्य |
| प्रो. विमलेश शर्मा | सदस्य |
| प्रो. मीनाक्षी मिश्र | सदस्य |
| प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज | सदस्य |
| प्रो. एम. जयकृष्णन् | सदस्य |
| डॉ. मनोज कुमार मीणा | सदस्य |
| डॉ. सविता राय | सदस्य |
| डॉ. तमन्ना कौशल | सदस्य |

**इस अवधि में अध्ययन मंडल की कुल 20 बैठकें आयोजित की गईं।**

### 5. वित्त समिति

विधान द्वारा प्रशासित, वित्त समिति, सावधानीपूर्वक परिभाषित संविधान, शक्तियों और कार्यों के साथ, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निम्नलिखित तालिका में समिति के अध्यक्ष और सदस्यों का विवरण दर्शाया गया है:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. मुरली मनोहर पाठक | अध्यक्ष |
| 2. | श्री बिरेन्द्र चौबे | बाह्य सदस्य |
| 3. | प्रो. नागेश्वर राव | बाह्य सदस्य |
| 4. | श्री आर.डी. सहाय | बाह्य सदस्य |
| 5. | श्री संजोग कपूर | बाह्य सदस्य |
| 6. | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव | सदस्य-सचिव |

**वित्त समिति की छठी तथा सातवी बैठक दिनांक 28.06.2023 तथा 01.12.23 को आयोजित की गई।**

**Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)**

### 6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

नियंत्रणकारी विधानों के अनुपालन में, योजना और निगरानी बोर्ड कार्यनीतिक महारत के एक प्रतीक के रूप में उभरता है। बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:-

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. मुरली मनोहर पाठक | अध्यक्ष |
| 2. | डॉ. चाँद किरण सलूजा | बाह्य सदस्य |
| 3. | प्रो. सुदेश कुमार शर्मा | बाह्य सदस्य |
| 4. | प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी | बाह्य सदस्य |
| 5. | प्रो. भागीरथी नंद | सदस्य |
| 6. | प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी | सदस्य |
| 7. | प्रो. के. भारत भूषण | सदस्य |
| 8. | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव | सदस्यसदस्य सचिव |

# मण्डल

## 1. अनुसन्धान मण्डल

केंद्रीय संस्कृत अधिनियम 2020 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार अनुसंधान छात्रों के स्थायी पंजीकरण की सुविधा के उद्देश्य से एक शोध बोर्ड का गठन किया गया है। स्थापित प्रक्रिया के अनुसार, शोधकर्ताओं को अनुसंधान टीम द्वारा गहन मूल्यांकन के लिए अपने शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। इसके बाद, अनुसंधानकर्ता अपनी प्रस्तुतियों की विशेषताओं का आकलन करने के लिए एक व्यापक साक्षात्कार का सामना करेंगे। सामूहिक मूल्यांकन के आधार पर, अनुसंधान बोर्ड अनुसंधान कार्य के लिए स्थायी पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों की सिफारिश करेगा। अनुसंधान बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य इस प्रकार हैं :

**अनुसंधान बोर्ड की संरचना निम्न प्रकार है :-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. मुरली मनोहर पाठक | अध्यक्ष |
| 2. | प्रो. मनोज कुमार मिश्र | बाह्य सदस्य |
| 3. | प्रो. संतोष कुमार शुक्ला | बाह्य सदस्य |
| 4. | प्रो. भारतेंदु पाण्डेय | बाह्य सदस्य |
| 5. | प्रो. पी.एन. सिंह | बाह्य सदस्य |
| 6. | प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा | सदस्य |
| 7. | प्रो. ए.एस. अरवमुदन | सदस्य |
| 8. | प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला | सदस्य |
| 9. | प्रो. सदन सिंह | सदस्य |
| 10. | प्रो. पीयूष कान्त दीक्षित | सदस्य |
| 11. | प्रो. शिव शंकर मिश्र | सदस्य |
| 12. | प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी | सदस्य |
| 13. | प्रो. रमेश प्रसाद पाठक | सदस्य |
| 14. | प्रो. प्रेम कुमार शर्मा | सदस्य |
| 15. | प्रो. प्रभाकर प्रसाद | सदस्य |
| 16. | प्रो. सुमन कुमार झा | सदस्य |
| 17. | प्रो. वीर सागर जैन | सदस्य |
| 18. | प्रो. राम सलाही द्विवेदी | सदस्य |
| 19. | प्रो. बिष्णुपद महापात्रा | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| 20. | प्रो. जगदेव कुमार शर्मा | सदस्य |
| 21. | प्रो. सुखदेव भोई | सदस्य |
| 22. | प्रो. राम चन्द्र शर्मा | सदस्य |
| 23. | प्रो. एस. सुदर्शन | सदस्य |
| 24. | प्रो. रतन लाल | सदस्य |
| 25. | डॉ. बेजावाडा कामाक्षम्मा | सदस्य |
| 26. | प्रो. शिव शंकर मिश्र | सदस्य-सचिव |

## 2. परीक्षा मण्डल

वर्ष 1991 में स्थापित परीक्षा बोर्ड विश्वविद्यालय के अंदर परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाता है। इसके अधिदेश में परीक्षाओं का आयोजन, परीक्षा पत्रों की अखंडता की रक्षा करना, पर्यवेक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं के दायित्वों को परिभाषित करना, अंकों के संतुलन की देखरेख करना और छात्र अपील की प्रक्रिया का प्रबंधन करना शामिल है। एक सामूहिक कार्य के रूप में, इसके लिए समर्पित सदस्य शैक्षणिक मूल्यांकन में उच्चतम मानकों को बनाए रखने, सभी छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

**परीक्षा बोर्ड की संरचना निम्न प्रकार है:-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल | अध्यक्ष |
| 2. | प्रो. संतोष कुमार शुक्ल | बाह्य सदस्य |
| 3. | प्रो. चाँद किरण सलूजा | बाह्य सदस्य |
| 4. | प्रो. रचना वर्मा मोहन | सदस्य |
| 5. | प्रो. मीनू कश्यप | सदस्य |
| 6. | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव (प्र.) | सदस्य |
| 7. | डॉ. पी.के. अग्रवाल, परीक्षा नियंत्रक | सदस्य-सचिव |
| 8. | डॉ. कांता (उप कुलसचिव) | संयोजिका |

**अवधि के दौरान आयोजित बैठकें -**

09.05.2023, 16.08.2023, 21.02.2024

### 3. सम्पादक मण्डल

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अनुसंधान प्रकाशन विभाग द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित, अनुसंधान पत्रिका को सभी विश्वविद्यालय स्कूलों के प्रतिनिधियों से बने एक संपादकीय बोर्ड द्वारा निर्देशित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वास्तुशास्त्र विभाग का प्रमुख बोर्ड की विविध विशेषज्ञता में योगदान देता है। बोर्ड की प्राथमिक भूमिका समकालीन समाज के संदर्भ में शोध पत्र की गुणवत्ता, भाषा सटीकता, सार्थकता और मौलिकता का आकलन करना है। यह शोध पत्रों में आवश्यक संशोधन, सुधार पूरे परिश्रमपूर्वक करता है और किसी भी असंपादित कमियों को संबोधित करता है, जो अध्येनताओं की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिष्ठित सदस्यों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

**संपादक मण्डल की संरचना निम्न प्रकार है:-**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. जयकांत सिंह शर्मा | अध्यक्ष |
| 2. | प्रो भागीरथी नंद | सदस्य |
| 3. | प्रो. के. भरतभूषण | सदस्य |
| 4. | प्रो. प्रभाकर प्रसाद | सदस्य |
| 5. | डॉ. अशोक थपलियाल | सदस्य |
| 6. | प्रो. राम सलाही द्विवेदी | सदस्य |
| 7. | डॉ. अभिषेक तिवारी | सदस्य |

अवधि के दौरान आयोजित बैठकें - 01.06.2023 तथा 14.12.2023।

### 4. कुलानुशासक मण्डल

कुलानुशासक मण्डल, शिक्षण संकाय और विश्वविद्यालय/परिसर प्रशासन प्रतिनिधियों का एक समूह, विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों के पालन को लागू करने के लिए स्थापित किया गया है। यह निकाय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानकों और दिशानिर्देशों को बनाए रखने, शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुपालन के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कुलानुशासक मण्डल की संरचना निम्न प्रकार है-

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी | अध्यक्ष |
| 2. | प्रो. शिवशंकर मिश्र | सदस्य |
| 3. | प्रो. सदन सिंह | सदस्य |
| 4. | प्रो. मीनू कश्यप | सदस्य |
| 5. | प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| 6. | प्रो. जगदेव शर्मा | सदस्य |
| 7. | प्रो. सुजाता त्रिपाठी | सदस्य |
| 8. | प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी | सदस्य |
| 9. | प्रो. जवाहर लाल | सदस्य |
| 10. | प्रो. राम सलाही द्विवेदी | सदस्य |
| 11. | प्रो. दयाल सिंह | सदस्य |
| 12. | प्रो. अरविन्द कुमार | सदस्य |
| 13. | डॉ. राम चन्द्र शर्मा | सदस्य |
| 14. | डॉ. अभिषेक तिवारी | सदस्य |
| 15. | डॉ. दिनेश कुमार यादव | सदस्य |
| 16. | डॉ. नवदीप जोशी | सदस्य |

**अवधि के दौरान आयोजित बैठकें : 22.11.2023 तथा 16.02.2024**

# पीठानुसार शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

| क्र.सं. | नाम | पदनाम | विभाग |
|---|---|---|---|
| **I. वेद वेदांग पीठ** | | | |
| 1. | प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा | आचार्य | वेद |
| 2. | प्रो. रामानुज उपाध्याय | आचार्य | वेद |
| 3. | डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र | सहाचार्य | वेद |
| 4. | डॉ. सुन्दर नारायण झा | सहाचार्य | वेद |
| 5. | डॉ. हनुमान मिश्र | सहाचार्य | वेद |
| 6. | डॉ. ओंकार यशवन्त सेलूकर | सहाचार्य | वेद |
| 7. | प्रो. रामराज उपाध्याय | आचार्य | पौरोहित्य |
| 8. | प्रो. बृन्दावन दाश | आचार्य | पौरोहित्य |
| 9. | प्रो. यशवीर सिंह | आचार्य | धर्मशास्त्र |
| 10. | प्रो. सुधांशु भूषण पण्डा | आचार्य | धर्मशास्त्र |
| 11. | डॉ. हिमांशु शेखर त्रिपाठी | सहायक आचार्य | धर्मशास्त्र |
| 12. | डॉ. मीनाक्षी मिश्रा | सहायक आचार्य | धर्मशास्त्र |
| 13. | डॉ. सुदेश सिंह | सहायक आचार्य | धर्मशास्त्र |
| 14. | प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा | आचार्य | व्याकरण |
| 15. | प्रो. सुजाता त्रिपाठी | आचार्य | व्याकरण |
| 16. | प्रो. राम सलाही द्विवेदी | आचार्य | व्याकरण |
| 17. | प्रो. दयाल सिंह | आचार्य | व्याकरण |
| 18. | डॉ. नरेश कुमार बैरवा | सहायक आचार्य | व्याकरण |
| 19. | डॉ. धर्मपाल प्रजापति | सहायक आचार्य | व्याकरण |
| 20. | डॉ. नरेश कुमार | सहायक आचार्य | व्याकरण |
| 21. | प्रो. प्रेम कुमार शर्मा | आचार्य | ज्योतिष |
| 22. | प्रो. बिहारी लाल शर्मा (on deputation) | आचार्य | ज्योतिष |
| 23. | प्रो. विनोद कुमार शर्मा | आचार्य | ज्योतिष |
| 24. | प्रो. नीलम ठगेला | आचार्य | ज्योतिष |
| 25. | प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा | आचार्य | ज्योतिष |
| 26. | प्रो. परमानन्द भारद्वाज | आचार्य | ज्योतिष |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 27. | डॉ. सुशील कुमार | आचार्य | ज्योतिष |
| 28. | डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी | आचार्य | ज्योतिष |
| 29. | डॉ. रश्मि चतुर्वेदी | आचार्य | ज्योतिष |
| 30. | डॉ. रतन लाल | सह आचार्य | ज्योतिष |
| 31. | प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी | आचार्य | वास्तु शास्त्र |
| 32. | डॉ. अशोक थपलियाल | आचार्य | वास्तु शास्त्र |
| 33. | डॉ. प्रवेश व्यास | सहायक आचार्य | वास्तु शास्त्र |
| 34. | डॉ. देशबन्धु | सहायक आचार्य | वास्तु शास्त्र |
| 35. | डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा | सहायक आचार्य | वास्तु शास्त्र |
| 36. | डॉ. दीपक वशिष्ठ | सहायक आचार्य | वास्तु शास्त्र |
| 37. | डॉ. नवीन पाण्डेय | सहायक आचार्य | वास्तु शास्त्र |
| **II. दर्शनशास्त्र पीठ** | | | |
| 38. | प्रो. विष्णुपद महापात्र | आचार्य | न्याय |
| 39. | प्रो. महानन्द झा | आचार्य | न्याय |
| 40. | प्रो. रामचन्द्र शर्मा | आचार्य | न्याय |
| 41. | प्रो. मार्कण्डेयनाथ तिवारी | आचार्य | सांख्य योग |
| 42. | डॉ. रमेश कुमार | सहायक आचार्य | योग |
| 43. | डॉ. विजय सिंह गुसाईं | सहायक आचार्य | योग |
| 44. | डॉ. नवदीप जोशी | सहायक आचार्य | योग |
| 45. | प्रो. वीरसागर जैन | आचार्य | जैन दर्शन |
| 46. | प्रो. अनेकान्त जैन | आचार्य | जैन दर्शन |
| 47. | प्रो. कुलदीप कुमार | आचार्य | जैन दर्शन |
| 48. | प्रो. हरेराम त्रिपाठी (on deputation) | आचार्य (लियन) | सर्व दर्शन |
| 49. | प्रो. संगीता खन्ना | आचार्य | सर्व दर्शन |
| 50. | प्रो. प्रभाकर प्रसाद | आचार्य | सर्व दर्शन |
| 51. | प्रो. जवाहरलाल | आचार्य | सर्व दर्शन |
| 52. | डॉ. विजय गुप्ता | सहायक आचार्य | सर्व दर्शन |
| 53. | प्रो. ए.एस. अरावमुदन | आचार्य | मीमांसा |
| 54. | श्री राजेश कुमार गुर्जर | सहायक आचार्य | मीमांसा |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 55. | प्रो. के. अनन्त | आचार्य | विशिष्टाद्वैत वेदांत |
| 56. | डॉ. सुदर्शन एस. | सह-आचार्य | विशिष्टाद्वैत वेदांत |
| **III. साहित्य एवं संस्कृति पीठ** | | | |
| 57. | प्रो. शुकदेव भोई | आचार्य | साहित्य |
| 58. | प्रो. भागीरथि नन्द | आचार्य | साहित्य |
| 59. | प्रो. धर्मानन्द राउत | आचार्य | साहित्य |
| 60. | प्रो. सुमन कुमार झा | आचार्य | साहित्य |
| 61. | डॉ. अरविन्द कुमार | सह-आचार्य | साहित्य |
| 62. | डॉ. बी. कामाक्षम्मा | सहायक आचार्य | साहित्य |
| 63. | डॉ. सौरभ दूबे | सहायक आचार्य | साहित्य |
| 64. | डॉ. अनमोल शर्मा | सहायक आचार्य | साहित्य |
| 65. | प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल | आचार्य | पुराणेतिहास |
| 66. | प्रो. सुदीप कुमार जैन | आचार्य | प्राकृत |
| 67. | प्रो. कल्पना जैन | आचार्य | प्राकृत |
| 68. | डॉ. विकास चौधरी | सहायक आचार्य | प्राकृत |
| **IV. आधुनिक विद्या पीठ** | | | |
| 69. | प्रो. जगदेव कुमार शर्मा | आचार्य | मानविकी (हिंदी) |
| 70. | प्रो. मीनू कश्यप | आचार्य | मानविकी (अंग्रेजी) |
| 71. | डॉ. अभिषेक तिवारी | सहायक आचार्य | मानविकी (अंग्रेजी) |
| 72. | श्रीमती वन्दना शुक्ला | सहायक आचार्य | मानविकी (समाजशास्त्र) |
| 73. | डॉ. ब्रजेश कुमार मिश्र | हायक आचार्य | मानविकी (राजनीति विज्ञान) |
| 74. | डॉ. आदेश कुमार | सहायक आचार्य | आधुनिक विद्या |
| 75. | श्री आदित्य पञ्चोली | सहायक आचार्य | आधुनिक विद्या |
| 76. | डॉ. सुमिता त्रिपाठी | सहायक आचार्य | आधुनिक विद्या (पर्यावरण विज्ञानं) |
| 77. | प्रो. शिवशङ्कर मिश्र | आचार्य | शोध |
| **V. शिक्षा पीठ** | | | |
| 78. | प्रो. रमेश प्रसाद पाठक | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 79. | प्रो. सदन सिंह | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 80. | प्रो. के. भारत भूषण | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 81. | प्रो. रचना वर्मा मोहन | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 82. | प्रो. विमलेश शर्मा | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 83. | प्रो. मिनाक्षी मिश्रा | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 84. | प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 85. | प्रो. एम. जयकृष्णन् | आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 86. | डॉ. मनोज कुमार मीणा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 87. | डॉ. सविता राय | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 88. | डॉ. सुरेन्द्र महतो | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 89. | डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 90. | डॉ. तमन्ना कौशल | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 91. | डॉ. पिंकी मलिक | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 92. | डॉ. अजय कुमार | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 93. | डॉ. शिवदत्त आर्य | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 94. | डॉ. ममता | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 95. | डॉ. परमेश कुमार शर्मा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 96. | डॉ. आरती शर्मा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 97. | डॉ. विचारी लाल मीणा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 98. | डॉ. जितेन्द्र कुमार | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 99. | डॉ. प्रदीप कुमार झा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 100. | डॉ. दिनेश कुमार यादव | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 101. | डॉ. इकुर्ती वेङ्कटेश्वरलु | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 102. | डॉ. सुनील कुमार शर्मा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 103. | डॉ. कैलाश चन्द मीणा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 104. | श्रीमती अनीता | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 105. | डॉ. लोकेश | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 106. | डॉ. कपिल देव | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 107. | डॉ. भारती कौसल | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 108. | डॉ. प्रवीर वेरा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |
| 109. | डॉ. हरी प्रसाद मीणा | सहायक आचार्य | शिक्षाशास्त्र |

# गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

| क्र.सं. | नाम | पदनाम | विभाग |
|---|---|---|---|
| 'अ' वर्ग | | | |
| 1. | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव | कुलसचिव | वित्त एवं कुलसचिव कार्यालय |
| 2. | श्री तारकेश्वर नाथ गिरि | परीक्षा नियंत्रण | परीक्षा |
| 3. | श्री अजय कुमार टण्डन | उप कुलसचिव | लेखा |
| 4. | डॉ. कान्ता | उप कुलसचिव | परीक्षा |
| 5. | श्री रमाकान्त उपाध्याय | अधिशासी अभियन्ता | अभियांत्रिकी |
| 6. | श्री बनवारी लाल वर्मा | कार्यकारी प्रबंधक | संगणक केंद्र |
| 7. | श्रीमती सुषमा | सहायक कुलसचिव | लेखा |
| 8. | श्री सुच्चा सिंह | सहायक कुलसचिव | शैक्षणिक |
| 9. | श्री मंजीत सिंह | सहायक कुलसचिव | प्रशासन-II एवं III |
| 10. | श्री जय प्रकाश सिंह | सहायक कुलसचिव | भारतीय भाषा समिति |
| 11. | श्री राजेश कुमार | सहायक कुलसचिव | विकास |
| 12. | श्रीमती भारती त्रिपाठी | सहायक कुलसचिव | प्रशासन-I |
| 13. | डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय | सहायक पुस्तकाध्यक्ष | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 'ब' वर्ग | | | |
| 14. | श्री अंजनी कुमार | सहायक अभियंता | अभियांत्रिकी |
| 15. | श्री बिपिन कुमार त्रिपाठी | अनुसंधान-सह-सांख्यिकी अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी (कुलपति) | कुलपति कार्यालय |
| 16. | श्रीमती रजनी संजोत्रा | अनुभाग अधिकारी | परीक्षा |
| 17. | श्री राजकुमार | अनुभाग अधिकारी | प्रशासन ख्र सामान्य |
| 18. | श्री राकेश कांडपाल | अनुभाग अधिकारी | लेखा |
| 19. | श्रीमती सावित्री कुमारी | अनुभाग अधिकारी | प्रशासन-II |
| 20. | श्रीमती वंदना | अनुभाग अधिकारी | प्रशासन-I |
| 21. | श्री दिनेश कुमार | निजी सचिव | कुलसचिव कार्यालय |
| 22. | श्री प्रमोद चतुर्वेदी | निजी सचिव | कुलपति कार्यालय |
| 23. | श्रीमती हिमानी शदानी | निजी सचिव | विकास |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 24. | श्री ज्ञान चंद शर्मा | प्रोग्रामर सहायक | कंप्यूटर केंद्र |
| 25. | डॉ. ज्ञानधर पाठक | अनुसंधान सहायक | शोध एवं प्रकाशन |
| 26. | श्रीमती तरुणा अवस्थी | अनुसंधान सहायिका | शोध एवं प्रकाशन |
| 27. | डॉ. नवीन राजपूत | प्रोफेशनल सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 28. | श्री जय कृष्णन कमिला | प्रोफेशनल सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 29. | श्रीमती ललिता कुमारी | सहायक | विकास |
| 30. | श्री ओम प्रकाश कौशिक | सहायक | लेखा |
| 31. | श्रीमती रानी पंवार | सहायक | परीक्षा |
| 32. | श्री तिलक राज | सहायक | छात्रावास |
| 33. | श्री धर्मेंद्र | सहायक | प्रशासन-I |
| 34. | श्री महेश पंचाल | सहायक | लेखा |
| 35. | श्रीमती प्रीति यादव | सहायक | प्रशासन-II |
| 36. | श्री मनीष लोहानी | सहायक | विकास |
| 37. | श्री महेंद्र सिंह | सहायक | शैक्षणिक |
| 38. | श्री संजीव सिंह चौहान | सहायक | लेखा |
| 39. | श्री नरेंद्र पाल | कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) | अभियांत्रिकी |
| 40. | श्रीमती संध्या सिंह | कनिष्ठ अभियंता (सिविल) | अभियांत्रिकी |
| 41. | कु. नेहा गुसाईं | निजी सहायक | कुलसचिव कार्यालय |
| **‘स’ वर्ग** | | | |
| 42. | श्रीमती भावना | सेमी प्रोफेशनल सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 43. | श्री सुनील कुमार मिश्र | सेमी प्रोफेशनल सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 44. | श्री शशि भूषण शुक्ला | सेमी प्रोफेशनल सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 45. | श्री सुरेन्द्र नागर | तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला) | शिक्षा पीठ |
| 46. | श्री ईश्वर सिंह विष्ट | तकनीकी सहायक (कंप्यूटर) | संगणक केंद्र |
| 47. | श्री सचिन कुमार राय | तकनीकी सहायक (कंप्यूटर) | संगणक केंद्र |
| 48. | श्री जीवन कुमार भट्टराई | संशोधक (प्रूफ रीडर) | प्रकाशन |
| 49. | श्रीमती रुचिका भट्नागर | वरिष्ठ लिपिक | परीक्षा |
| 50. | श्री रजनीश कुमार राय | वरिष्ठ लिपिक | शैक्षणिक |
| 51. | श्रीमती प्रीति त्यागी | वरिष्ठ लिपिक | प्रशासन-I |
| 52. | श्रीमती प्रतिभा यादव | वरिष्ठ लिपिक | शैक्षणिक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 53. | श्रीमती ललिता यादव | वरिष्ठ लिपिक | शिक्षा पीठ |
| 54. | श्री रमेश कुमार | वरिष्ठ लिपिक | लेखा |
| 55. | श्री श्रीनाथ के. नैयर | वरिष्ठ लिपिक | प्रशासन-सामान्य |
| 56. | श्री अंशुमन घुर्नियाल | वरिष्ठ लिपिक | अभियांत्रिकी |
| 57. | श्री मनीष अरोड़ा | वरिष्ठ लिपिक | शैक्षणिक |
| 58. | श्री चन्द्र भूषण तिवारी | विद्युत्कार (इलेक्ट्रशियन ) | अभियांत्रिकी |
| 59. | श्री बिजेंद्र सिंह राणा | पम्प प्रचालक | अभियांत्रिकी |
| 60. | श्री बलराम सिंह | पुस्तकालय सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 61. | श्री पदम चन्द सैनी | पुस्तकालय सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 62. | श्रीमती सौम्या राय | पुस्तकालय सहायक | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 63. | श्रीमती दीपिका राणा | कनिष्ठ लिपिक | लेखा |
| 64. | श्री वैभव खन्ना | कनिष्ठ लिपिक | प्रशासन-I |
| 65. | श्री नितेश | कनिष्ठ लिपिक | कुलपति कार्यालय |
| 66. | श्री लोकेश | कनिष्ठ लिपिक | प्रशासन-II |
| 67. | श्री ओंकेश्वर तिवारी | कनिष्ठ लिपिक | अभियांत्रिकी |
| 68. | श्रीमती ऋचा भसीन | कनिष्ठ लिपिक | प्रशासन-II |
| 69. | श्री राहुल राय | कनिष्ठ लिपिक | अभियांत्रिकी |
| 70. | श्री अजय कुमार | कनिष्ठ लिपिक | लेखा |
| 71. | श्री राम कुमार | कनिष्ठ लिपिक | परीक्षा |
| 72. | श्री मनीष जैरथ | कनिष्ठ लिपिक | परीक्षा |
| 73. | श्री श्रवण कुमार | स्टाफ कार चालक | कुलपति कार्यालय |
| 74. | श्री शंभू दत्त | पाचक | अतिथि गृह |
| 75. | श्री नितिन नागर | पाचक | अतिथि गृह |
| 76. | श्री राजेंद्र सिंह | पुस्तकालय परिचर | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 77. | श्री सुनील शर्मा | पुस्तकालय परिचर | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 78. | श्री जंगापल्ली महेंद्र | पुस्तकालय परिचर | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 79. | श्री सोनू | पुस्तकालय परिचर | केन्द्रीय पुस्तकालय |
| 80. | श्री उपरापल्ली कुमार स्वामी | स्वास्थ्य केंद्र परिचर | स्वास्थ्य केंद्र |
| 81. | श्री कुलदीप सिंह | तकनीकी परिचर (संगणकशाला) | संगणक केंद्र |
| 82. | श्री विजय रंजन पाण्डेय | तकनीकी परिचर (मनोविज्ञानशाला) | शिक्षा पीठ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 83. | श्री रमेश चंद मीणा | बहुकार्य कर्मचारी | साहित्य एवं संस्कृति पीठ |
| 84. | श्री दया चन्द | बहुकार्य कर्मचारी | छात्र कल्याण |
| 85. | श्री सुंदर पाल | बहुकार्य कर्मचारी | वेद-वेदांग पीठ |
| 86. | श्री रमेश चन्द | बहुकार्य कर्मचारी | शैक्षणिक |
| 87. | श्री नरेंद्र महतो | बहुकार्य कर्मचारी | महिला अध्ययन केंद्र |
| 88. | श्री धीरज सिंह | बहुकार्य कर्मचारी | अभियांत्रिकी |
| 89. | श्री राम मिलन | बहुकार्य कर्मचारी | लेखा |
| 90. | श्री दिनेश चंद्र | बहुकार्य कर्मचारी | कुलसचिव कार्यालय |
| 91. | श्री संतोष कुमार | बहुकार्य कर्मचारी | अभियांत्रिकी |
| 92. | श्री भीम सिंह | बहुकार्य कर्मचारी | प्रशासन-I |
| 93. | श्री मथुरा प्रसाद | बहुकार्य कर्मचारी | आधुनिक विद्या पीठ |
| 94. | श्री राज कुमार | बहुकार्य कर्मचारी | कुलपति कार्यालय |
| 95. | श्री पंकज | बहुकार्य कर्मचारी | परीक्षा |
| 96. | श्री पिंटू बनर्जी | बहुकार्य कर्मचारी | परीक्षा |
| 97. | श्री गंगाधर मुदली | बहुकार्य कर्मचारी | शोध एवं प्रकाशन |
| 98. | श्री बिनोद कुमार नाथ | बहुकार्य कर्मचारी | अतिथि गृह |
| 99. | श्री गिरीश चन्द पंत | बहुकार्य कर्मचारी | कुलपति कार्यालय |
| 100. | श्री मुनीश चंद बडोला | बहुकार्य कर्मचारी | शैक्षणिक |
| 101. | श्री वीरेंद्र कुमार | बहुकार्य कर्मचारी | परीक्षा |
| 102. | श्री नवल सिंह | बहुकार्य कर्मचारी | दर्शन पीठ |
| 103. | श्री अमित कुमार | बहुकार्य कर्मचारी | अतिथि गृह |
| 104. | श्री कंकण नाथ | बहुकार्य कर्मचारी | अतिथि गृह |
| 105. | श्री दीपक | बहुकार्य कर्मचारी | अभियांत्रिकी |
| 106. | श्री करुणेश राव | बहुकार्य कर्मचारी | परीक्षा |
| 107. | श्री राहुल | बहुकार्य कर्मचारी | शिक्षा पीठ |
| 108. | श्री रोहित वशिष्ठ | बहुकार्य कर्मचारी | प्रशासन-III |
| 109. | श्री नरेश कुमार | बहुकार्य कर्मचारी | अतिथि गृह |
| 110. | श्री सतीश | बहुकार्य कर्मचारी | अभियांत्रिकी |

# विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम

## 1. नियमित पाठ्यक्रम

| पीठ का नाम | पाठ्यक्रम | विषय |
|---|---|---|
| वेद-वेदांग पीठ, दर्शन पीठ, साहित्य एवं संस्कृति पीठ | शास्त्री (B.A.) (तीन/चार वर्ष)<br>बी.ए. (योग) (तीन/चार वर्ष) | वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्वदर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास, प्राकृत एवं योग |
| वेद-वेदांग पीठ, दर्शन पीठ, सहित्य एवं संस्कृति पीठ | आचार्य (एम.ए.) (द्विवर्षीय)<br>एम.ए. (योग) (द्विवर्षीय) | वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणेतिहास, प्राकृत एवं योग |
| वेद-वेदांग पीठ, दर्शन पीठ, सहित्य एवं संस्कृति पीठ | विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) | वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास एवं प्राकृत |
| आधुनिक विषय पीठ | एम.ए. हिन्दी<br>एम.ए. हिन्दू अध्ययन<br>एम.ए. अंग्रेजी<br>एम.ए. समाजशास्त्र | |

## 2. स्व-वित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम

| पाठ्यक्रम का नाम | कार्यक्रम का नाम |
|---|---|
| प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक) | 1. ज्योतिष प्रवेशिका पाठ्यक्रम<br>2. वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम<br>3. योग प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम<br>4. पौरोहित्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम<br>5. जैन विद्या प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम<br>6. पाण्डुलिपि और शिलालेख पाठ्यक्रम |
| डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय) | 1. ज्योतिष प्राज्ञ डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>2. मेडिकल ज्योतिष डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>3. वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>4. स्नातकोत्तर योग डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>5. पौरोहित्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>6. डिप्लोमा संस्कृतभाषा पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>7. जैन विद्या डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>8. संस्कृत वांग्मय डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>9. कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>10. संस्कृत व्याकरण प्रायोगिक-प्रशिक्षण एवं संभाषण डिप्लोमा पाठ्यक्रम<br>11. स्नातकोत्तर योग एवं नाचुरोपैथी डिप्लोमा पाठ्यक्रम |
| एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय) | 1. ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा<br>2. वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा<br>3. स्नातकोत्तर वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम |

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) - 2020 का कार्यान्वयनः

विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 का क्रियान्वयन 2021-22 में किया जा चुका है। इस संबंध में की गई प्रमुख पहल इस प्रकार है:-

- व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरूआत।
- मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों की शुरूआत।
- यूजीसी ढांचे के अनुसार सभी प्रस्तावित विषयों हेतु समस्त स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया गया और वर्ष 2021-22 से ही सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है।
- पाठ्यक्रम में कई बार प्रवेश और निकास की सुविधा दी गई है।
- क्रेडिट हस्तांतरण, क्रेडिट विमोचन और क्रेडिट संचय के लिए एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट भी लागू किया गया है।
- सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी है।
- क्षमता संवर्धन कार्यक्रम भी पाठ्यक्रमों में सम्मिलित है।

## अनुदान सहयोग

| क्र.सं. | विवरण | राशि (लाखों में) |
|---|---|---|
| 1. | विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्राप्त अनुदान | 7626.15 |
| 2. | विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई आन्तरिक रसीद | 110.20 |
| 3. | विश्वविद्यालय द्वारा किया गया कुल व्यय | 7689.36 |

## समझौता/ज्ञापन (Memorandum of Understanding) में संभव सहभागिता

| क्र.सं. | संस्था का नाम |
|---|---|
| 1. | 2014 में सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, गुजरात के साथ समझौता ज्ञापन। |
| 2. | 2017 में भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन। |
| 3. | 2018 में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एस.पी.ए.), नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन। |
| 4. | 2021 में मैसर्स जेनलीप इकोसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा के साथ समझौता ज्ञापन। |
| 5. | 2022 में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के साथ समझौता ज्ञापन। |

| | |
|---|---|
| 6. | 2023 में बीएपीएस स्वामीनारायण अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन। |
| 7. | 2024 में कविकुलगुरू संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्र के साथ समझौता ज्ञापन। |

## योजनाएँ

| | |
|---|---|
| 1. | उच्च शिक्षण संस्थाओं में महिला अध्ययन |
| 2. | मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम |
| 3. | मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स MOOCs पाठ्यक्रम |

## परियोजनाएँ

| | |
|---|---|
| 1. | परियोजना का नाम: भारतीय दर्शन का क्रमिक विकास (ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में)। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. जवाहर लाल को स्वीकृत। |
| 2. | महर्षि अगस्त्य विरचित "अगस्त्य संहिता" हिन्दी भाषानुवाद विषयक लघु शोध परियोजना प्रो. शिव शंकर मिश्र को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद से स्वीकृत भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. शिवशंकर मिश्र को लघु अनुसंधान परियोजना स्वीकृत। |
| 3. | अष्टादशी शोध परियोजना प्रो. शिवशंकर मिश्र को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत। |
| 4. | अष्टादशी शोध परियोजना डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत। |
| 5. | "सोमनाथ, विश्वनाथ तथा महाकाल ज्योतिर्लिंग का सामाजिक सांस्कृतिक तथा वास्तुशास्त्रीय दृष्टि से अध्ययन" विषयक बृहत शोध परियोजना डॉ. देशबन्धु, आचार्य वास्तु शास्त्र विभाग को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद से स्वीकृत। |

# छात्र विवरण

## क. कार्यक्रमवार स्वीकृत और पंजीकृत छात्रों की संख्या का विवरण

| क्र.सं. | कार्यक्रम | छात्र | |
|---|---|---|---|
| | | स्वीकृत | पंजीकृत |
| 1. | विद्यावारिधि (पीएच.डी.) | 225 | 89 |
| 2. | शिक्षाचार्य (एम.एड.) | 50 | 14 |
| 3. | शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) | 200 | 200 |
| 4. | आचार्य (एम.ए.) | 722 | 111 |
| 5. | शास्त्री (बी.ए.) | 185 | 152 |
| 6. | एम.ए. (योग) | 50 | 41 |
| 7. | बी.ए. (योग) | 50 | 30 |
| 8. | एम.ए. (हिन्दी) | 20 | 16 |
| 9. | एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) | 20 | 14 |
| 10. | एम.ए. (समाजशास्त्र) | 20 | 16 |
| 11. | एम.ए. (अंग्रेजी) | 15 | 14 |
| 12. | प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक) | 275 | 06 |
| 13. | डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय) | 740 | 325 |
| 14. | पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय) | 150 | 45 |

## ख. राज्य-वार नियमित एवं अंशकालिक पाठ्यक्रमों में छात्रों का विवरण

| क्र. सं. | अध्ययन कार्यक्रम | पाठ्यक्रम का नाम | आंध्र प्रदेश | | असम | | दिल्ली | | बिहार | | छत्तीसगढ़ | | हिमाचल प्रदेश | | झारखण्ड | | जम्मू एवं कश्मीर | | मध्य प्रदेश | | राजस्थान | | उत्तर प्रदेश | | हरियाणा | | उत्तराखण्ड | | पश्चिम बंगाल | | उड़ीसा | | महाराष्ट्र | | पंजाब | | कर्नाटक | | तेलंगाना | | केरल | | नेपाल | | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | शास्त्री | 0 | 0 | 0 | 0 | 90 | 25 | 22 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 7 | 1 | 9 | 1 | 62 | 3 | 33 | 11 | 41 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 316 |
| 1 | | बी.ए. योग | 0 | 0 | 0 | 0 | 21 | 30 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 3 | 0 | 8 | 2 | 3 | 5 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 75 |
| | स्नातक | बी.एड. | 0 | 0 | 0 | 0 | 46 | 48 | 7 | 16 | 0 | 0 | 2 | 1 | 3 | 7 | 0 | 0 | 4 | 5 | 0 | 0 | 20 | 21 | 7 | 1 | 8 | 10 | 1 | 1 | 94 | 95 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 397 |
| | | एम.ए. हिंदी | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 9 | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 6 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 29 |
| | | एम.ए. हिन्दू अध्ययन | 0 | 0 | 0 | 0 | 6 | 1 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 2 | 3 | 0 | 3 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 23 |
| | स्नातकोत्तर | आचार्य | 0 | 0 | 0 | 0 | 52 | 21 | 9 | 0 | 0 | 0 | 14 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 2 | 5 | 1 | 32 | 7 | 15 | 1 | 9 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 181 |
| 2 | | एम.ए. योग | 0 | 0 | 0 | 0 | 21 | 27 | 1 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | 7 | 5 | 3 | 5 | 1 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 79 |
| | | एम.एड. | 0 | 0 | 0 | 0 | 8 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 6 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 28 |
| | | एम.ए. अंग्रेजी | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 7 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 2 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 22 |
| | | एम.ए. समाजशास्त्र | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 4 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 17 |
| 3 | | पीएच.डी. | 1 | 0 | 1 | 1 | 116 | 80 | 22 | 2 | 1 | 0 | 40 | 6 | 1 | 1 | 1 | 0 | 19 | 2 | 21 | 12 | 80 | 26 | 24 | 10 | 31 | 3 | 41 | 15 | 12 | 15 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 586 |
| 4 | | अंशकालिक | 0 | 0 | 0 | 0 | 117 | 88 | 21 | 4 | 0 | 0 | 5 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 5 | 0 | 7 | 0 | 48 | 15 | 39 | 8 | 19 | 2 | 2 | 1 | 0 | 2 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 388 |
| | कुल छात्र | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2141 |

## ग. श्रेणी-वार नियमित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों का विवरण

| | पाठ्यक्रम: | कुल नामांकित छात्र | | | सामान्य: | | | अनु. जाति: | | | अनु. जनजाति: | | | अन्यवश्चितवर्ग: | | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | | | विकलांग | | | TG | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | म | पु | कुल | म | पु | कुल | म | पु | कुल | म | पु | कुल | म | पु | कुल | म | पु | कुल | म | पु | कुल | | |
| स्नातक | शास्त्री | 274 | 42 | **316** | 250 | 33 | **283** | 5 | 4 | **9** | 2 | 0 | **2** | 11 | 5 | **16** | 6 | 0 | **6** | 0 | 0 | **0** | 0 | 316 |
| | बी. ए योग | 37 | 38 | **75** | 22 | 24 | **46** | 5 | 5 | **10** | 0 | 0 | **0** | 6 | 8 | **14** | 4 | 1 | **5** | 0 | 0 | **0** | 0 | 75 |
| | शिक्षा शास्त्री | 197 | 200 | **397** | 57 | 44 | **101** | 22 | 45 | **67** | 17 | 13 | **30** | 56 | 81 | **137** | 43 | 17 | **60** | 2 | 0 | **2** | 0 | 397 |
| कुल | | 508 | 280 | **788** | 329 | 101 | **430** | 32 | 54 | **86** | 19 | 13 | **32** | 73 | 94 | **167** | 53 | 18 | **71** | 2 | 0 | **2** | 0 | **788** |
| स्नातकोत्तर | आचार्य | 147 | 34 | **181** | 127 | 27 | **154** | 4 | 2 | **6** | 0 | 0 | **0** | 6 | 5 | **11** | 10 | 0 | **10** | 0 | 0 | **0** | 0 | 181 |
| | एम. ए योग | 36 | 43 | **79** | 17 | 33 | **50** | 6 | 5 | **11** | 1 | 0 | **1** | 11 | 4 | **15** | 1 | 1 | **2** | 0 | 0 | **0** | 0 | 79 |
| | शिक्षाचार्य | 23 | 5 | **28** | 10 | 2 | **12** | 0 | 2 | **2** | 0 | 0 | **0** | 5 | 1 | **6** | 8 | 0 | **8** | 0 | 0 | **0** | 0 | 28 |
| | एम.ए. हिन्दू अध्ययन | 13 | 10 | **23** | 9 | 8 | **17** | 0 | 0 | **0** | 0 | 1 | **1** | 3 | 0 | **3** | 1 | 1 | **2** | 0 | 0 | **0** | 0 | 23 |
| | एम.ए. हिंदी | 17 | 12 | **29** | 8 | 9 | **17** | 1 | 2 | **3** | 2 | 0 | **2** | 4 | 1 | **5** | 2 | 0 | **2** | 0 | 0 | **0** | 0 | 29 |
| | एम.ए. अंग्रेजी | 10 | 12 | **22** | 7 | 9 | **16** | 3 | 2 | **5** | 0 | 1 | **1** | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | **0** | 0 | 0 | **0** | 0 | 22 |
| | एम.ए. समाजशास्त्र | 11 | 6 | **17** | 4 | 4 | **8** | 3 | 0 | **3** | 0 | 0 | **0** | 2 | 2 | **4** | 2 | 0 | **2** | 0 | 0 | **0** | 0 | 17 |
| कुल | | 257 | 122 | **379** | 182 | 92 | **274** | 17 | 13 | **30** | 3 | 2 | **5** | 31 | 13 | **44** | 24 | 2 | **26** | 0 | 0 | **0** | 0 | **379** |
| विद्यावारिधि | | 414 | 172 | **586** | 263 | 97 | **360** | 37 | 18 | **55** | 4 | 2 | **6** | 44 | 36 | **80** | 61 | 19 | **80** | 5 | 0 | **5** | 0 | **586** |
| प्रमाण पत्रीय/डिप्लोमा | | 266 | 122 | **388** | 224 | 97 | **321** | 7 | 12 | **19** | 1 | 1 | **2** | 24 | 11 | **35** | 10 | 1 | **11** | 0 | 0 | **0** | 0 | **388** |
| कुल | | **1445** | **696** | **2141** | **998** | **387** | **1385** | **93** | **97** | **190** | **27** | **18** | **45** | **172** | **154** | **326** | **148** | **40** | **188** | **7** | **0** | **7** | **0** | **2141** |

**वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान नामांकित और पूर्व में नामांकित कुल शोधच्छात्र।*

## अंशकालिक स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणीवार)

| क्र. सं | पाठ्यक्रम का नाम | सामान्य | | अनु. जाति | | अनु. जन जाति | | अन्य पिछड़ा वर्ग | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | | दिव्यांग जन | | अल्पसंख्यक | | कुल | | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | पु. | म. | |
| 1 | षण्मासिक ज्योतिष प्रवेशिका | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2 | एकवर्षीय ज्योतिष प्राज्ञ डिप्लोमा | 48 | 16 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 52 | 18 | 70 |
| 3 | एक वर्षीय ज्योतिष चिकित्सा डिप्लोमा | 3 | 7 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 7 | 12 |
| 4 | द्विवर्षीय ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा प्रथम वर्ष | 22 | 8 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 35 |
| | द्विवर्षीय ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा द्वितीय वर्ष | 6 | 3 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 | 4 | 11 |
| 5 | षण्मासिक वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय कोर्स | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 6 | एक वर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा | 12 | 8 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 12 | 8 | 20 |
| 7 | द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा प्रथम वर्ष | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 1 | 6 |
| | द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा द्वितीय वर्ष | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 |
| 8 | द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा प्रथम वर्ष | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 | 4 |
| | द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा द्वितीय वर्ष | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 9 | षण्मासिक योग प्रमाणपत्रीय कोर्स | 1 | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 | 5 |
| 10 | एकवर्षीय पी.जी. योग डिप्लोमा | 10 | 29 | 3 | 6 | 1 | 0 | 3 | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 18 | 40 | 58 |
| 11 | पौरोहित्य (कर्मकांड) प्रशिक्षण एवं संभाषण में प्रमाण-पत्र | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 |
| 12 | एक वर्षीय पौरोहित्य (कर्मकांड) डिप्लोमा | 92 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 8 | 0 | 6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 106 | 1 | 107 |
| 13 | संस्कृत व्याकरण प्रायोगिक-प्रशिक्षण एवं संभाषण में एक वर्षीय डिप्लोमा | 5 | 6 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 7 | 12 |
| 14 | एकवर्षीय संस्कृत वांगमय डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 15 | एकवर्षीय पी.जी. संस्कृत पत्रकारिता डिप्लोमा | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 |
| 16 | षण्मासिक जैन विद्या सर्टिफिकेट कोर्स | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 17 | एकवर्षीय जैन विद्या डिप्लोमा | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 18 | पांडुलिपि और शिलालेख में प्रमाणपत्रीय कोर्स | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 19 | एकवर्षीय कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा | 7 | 4 | 1 | 2 | 0 | 0 | 3 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 11 | 8 | 19 |
| 20 | योग एवं नाचुरोपैथी में पी.जी. डिप्लोमा | 9 | 10 | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 14 | 12 | 26 |
| कुल | | 224 | 97 | 8 | 12 | 1 | 1 | 23 | 11 | 10 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 266 | 122 | 388 |

## ड. पाठ्यक्रम अनुसार प्रविष्ट, उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण छात्रों का विवरण

| पाठ्यक्रम | प्रविष्ट छात्रों की संख्या | उत्तीर्ण छात्रों की संख्या | | अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरुष | महिला | पुरुष | महिला |
| विद्यावरिधि (01.04.2022 - 01.03.2023) | 52 | 40 | 12 | - | - |
| विद्यावरिधिपाठ्यक्रम (कोर्सवर्क) | 80 | 52 | 28 | 01 | - |
| बी.ए. (योग) | 29 | 05 | 16 | 07 | 01 |
| शास्त्री (बी.ए.) | 95 | 70 | 09 | 16 | - |
| एम.ए. (योग) | 43 | 17 | 26 | - | - |
| आचार्य (एम.ए.) | 71 | 50 | 14 | 07 | - |
| एम.ए. (हिन्दी स्टडीज) | 01 | 01 | - | - | - |
| एम.ए. हिन्दी | 05 | 03 | 02 | - | - |
| शिक्षाशास्त्री (बी.एड) | 181 | 83 | 97 | - | - |
| शिक्षाचार्य (एम.एड.) | 20 | 13 | 17 | - | - |

## स्व-वित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम

| फरवरी-2022 | प्रविष्ट छात्रों की संख्या | उत्तीर्ण छात्रों की संख्या | | अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरुष | महिला | पुरुष | महिला |
| पौरोहित्य प्रशिक्षण (षाण्मासिक) | 13 | 10 | 01 | 02 | - |
| वास्तु प्रमाणपत्रीय (षाण्मासिक) | 05 | 03 | 02 | - | - |
| योग प्रमाणपत्रीय (षाण्मासिक) | 07 | 03 | 03 | - | 01 |
| जून - 2022 | | | | | |
| ज्योतिष प्रज्ञ (एकवर्षीय ) | 57 | 40 | 09 | 07 | 01 |
| वास्तु शास्त्र डिप्लोमा (एकवर्षीय ) | 08 | 05 | 02 | 01 | - |
| मेडिकल एस्ट्रोलॉजी डिप्लोमा (एकवर्षीय) | 04 | 01 | 02 | 01 | -- |
| पी.जी योग डिप्लोमा | 65 | 25 | 34 | 04 | 02 |
| पौरोहित्य डिप्लोमा (एकवर्षीय) | 74 | 59 | - | - | - |
| कम्प्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा (एकवर्षीय) | 15 | 09 | 04 | 02 | - |
| संस्कृत व्याकरण प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं संभाषण डिप्लोमा (एकवर्षीय) | 03 | 01 | 02 | - | - |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पी.जी कम्प्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा (एकवर्षीय) | 34 | 16 | 18 | - | - |
| ज्योतिष भूषण (द्विवर्षीय) | 12 | 08 | 04 | - | - |
| पी.जी वास्तु एडवांस डिप्लोमा (द्विवर्षीय) | 04 | 03 | 01 | - | - |

## छात्रवृत्ति

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को शास्त्र परंपरा में पाठ्यक्रम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्रवृत्तियों की संख्या और उनकी संबंधित राशियों की विस्तृत जानकारी निम्नलिखित तालिका में दी गई है, जिसमें छात्रों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में सहायता करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है।

| क्र.सं. | पाठ्यक्रम | वर्ष | छात्रवृत्तियों की संख्या (प्रति माह) | छात्रवृत्ति राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | शास्त्री (बी.ए.) | प्रथम वर्ष | 120 | रु. 800/- |
| 2. | शास्त्री (बी.ए.) | द्वितीय वर्ष | 120 | रु. 800/- |
| 3. | शास्त्री (बी.ए.) | तृतीय वर्ष | 120 | रु. 800/- |
| 4. | शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) | | 60 | रु. 800/- |
| 5. | आचार्य (एम.ए.) | प्रथम वर्ष | 25 प्रति विषय | रु. 1000/- |
| 6. | आचार्य (एम.ए.) | द्वितीय वर्ष | 25 प्रति विषय | रु. 1000/- |
| 7. | शिक्षाचार्य (एम.एड.)<br>विशेष अनुदान | | 13 | रु. 1000/-<br>रु. 750/- |
| 8. | विद्यावारिधि (प्रति विषय एक) | | | रु. 8000/- |

## जे.आर.एफ. सम्मानित छात्र

| क्र.सं. | पीठ का नाम | जे.आर.एफ. सम्मानित छात्रों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | दर्शनशास्त्र | 2 |
| 2. | सहित्य एवं संस्कृति | 1 |

## एस.आर.एफ. सम्मानित छात्र

| क्र.सं. | पीठ का नाम | राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्रों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | वेद-वेदांग | 5 |
| 2. | दर्शनशास्त्र | 8 |
| 3. | साहित्य एवं संस्कृति | 3 |

## राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्र

| क्र.सं. | पीठ का नाम | राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति सम्मानित छात्रों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | दर्शन शास्त्र | 1 |
| 2. | साहित्य एवं संस्कृति | 1 |

# पीठ

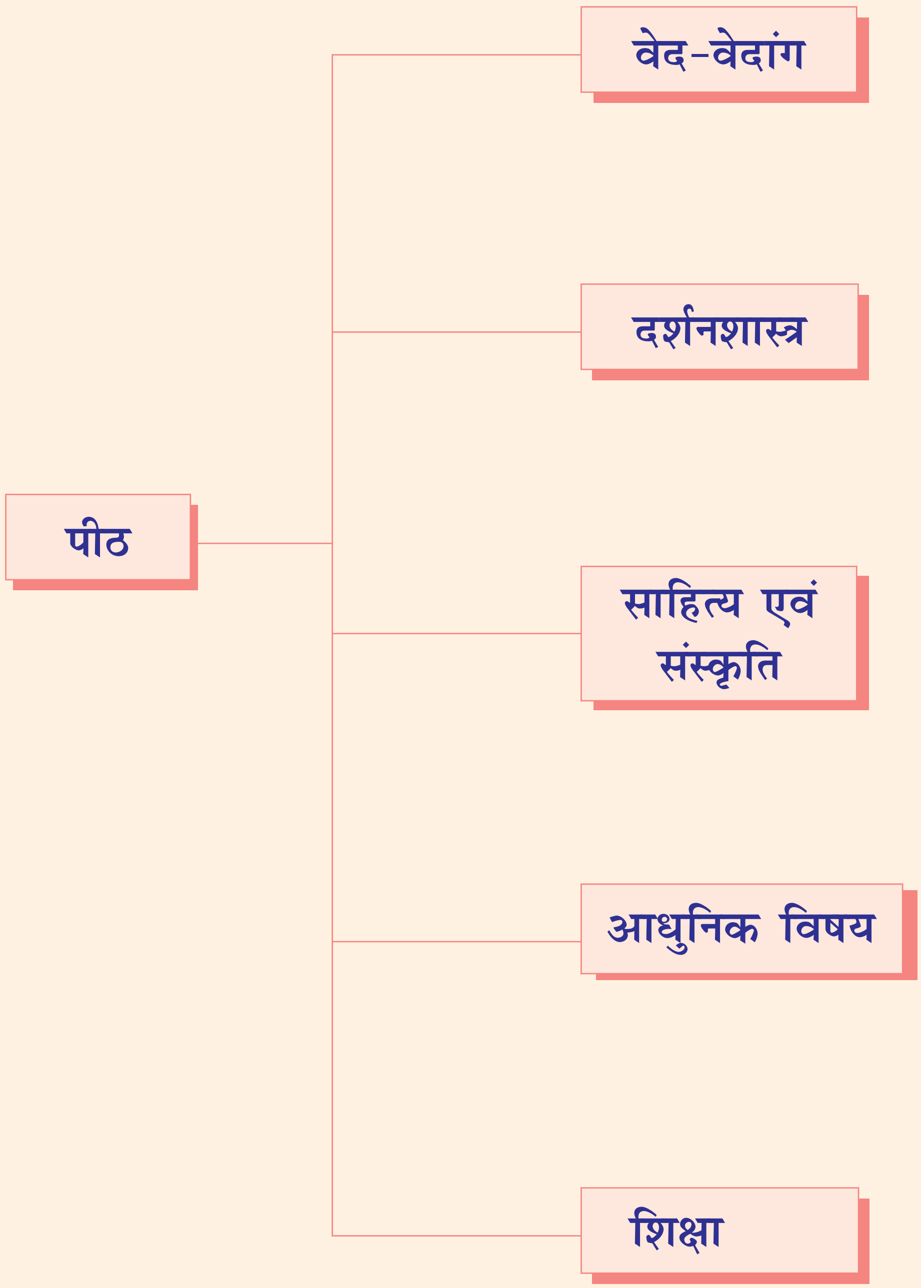

# 1. वेदवेदांग पीठ एवं सम्बंधित विभाग

- **पीठाध्यक्ष**
  प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा
  - **विभाग**
    - **विभागाध्यक्ष वेद**
      प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र
    - **विभागाध्यक्ष पौरोहित्य**
      प्रो. वृन्दावन दाश
    - **विभागाध्यक्ष धर्मशास्त्र**
      प्रो. यशवीर सिंह
    - **विभागाध्यक्ष व्याकरण**
      प्रो. राम सलाही द्विवेदी
    - **विभागाध्यक्ष ज्योतिष**
      प्रो. दिवाकर दत्त
    - **विभागाध्यक्ष वास्तुशास्त्र**
      प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी

## क. पीठ के विषय में

वर्ष 1971 में स्थापित हमारे विश्वविद्यालय में वेद-वेदांग पीठ शुक्ल यजुर्वेद का ज्ञान प्रदान करने के लिए समर्पित है। वेदों की समृद्ध परंपरा में निहित, इस पीठ में छह विभाग शामिल हैं जो वेद, पौरोहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, वास्तु शास्त्र और धर्मशास्त्र में व्यापक शिक्षा प्रदान करते हैं। स्मृति परंपरा को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण माना गया धर्मशास्त्र विभाग समकालीन, विशेष रूप से महिलाओं के संपत्ति अधिकारों और सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले वर्गों से संबंधित प्राचीन भारतीय कानूनी प्रणालियों को समझने में महत्व रखता है। विशेष कागजात में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रिवी काउंसिल, सुप्रीम कोर्ट और अन्य न्यायालयों के फैसलों के अंश शामिल हैं। पीठ की विविध रुचियों में मानवाधिकार, संस्कृति, कानूनी अध्ययन और पर्यावरण शामिल हैं, जो समकालीन सार्थकता को दर्शाते हैं। अध्येताओं को पौरोहित्य विज्ञान, वेद, धर्म शास्त्र और ज्योतिष की एक सटीक खोज, वैश्विक पूजा अनुष्ठानों की जांच करने वाले बहु-विषयक परियोजनाओं में शामिल किया जाता है।

## ख. लक्ष्य

वेद और वेदांग पीठ छात्रों को वेदों और वेदांगों में निहित भारतीय संस्कृति की गहन विरासत से परिचित कराने का प्रयास करता है। इस पीठ का लक्ष्य इन ग्रंथों में निहित वैज्ञानिक गुणों को वैश्विक दर्शकों के सामने लाने के लिए अनुसंधान का लाभ उठाना है।

**अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र**

1. वेदों में विज्ञान।
2. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वेद।
3. वेद : विश्व कल्याण का साधन।
4. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में व्याकरण।
5. भाषा विज्ञान संबंधी।
6. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण।
7. धर्मशास्त्र में न्याय व्यवस्था।
8. आधुनिक सामाजिक समस्याओं के संदर्भ में स्मृति ग्रंथों का पुनरावलोकन।
9. प्रौद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में वास्तु।
10. आधुनिक वास्तुकला में प्राचीन भारतीय वास्तु विज्ञान की उपयोगिता।
11. ज्योतिषशास्त्र में विज्ञान।
12. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष।
13. प्राचीन वैदिक अनुष्ठानों पर अनुसंधान।

| | |
|---|---|
| **विशेषतायें** | • सस्वर सहित वेदों का अभ्यास।<br>• श्रौतयज्ञों का अभ्यास।<br>• श्रौत यज्ञ पात्र और स्मार्ट यज्ञ पात्र का संग्रह।<br>• डेमो यज्ञ शाला वेधशाला।<br>• तारामंडल।<br>• एस.पी.ए. और विश्वविद्यालय के वास्तु विभाग के बीच पंचाग निर्माण पर समझौता ज्ञापन।<br>• पत्रिका प्रकाशन |

## ग. संकाय का विवरण

| क्र.सं. | विभाग | पदनाम | प्राध्यापकों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | वेद | आचार्य | 05 |
| | | सह-आचार्य | 01 |
| 2. | पौरोहित्य | आचार्य | 02 |
| 3. | धर्मशास्त्र | आचार्य | 02 |
| | | सहायक आचार्य | 03 |
| 4. | व्याकरण | आचार्य | 04 |
| | | सह-आचार्य | 03 |
| 5. | ज्योतिष | आचार्य | 09 |
| | | सह-आचार्य | 03 |
| 6. | वास्तु शास्त्र | आचार्य | 02 |
| | | सहायक आचार्य | 05 |

## घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

| क्र.सं | पर्यवेक्षक का नाम | शोध विषय | शोध छात्रों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. मुरलीमनोहर पाठक | वेद | 1 |
| 2. | प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र | वेद | 3 |
| 3. | प्रो. रामानुज उपाध्याय | वेद | 1 |
| 4. | प्रो. बृन्दावन दास | पौरोहित्य | 1 |
| 5. | प्रो. रामराज उपाध्याय | पौरोहित्य | 1 |
| 6. | प्रो. सुजाता त्रिपाठी | व्याकरण | 3 |
| 7. | प्रो. रामसलाही द्विवेदी | व्याकरण | 2 |
| 8. | प्रो. दयाल सिंह | व्याकरण | 1 |
| 9. | प्रो. विनोद कुमार शर्मा | ज्योतिष | 1 |
| 10. | प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा | ज्योतिष | 1 |
| 11. | प्रो. परमानन्द भारद्वाज | ज्योतिष | 3 |
| 12. | प्रो. फणीन्द्र कुमार चौधरी | ज्योतिष | 1 |
| 13. | प्रो. सुशील कुमार | ज्योतिष | 2 |
| | | **कुल** | **21** |

## ङ. नामांकित छात्रों का विवरण ( श्रेणी वार )

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम | सामान्य | | अनु. जाति | | अनु.जन जाति | | विकलांग | | पिछड़ा वर्ग | | अल्पसंख्यक | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | | कुल | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | |
| 1 | स्नातक | 183 | 14 | 3 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 9 | 3 | 0 | 0 | 3 | 0 | 199 | 19 | 218 |
| 2 | स्नातकोत्तर | 90 | 14 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 3 | 0 | 0 | 6 | 0 | 101 | 18 | 119 |
| 3 | विद्यावारिधि | 148 | 35 | 5 | 5 | 1 | 0 | 1 | 0 | 13 | 8 | 0 | 0 | 29 | 5 | 197 | 53 | 250 |
| | कुल | 421 | 63 | 11 | 8 | 2 | 0 | 1 | 0 | 24 | 14 | 0 | 0 | 38 | 5 | 497 | 90 | 587 |

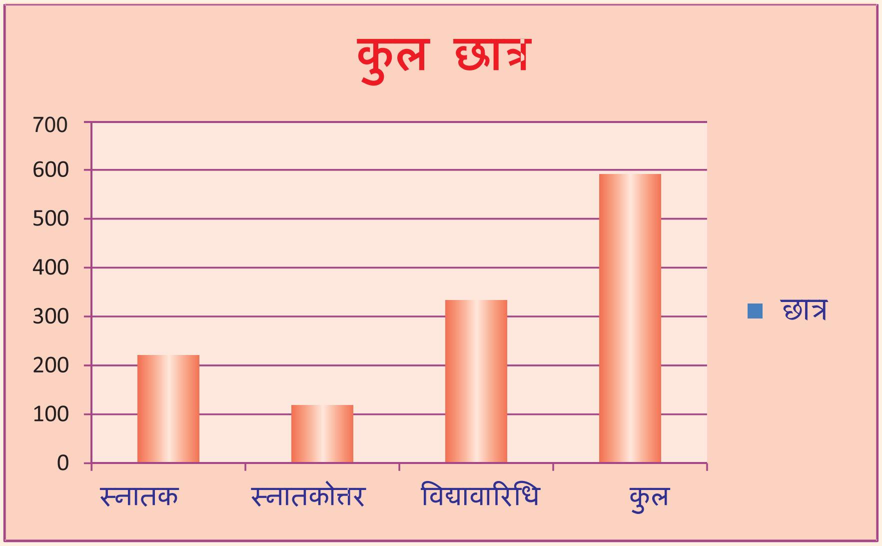


## च. पीठ के अनुसंधान प्रकाशन

| लेखक का नाम | शोध पत्र का शीर्षक | जर्नल/पीयर रिव्यूड़ंग/ संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/ पेपर्स का शीर्षक | आईएसबीएन संख्या |
|---|---|---|---|
| प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र | भगवान् श्री परशुराम एवं सोहनाग धाम की विस्तृत भूमिका तथा ग्रन्थ-सम्पादन | ग्रन्थ सम्पादन (अभ्युदय प्रकाशन) | 978-81-952904-2-0 |
| प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा | - | शोधपत्रिका सम्पादन | 2229-3388 |
| प्रो. सुन्दर नारायण झा | वैदिकगणितम् | श्रुतिप्रभा | - |
| | जल संरचना के वैदिक पक्ष | सुमंगली | - |
| | मिथिलादेशीयषडङ्गशतकद्रियपद्धति | ग्रन्थ सम्पादन | 978-81-948889-51 |
| | वेदवेदाङ्गोन्मेष | ग्रन्थ सम्पादन (चौखम्बा ओरियन्टालिया) | 978-81-966663-54 |
| | श्रीराममहिमस्तोत्रम् | ग्रन्थ सम्पादन (चौखम्बा ओरियन्टालिया) | - |
| | वेदविज्ञानवैभवम् | ग्रन्थ सम्पादन (चौखम्बा ओरियन्टालिया) | 998-9349 329-41-4 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| डॉ. ओंकार यशवंत सेलूकर | यज्ञसंस्था एक समाजव्यवस्था | National Journal of Hindi & Sanskrit research | - |
| | दर्शपौर्णमासगतवैज्ञानिकतथ्यानि | National Journal of Hindi & Sanskrit research | - |
| डॉ. दयाल सिंह पंवार | उपासना-विमर्श: | वैदिक सृष्टि प्रक्रिया | 978-81-965022-0-1 |
| डॉ. अशोक थपलियाल | नैसर्गिक पंचांग 2024-25 | नैसार्गिक शोध संस्थान, दिल्ली | 2395-1699 |
| डॉ. देशबंधु | नैसर्गिक पंचांग 2023-24 | नैसार्गिक शोध संस्थान, दिल्ली | 2395-1699 |
| डॉ. प्रवेश व्यास | नैसर्गिक पंचांग 2023-24 | नैसार्गिक शोध संस्थान, दिल्ली | 2395-1699 |
| | बी.ए.सामान्य संस्कृत में भारतीय वास्तुशास्त्रकला प्रणाली (BSKS-191) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वास्तुशास्त्रासौख्यम्, खण्ड-1 व 2 की निर्धारित नौ इकाईयों (पाठों) का लेखन | संस्कृत विभाग, मानविकी विद्यापीठ, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली | |
| | वास्तुशास्त्रासौख्यग्रन्थोक्तवृक्षपादपाना-मौषधीयगुणविमर्श: | वास्तुशास्त्रविमर्श पञ्चदश पुष्प | 0976-4321 |
| | प्राचीनभारते वृष्टिलक्षणवशात् आपदां पूर्वानुमानम् (सह-लेखन) | जयन्ती Vol-XX, 2023-24 | 2248-9495 |
| | वास्तुशास्त्रस्य सामान्यपचिय: तस्य पर्यावरणेन च संबंध: (सह-लेखन) | मालविका | 2348-1749 |
| | वेदों में गणितशास्त्र नामक अध्याय का लेखन | वेद एवं विश्वशान्ति नामक पुस्तक | - |
| डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा | नैसर्गिक पंचांग 2023-24 | नैसर्गिक शोध संस्थान, दिल्ली | 2395-1699 |
| डॉ. दीपक वशिष्ठ | नैसर्गिक पंचांग 2023-24 | नैसार्गिक शोध संस्थान, दिल्ली | 2395-1699 |
| डॉ. नवीन पाण्डेय | नैसर्गिक पंचांग 2023-24 | नैसार्गिक शोध संस्थान, दिल्ली | 2395-1699 |

## छ. अवधि के दौरान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

| क्र.सं. | विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम | अवधि |
|---|---|---|---|
| 1. | वेद | स्वाध्याय कार्यशाला एवं राष्ट्रियसङ्गोष्ठी "ऋग्वेदे वैश्विकचिन्तनम्" | 01.08.2023 |
| | | सप्त दिवसीय राष्ट्रिय कार्यशाला "ऋग्वेदे वैश्विकचिन्तनमितिविषयमधिकृत्य" | 01.08.2023-07.08.2023 |
| | | श्रीगणेशोत्सव: "गणपत्यथर्वशीर्ष पर आधारित व्याख्यान एवं श्रीगणेशार्चन प्रयोग" | 19.09.2023 |
| | | विद्वत्सम्मान "वेदवैपुल्यम", विषय पर विद्वतापूर्ण व्याख्यान के लिए राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय को वेदविभाग द्वारा "विद्वत्सम्मान" से सम्मानित किया गया। | 21.09.2023 |
| | | धी-वर्धिनी सभा "वेदविषयक व्याख्यान, पाठ्यक्रम पर आधारित" | 04.03.2024 |
| | | प्रो. वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला "निरुक्ते षड्भावविकार-निरुपरणम्" | 19.03.2024 |
| 2. | ज्योतिष | त्रिदिवसीय राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग कार्यशाला, 'व्रतपर्वोत्सव निर्णय' | 20-22.09.2023 |
| | | महामहोपाध्याय पंडित कल्याणदत्तशर्मा स्मारक व्याख्यानमाला | 01.03.2024 |
| 3. | धर्मशास्त्र | (i) मानवाधिकार (अंशकालीन पाठ्यक्रम)<br>(ii) प्राचीन एवं आधुनिक व्यवस्था (अंशकालीन तथा B.A.+L.L.B. पाठ्यक्रम) | 09-14.05.2023 |
| 4. | व्याकरण | 'सप्तदिवसीय स्वाध्याय कार्यशाला 'वैयाकरणसिद्धान्तमञ्षायां बौद्धार्थ-प्रकरणस्य विशिष्टाध्यायनम्' (के.सं.वि.वि. एवं श्री ला.बा.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) | 14-20.03.2024 |
| | | एक दिवसीय लघु कार्यशाला (श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि. एवं भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद) | 06.10.2023 |
| | | भारतीय भाषा अनुवादशाला (श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली एवं भारतीय भाषा समिति) | 21-22.03.2024 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | राष्ट्रीय संगोष्ठी "व्याकरणविनोद" (श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि. एवं श्री शंकर शिक्षायतन वैदिक शोध संस्थान, नई दिल्ली) | 22.03.204 |
| | | स्मारकव्याख्यानमाला "पण्डित गौरीनाथ शास्त्री स्मारक व्याख्यानमाला" (श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) | 21.03.2024 |
| 5. | वास्तुशास्त्र | अन्तर्राष्ट्रीयसंगोष्ठी 'वेदों में विश्वशान्ति एवं सद्भाव' | 27.12.2023 |
| | | प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी स्मारक व्याख्यानमाला | 21.03.2024 |
| | | इनोवेटिव वास्तुशास्त्र व्याख्यानमाला | 22.03.2024-30.04.2024 |

# II. दर्शनशास्त्र पीठ एवं सम्बंधित विभाग

**पीठाध्यक्ष**
प्रो. ए.एस. आरावमुदन्

**विभाग**

**न्याय विभागाध्यक्ष**
प्रो. रामचन्द्र शर्मा

**सांख्य योग विभागाध्यक्ष**
डॉ. मार्कण्डेय नाथ तिवारी

**योग विभागाध्यक्ष**
डॉ. मार्कण्डेय नाथ तिवारी

**जैन दर्शन विभागाध्यक्ष**
प्रो. वीरसागर जैन

**सर्वदर्शन विभागाध्यक्ष**
प्रो. जवाहर लाल

**मीमांसा विभागाध्यक्ष**
प्रो. ए.एस. आरावमुदन

**विशिष्टाद्वैत वेदांत विभागाध्यक्ष**
डॉ. सुदर्शनन एस.

**अद्वैत वेदान्त विभागाध्यक्ष**
प्रो. के. अनन्त

## क. पीठ के विषय में

इस दर्शन पीठ की स्थापना पारंपरिक भारतीय दर्शन के क्षेत्र में उन्नत ज्ञान को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रेरित थी, जैसा कि प्राचीन अध्येताओं द्वारा स्पष्ट किया गया है और शास्त्रों में निहित है। एसएलबीएसएनएस विश्वविद्यालय पारंपरिक विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली सामान्यीकृत शिक्षण-अधिगम सुविधाओं को पार करते हुए, भारतीय दर्शन के विशिष्ट विषयों के अंदर प्रमुख दार्शनिक प्रणालियों की अधिक केंद्रित और गहन खोज का प्रस्ताव देते हुए स्वयं की अलग पहचान बनाता है। जैन दर्शन विभाग उल्लेखनीय है, जिसमें हिंदू दर्शन के साथ समानताएं साझा करते हुए भी अपनी विशिष्ट विशेषताएं रखता है। आज की आधुनिक दुनिया में, परमाणु सिद्धांत, कर्म सिद्धांत, अनेकांतवाद सिद्धांत, स्याद्वाद सिद्धांत, नयवाद सिद्धांत, अहिंसा सिद्धांत, आध्यात्मिकता, ध्यान पद्धतियां और अहिंसा जैसी अवधारणाएं समाज और राष्ट्र में व्यावहारिक अनुप्रयोग में आती हैं। इसके अतिरिक्त, मीमांसा विभाग को मीमांसा के व्याख्यात्मक मानदंडों के तहत दिए गए विशिष्ट निर्णयों के लिए राष्ट्रीय प्रशंसा प्राप्त हुई है, जो छात्रों को प्राचीन ग्रंथों का उपयोग करके समसामयिक मुद्दों को संबोधित करने के कौशल से सुसज्जित करने पर केंद्रित है। सांख्य और योग के विषय आपस में एक दूसरे के पूरक होते हुए भी, प्रकृति (पदार्थ) और पुरुष की अवधारणाओं के बारे में विचारशील होते हैं। सांख्य की प्राचीन परंपरा सत्व-रजस और तमस की धारणाओं में निहित है, दिलचस्प रूप से न्यूटन के गति के नियमों से जुड़ी हुई है और क्वांटम भौतिकी की समझ को प्रेरित करती है। प्रसिद्ध संकाय सदस्य प्रमुख दार्शनिक मुद्दों पर चर्चा को प्रोत्साहित करते हुए, आकर्षक शास्त्रार्थ के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं।

## ख. लक्ष्य

विश्वविद्यालय में दर्शन पीठ (दर्शनशास्त्र) भारतीय दार्शनिक परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करने और इस मूल्यवान जानकारी को विश्व स्तर पर प्रसारित करने के लिए समर्पित है। पीठ के उद्देश्यों में गहन शोध करना और भारतीय दार्शनिक मुद्दों पर सामाजिक रूप से सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान करना शामिल है।

| | |
|---|---|
| **अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र** | 1. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन।<br>2. भारतीय दर्शन और जीवन।<br>3. दर्शन में वैज्ञानिक तथ्य।<br>4. आधुनिक विज्ञान और दार्शनिक विचार।<br>5. दर्शनशास्त्र में मानवीय मूल्य।<br>6. पारंपरिक दर्शन ग्रंथों की शिक्षा एवं संरक्षण की पद्धति का प्रचार-प्रसार करना।<br>7. समाज और न्याय शास्त्र के बीच कार्य प्रणाली |
| **विशेषतायें** | • योग के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अभ्यास।<br>• वेदांतिक ग्रंथों की दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन |

## ग. संकाय सदस्यों का विवरण

| क्र.सं. | विभाग | पदनाम | प्राध्यापकों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | न्याय | आचार्य | 03 |
| 2. | सांख्य योग | आचार्य | 01 |
| 3. | योग | सहायक आचार्य | 03 |
| 4. | जैन दर्शन | आचार्य | 03 |
| 5. | सर्व दर्शन | आचार्य<br>सहायक आचार्य | 04<br>01 |
| 6. | मीमांसा | आचार्य<br>सहायक आचार्य | 01<br>01 |
| 7. | विशिष्टाद्वैत वेदान्त | आचार्य | 02 |
| 8. | अद्वैत वेदान्त | – | 00 |

## घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

| क्र.सं | पर्यवेक्षक का नाम | शोध विषय | शोध छात्रों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. बिष्णुपद महापात्र | न्याय | 2 |
| 2. | प्रो. महानन्द झा | न्याय | 2 |
| 3. | प्रो. पी.के. दीक्षित | न्याय | 2 |
| 4. | प्रो. राम चंद्र शर्मा | न्याय | 1 |
| 5. | डॉ विजय सिंह गुसाई | योग | 1 |
| 6. | डॉ रमेश कुमार | योग | 4 |
| 7. | डॉ नवदीप जोशी | योग | 4 |
| 8. | प्रो. शिव शंकर मिश्रा | योग | 2 |
| 9. | डॉ. विजय गुप्ता | योग | 4 |
| 10. | प्रो जवाहर लाल | योग | 2 |
| 11. | प्रो. मार्कडेय नाथ तिवारी | सांख्ययोग | 3 |
| | | **कुल** | **27** |

## ङ. नामांकित छात्रों का विवरण ( श्रेणी वार )

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम | सामान्य | | अनु. जाति | | अनु.जन जाति | | विकलांग | | पिछड़ा वर्ग | | अल्पसंख्यक | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | | कुल | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु | स्त्री. | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | |
| 1 | स्नातक | 45 | 37 | 6 | 6 | 1 | 0 | 0 | 0 | 7 | 9 | 0 | 0 | 5 | 1 | 64 | 53 | 117 |
| 2 | स्नातकोत्तर | 33 | 41 | 7 | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 | 15 | 6 | 0 | 0 | 3 | 1 | 59 | 53 | 112 |
| 3 | विद्यावारिधि | 53 | 37 | 17 | 11 | 1 | 0 | 2 | 0 | 18 | 14 | 0 | 0 | 15 | 3 | 106 | 65 | 171 |
| | कुल | 131 | 115 | 30 | 22 | 3 | 0 | 2 | 0 | 40 | 29 | 0 | 0 | 23 | 5 | 229 | 171 | 400 |

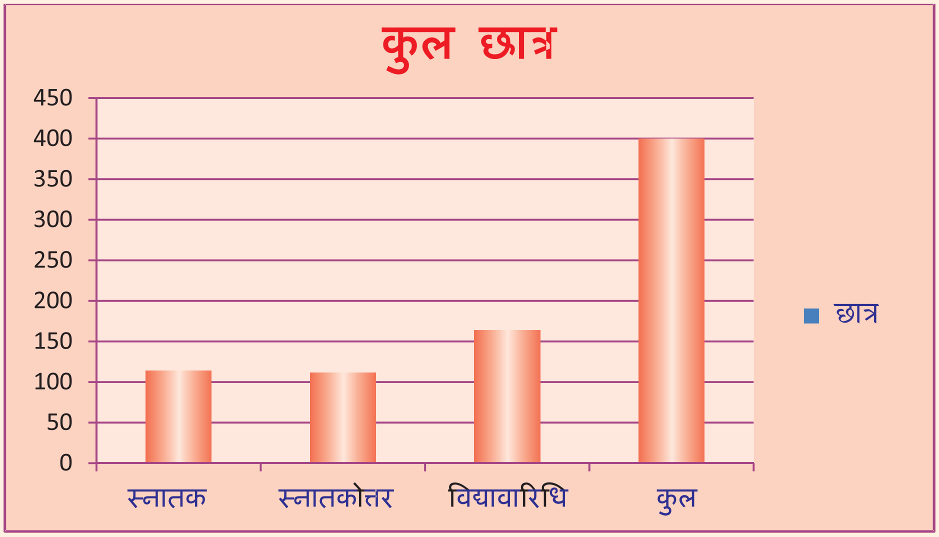


## च. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

| लेखक का नाम | शोध पत्र का शीर्षक | जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक | आईएसबीएन संख्या |
|---|---|---|---|
| प्रो. मार्कण्डेयनाथ तिवारी | ईश्वरस्वरूपमीमांसा | उत्कर्षदीपिका (रा.सं.वि.वि.) 2023 | 2231.0452 |
| | सांख्ययोगदर्शन की कैवल्यधारणा | शिक्षाप्रियदर्शिनी (जनवरी-जून 2023) | 2454.1230 |
| | वर्तमानसंदर्भ में सांख्यदर्शन की प्रासंगिकता | गंगेश्वरगौरव (ग्रन्थ) | 978.81.9567384.1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रो. कुलदीप कुमार जैन | जैनदर्शने सम्यग्दर्शनविवेचनम् | हरिप्रभा अन्ताराष्ट्रिया मूल्याङ्किता शोधपत्रिका, अक्टूबर-दिसम्बर, 2023 | 2278-04416 |
| | भारतवर्षस्य नामकरणम् | भारतनामा, डॉ. प्रभाकिरण जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2023 | 978-93-90659-58-6 |
| डॉ. विजय गुप्ता | 'अनुसन्धानसम्पादनप्रविधिः' ग्रन्थ की समीक्षा | संस्कृतरत्नाकरः | 2395-3055 |
| | चिन्मय : ग्रन्थ समीक्षा | संस्कृतरत्नाकरः | 2395-3055 |
| | शक्तिपीठों का दार्शनिक सन्दर्श : एक विश्लेषण | जयराम सन्देश | 0975-8739 |
| | आयुर्वेदे अन्तःकरणविषयक-चिन्तनम् | शोधप्रभा | 0974-8946 |
| श्री राजेश कुमार गुर्जर | मीमांसादर्शने मन्त्रविनियोगः | नेशनल जर्नल ऑफ हिन्दी एण्ड संस्कृत रिसर्च, नवम्बर-दिसम्बर, 2023, (वोल्यूम 51) | 2554-9177 |
| | मीमांसादर्शन का परिचय एवं आवश्यकता | नेशनल जर्नल ऑफ हिन्दी एण्ड संस्कृत रिसर्च, 2024, (वोल्यूम 54) | 2554-9177 |
| | मीमांसादृशा वेदवाक्यानां विभजनम् | हरिप्रभा, जनवरी-फरवरी, 2024, हरियाणा संस्कृत अकादमी | 2557-0416 |

## छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

| क्र.सं. | विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम | अवधि |
|---|---|---|---|
| 1. | सांख्ययोग | सांख्ययोग दर्शन सिद्धान्त प्रतिपादन (विशिष्ट व्याख्यान) | 14 जुलाई, 2023 |
| | | मीमांसा दर्शन में सांख्ययोग-दर्शनानुशीलन | 13 अक्टूबर, 2023 |
| | | सांख्ययोग दर्शन का सामाजिक वैशिष्ट्य | 04 जनवरी, 2024 |
| 2. | योग विज्ञान | 2023-24 के पाठ्यक्रमों का उद्घाटन समारोह | 05 अगस्त, 2023 |
| | | सॉफ्ट स्किल कार्यशाला का आयोजन | 16 दिसम्बर, 2023 |
| | | ज्ञानसभा (साप्ताहित ज्ञान सम्मेलन) | नवम्बर, 2023 से जारी है |
| | | पडोस युवा संसद का आयोजन (युवा एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में आयोजित कार्यक्रम) | 26 फरवरी, 2024 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | सर्वदर्शन | दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला<br>(आई.सी.पी.आर. द्वारा प्राप्त वित्तीय अनुदान) | 18-27, सितम्बर, 2023 |
| | | सांख्ययोगदर्शनयोरन्त:सम्बन्ध: विषयक विशिष्ट व्याख्यान | 06 अक्टूबर, 2023 |
| | | डॉ. मण्डन मिश्र स्मारक व्याख्यानमाला | 07 मार्च, 2024 |
| 4. | मीमांसा | पट्टाभिरामशास्त्रीव्याख्यानमाला का आयोजन | मई, 2023 |
| 5. | अद्वैतवेदान्त | "जगद्गुरुशङ्कराचार्याणां दार्शिनिकभाषा एकात्मताबोधश्च" विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी | 22 मार्च, 2024 |

# III. साहित्य एवं संस्कृति पीठ एवं सम्बंधित विभाग

**पीठाध्यक्ष**
प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला

**विभाग**

**साहित्य विभागाध्यक्ष**
प्रो. सुमन कुमार झा

**पुराणेतिहास विभागाध्यक्ष**
प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला

**प्राकृत विभागाध्यक्ष**
प्रो. सुदीप कुमार जैन

## क. पीठ के विषय में

विश्वविद्यालय के सबसे पुराने पीठों में से एक के रूप में, साहित्य और संस्कृति पीठ विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से आधारशिला रहा है। साहित्य, पुराण, इतिहास और प्राकृत में पाठ्यक्रम प्रदान करने वाला यह पीठ पारंपरिक भारतीय ज्ञान का पथप्रदर्शक है। विशेष रूप से, इसमें पुराणों में विशेषज्ञता प्रस्तुत की गई है, और इसमें भारतीय परंपराओं, सामाजिक प्रणालियों और भूगोल में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की जाती है। पीठ के पुराण-आधारित शोध का भारतीय पर्यटन, चिकित्सा, भोजन, कथा परंपराओं और व्यवहार पैटर्न जैसे विषयों पर दूरगामी प्रभाव है, जिसमें वैश्विक रुचि के प्रति आकर्षण बनता है। ये पुराण विविध ज्ञान के संग्रह के रूप में कार्य करते हुए छात्रों को समृद्ध भारतीय कथा परंपरा से परिचित कराने, बहु-विषयक अनुसंधान के अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संकाय सदस्य शास्त्र संबंधी क्षेत्रों में अनुसंधान का पर्यवेक्षण करते हैं और पीठ द्वारा पूरे वर्ष कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और युवा उत्सवों का आयोजन किया जाता है।

## ख. उद्देश्य

साहित्य और संस्कृति विद्यालय संस्कृत साहित्य को विद्यार्थियों के लिए अपनी संस्कृति को जानने और समझने का प्रवेश द्वार बनाने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य आधुनिक समाज को प्राचीन भारतीय संस्कृति की समृद्धि से परिचित कराना है। पीठ का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य की व्यापक समझ प्रदान करना है, जिसमें साहित्य पुराण, इतिहास और प्राकृत भाषा पर पाठ्यक्रम शामिल हैं।

| | | |
|---|---|---|
| **अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र** | 1. | संस्कृत साहित्य में भारत और भारतीय संस्कृति। |
| | 2. | आधुनिक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत साहित्य का महत्व। |
| | 3. | भारतीय संस्कृति में संस्कृत साहित्य का योगदान। |
| | 4. | संस्कृत साहित्य का इतिहास। |
| | 5. | आधुनिक परिप्रेक्ष्य में पुराणों और इतिहास ग्रंथों का महत्व। |
| | 6. | पुराणों और इतिहास ग्रंथों में विश्व कल्याण। |
| | 7. | गीता में स्व प्रबंधन और विज्ञान। |
| | 8. | कौटिल्य, शुक्राचार्य एवं बृहस्पति पाठों का अध्ययन |
| | 9. | वेदों में प्राकृत के शब्दों की बहुलता। |
| | 10. | प्राकृत साहित्य में जीवन मूल्य। |
| | 11. | आधुनिक समस्याओं के संबंध में राजनीतिक विचार |
| | 12. | प्राकृत और अपभ्रंश अप्रकाशित पांडुलिपियों का संरक्षण और संपादन। |
| **विशेषतायें** | ● | बृहत त्रयीकोष योजना। |
| | ● | नेट/जे.आर.एफ. के लिए अतिरिक्त कक्षाएं। |

## ग. संकाय सदस्यों का विवरण

| क्र.सं. | विभाग | पद | प्राध्यापकों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | साहित्य | आचार्य | 05 |
| | | सहायक आचार्य | 03 |
| 2. | पुराणेतिहास | आचार्य | 01 |
| 3. | प्राकृत | आचार्य | 02 |

## घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

| क्र.सं | शोधनिर्देशक का नाम | शोध विषय | शोध छात्रों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. भागीरथी नन्द | साहित्य | 2 |
| 2. | प्रो. सुमन कुमार झा | साहित्य | 3 |
| 3. | प्रो. सुखदेव भोई | साहित्य | 1 |
| 4. | डॉ. अरविन्द कुमार | साहित्य | 1 |
| 5. | डॉ. अनमोल शर्मा | साहित्य | 1 |
| | | **कुल** | **08** |

## ङ. नामांकित छात्रों का विवरण ( श्रेणी वार )

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम | सामान्य | | अनु. जाति | | अनु.जन जाति | | विकलांग | | पिछड़ा वर्ग | | अल्पसंख्यक | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | | कुल | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु | स्त्री. | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | |
| 1 | स्नातक | 44 | 6 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 48 | 8 | 56 |
| 2 | स्नातकोत्तर | 21 | 5 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 23 | 6 | 29 |
| 3 | विद्यावारिधि | 26 | 12 | 10 | 3 | 2 | 1 | 2 | 0 | 8 | 7 | 0 | 0 | 5 | 6 | 53 | 29 | 82 |
| | कुल | 91 | 23 | 11 | 5 | 2 | 1 | 2 | 0 | 9 | 8 | 0 | 0 | 9 | 6 | 124 | 43 | 167 |

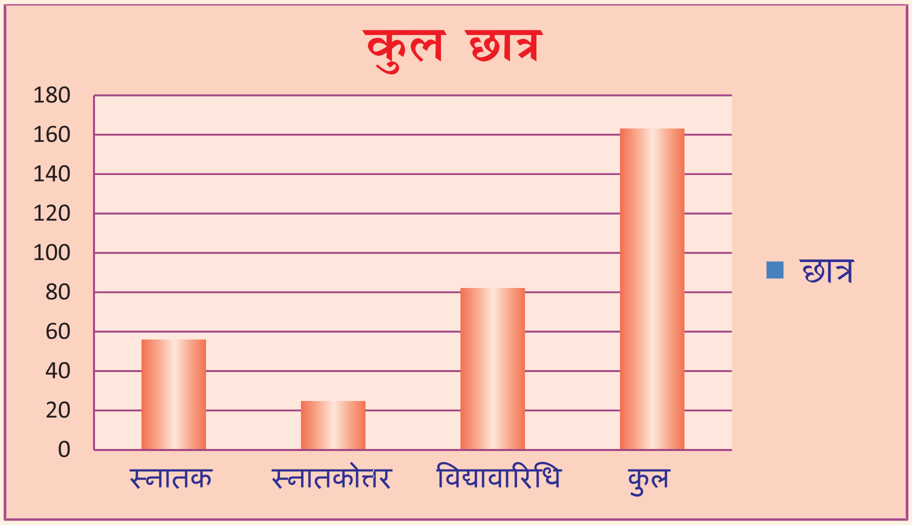


## च. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

| लेखक का नाम | शोध पत्र का शीर्षक | जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/ संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/ पेपर्स का शीर्षक | आईएसबीएन संख्या |
|---|---|---|---|
| प्रो. शुकदेव भोई | शिशुपालवधमहाकाव्यानु-शीलनम् 2023 | शोध विभाग, | 81-8798794-4 |
| | शिशुपालवध : एक परिशिलनम् 2024 | शोध विभाग, | 978-81-972035-7-2 |
| प्रो. भागीरथि नन्द | सौभाग्नूपुरम् इक्कसवीं शताब्दी के संस्कृत महाकाव्य का नया मानदंड | सहस्त्रधारा सरस्वती सांचौर राजस्थान | 978-81-961599 |
| प्रो. धर्मानन्द राउत | श्रीमद्वल्मीकीयरामायणे पुरुषार्थचतुष्टयविमर्शः | व्यासश्रीः | Vol-27-2320-2025 |
| डॉ. अरविंद कुमार | शिशुपालवधे भौगोलिकस्थानानि शिशुपालवधमहाकाव्यानुशीलनम् | - | 8187987944 |
| डॉ. बी.कामक्षम्मा | महाभारतान्तर्गत-उशीनरोपाख्यानम् एकं परिशीलनम् | शिक्षाप्रियदर्शिनी 2023 | 2454-1230 |
| | महाभारतान्तर्गतयवक्रीतोपाख्यानम् एकं परिशीलनम् | शोधप्रभा | 0674-8946 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| डॉ. अनमोल शर्मा | उत्तररामायणमहाकाव्यस्य कथावस्तुविमर्श | संस्कृतरत्नाकर: 2024 | 2395-3055 |
| डॉ. सौरभ दूबे | राजशेखरस्य कविसमाजायावदानम् | शारदा यूजीसीकेयर लिस्टेड श्रृङ्गेरी | 2320-740X |
| | उपमास्वरुपविमर्श: | शिक्षाप्रियदर्शिनी समकक्षव्यक्ति समीक्षित | 24S4-1230 |
| प्रो. सुदीप कुमार जैन | कालिकालसर्वज्ञ आचार्य कुन्दकुन्द | अनेकान्त (जुलाई सितम्बर, 2023) | 0974-8768 |
| | 'समयसार' के मंगलाचरण में सुदकेवली | नवीन शोध संसार (अक्टूबर-दिसम्बर, 2023) | 2582-0095 |
| | आचार्य कुन्दकुन्द देव के कालविषय समीक्ष्यबिन्दु | ज्ञानशौर्यम् (जनवरी-फरवरी, 2024) | 2582-0095 |
| | शास्त्ररचना के सिद्धांत और 'समयसार' | शोधशौर्यम् (जनवरी-फरवरी, 2024) | 2581-6306 |
| | चातुवर्ण्य-मुनिसंघ का स्वरूप | ज्ञानशौर्यम् (मार्च-अप्रैल, 2024) | 2582-0095 |

## छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

| क्र.सं. | विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम | अवधि |
|---|---|---|---|
| 1. | साहित्य | श्रीलालबहादुरशास्त्रिस्मारकव्याख्यानमाला | 29.02.2024 |
| | | विशिष्टव्याख्यानद्वयमृ | 11.03.2024 |
| 2. | पुराणेतिहास | दसमहाविद्या स्वरूप पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | 1-2.03.2023 |
| 3. | प्राकृत भाषा | प्राकृतभाषा का इतिवृत्त एवं वर्तमान दिशायें (विभागीय व्याख्यान श्रृंखला) | 15.09.2023 |
| | | पुरातात्त्विक अवशेषों में सुरक्षित प्राकृत भाषाओं के साक्ष्य (विभागीय व्याख्यान श्रृंखला) | 21.09.2023 |
| | | प्राच्य भारतीय भाषायें एवं प्राकृतभाषा (विभागीय व्याख्यान श्रृंखला) | 09.11.2023 |
| | | सम्राट खाखेल के हाथीगुम्फा-अभिलेख में निहित राजनीतिक सिद्धांतों का परिचयात्मक-अनुशीलन (विभागीय व्याख्यान श्रृंखला) | 08.12.2023 |
| | | जैन मूर्तिकला एवं पुरावशेष (विभागीय व्याख्यान श्रृंखला) | 17.01.2024 |
| | | आचार्य कुन्दकुन्द के ग्रंथों की प्राकृतभाषा का वैशिष्ट्य (विभागीय व्याख्यान श्रृंखला) | 18.03.2024 |
| | | प्राकृत वाङ्मय में 'आयारंगसुत्तं का महत्व (विभागीय व्याख्यान श्रृंखला) | 18.03.2024 |

# IV. आधुनिक विषय पीठ एवं सम्बंधित विभाग

**पीठाध्यक्षा**
प्रो. मीनू कश्यप

**विभाग**

**मानविकी विभागाध्यक्ष**
प्रो. मीनू कश्यप

**आधुनिक ज्ञान विभागाध्यक्ष**
प्रो. आदेश कुमार

**शोध विभागाध्यक्ष**
प्रो. शिवशंकर मिश्र

**हिन्दू अध्ययन विभागाध्यक्ष**
प्रो. शिवशंकर मिश्र

## क. पीठ के विषय में

इस विभाग का मुख्य उद्देश्य संस्कृत में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें विकसित आधुनिक तकनीक के लिए तैयार करना है। आधुनिक विद्या संकाय शोध छात्रों को शोध पद्धति, साहित्य की समीक्षा के क्षेत्र में छह महीने के अनिवार्य प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान कर रहा है और यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार उच्च शोध के क्षेत्र में प्रकाश प्रदान कर रहा है। इन पारंपरिक विषयों के अलावा, आधुनिक विद्या संकाय के अंतर्गत हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और कंप्यूटर अनुप्रयोग, पर्यावरण विज्ञान और मानवाधिकार जैसे आधुनिक विषय भी पढ़ाए जाते हैं।

## ख. लक्ष्य

आधुनिक विषय पीठ का उद्देश्य छात्रों में एक आयामी नहीं बल्कि सर्वांगीण विकास करना तथा छात्रों में विभिन्न विषयों में शोध पद्धति संबंधी क्षमताएं पैदा करना है। इससे न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, बल्कि छात्रों में मानवीय मूल्यों का भी विकास होता है।

**अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र**

1. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण।
2. वेदों में पर्यावरण।
3. भाषाविज्ञान।
4. भारतीय संस्कृति और संस्कृत वांगमय।
5. आधुनिक विज्ञान और संस्कृत।
6. मानव अधिकार और मानव मूल्य संस्कृत वांगमय में।
7. संस्कृत साहित्य में राजनीतिक विचार।
8. संस्कृत वांगमय में पर्यावरण शिक्षा।

**विशेषतायें**

- छात्रों को नवाचार के लिए कंप्यूटर और पर्यावरण राजनीति आदि का ज्ञान दिया जाता है ताकि छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपना विकास कर सकें।

## ग. पीठ का विवरण

| क्र.सं. | विभाग | पद | प्राध्यापकों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | मानविकी | आचार्य | 03 |
| | | सहायक-आचार्य | 02 |
| 2. | आधुनिक ज्ञान | सह-आचार्य | 01 |
| | | सहायक-आचार्य | 02 |
| 3. | शोध | आचार्य | 02 |
| 4. | हिन्दू अध्ययन | - | 00 |

## घ. नामांकित छात्रों का विवरण ( श्रेणी वार )

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम | सामान्य | | अनु. जाति | | अनु.जन जाति | | विकलांग | | पिछड़ा वर्ग | | अल्पसंख्यक | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | | कुल | | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु | स्त्री. | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | |
| 1 | एम.ए. हिन्दू अध्ययन | 9 | 8 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 13 | 10 | 23 |
| 2 | एम.ए. हिंदी | 8 | 9 | 1 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 4 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 17 | 12 | 29 |
| 3 | एम.ए. अंग्रेजी | 7 | 9 | 3 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 10 | 12 | 22 |
| 3 | एम.ए. समाजशास्त्र | 4 | 4 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 2 | 0 | 11 | 6 | 17 |
| | कुल | 28 | 30 | 7 | 4 | 2 | 2 | 0 | 0 | 9 | 3 | 0 | 0 | 5 | 1 | 51 | 40 | 91 |

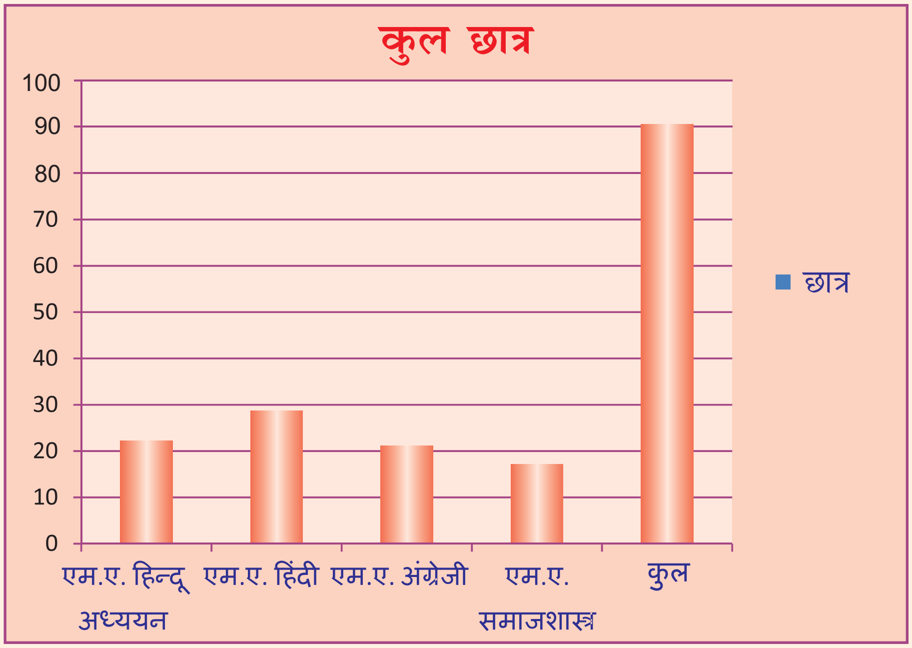

## ङ. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

| लेखक का नाम | शोध पत्र का शीर्षक | जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक | आईएसबीएन संख्या |
|---|---|---|---|
| प्रो. मीनू कश्यप | The Role of Women in Atmanirbhar Bharat | आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं की भूमिका | 978-93-95404-18-1 |
| प्रो. शिवशंकर मिश्र | गौतमीयन्यायदर्शने निर्विकल्पस्य अवधारणा | शोधप्रभा (UGC CARE Listed) | 0974-8946 |
| | भारतीयविद्याया: पद्धति: प्रयोजनं च | शोध प्रज्ञा (UGC CARE Listed) | 2347-9892 |
| डॉ. सुमिता त्रिपाठी | Indexing Habitat Suitability & amp; Human Elephant Conflicts Using GIS&MCDA in a human dominated landscape | Geography and Sustainability (7 Sept. 2023, Online) | |
| | Study of Thalawa Division Application of Multi&criteria Decision&making Techniques for Mapping Groudwater Potential zone; A case, Sri Lanka | Water MDPI' Scopus International Research Journal (Impact factor 3-53) 30-09-2023 | |
| डॉ. ब्रजेश कुमार मिश्र | भारत की जी 20 और ब्रिक्स पुरुष भूमिका | मेकल मीमांसा (जुलाई-दिसम्बर, 2023) | 0974-0118 |

## च. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

| विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम | अवधि |
|---|---|---|
| आधुनिक ज्ञान | पृथ्वी दिवस | 12 मई, 2023 |
| | विश्व पर्यावरण दिवस | 05 जून, 2023 |
| शोध | एकदिवसीय शोधकार्यशाला (शोधविभाग एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में) | 04 मार्च, 2024 |
| | आदित्यनाथझास्मारकव्याख्यानमाला | 05 मार्च, 2024 |

# V. शिक्षा पीठ एवं सम्बंधित विभाग

| पीठाध्यक्ष | विभाग | शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष |
|---|---|---|
| प्रो. सदन सिंह | | प्रो. सदन सिंह |

## क. पीठ के विषय में

वर्ष 1987 में स्थापित, शिक्षा पीठ आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय सदस्यों के माध्यम से निष्ठा से संचालित होता है, जो विश्वविद्यालय के अंदर एक नोडल संकाय है। योग्यता, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित मिशन के साथ, पीठ विद्या वारिधि (पीएच.डी. कार्यक्रमों) के माध्यम से संस्कृत भाषा के शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों को तैयार करने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में खड़ा है। वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी समर्थित शैक्षिक पहल के लक्ष्यों के अनुरूप, पीठ द्वारा संस्कृत भाषा शिक्षण में दक्षता विकसित करने के लिए विविध प्रकार के कार्यक्रम पेश किया जाता है। यहां शिक्षा में बी.एड., एम.एड. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित किया जाता है, जिन्हें क्रमशः शिक्षा शास्त्री, शिक्षा आचार्य और विद्या वारिधि के नाम से जाना जाता है।

## ख. लक्ष्य

इस शिक्षा पीठ का उद्देश्य समकालीन शिक्षण सामग्री और पद्धतियों के माध्यम से मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देकर भविष्य में आने वाले शिक्षकों को शिक्षित करना है। इसके परिणाम स्वरूप संभावित सामाजिक चुनौतियों को समाप्ता करने के लिए समाज में शिक्षा की प्रगति की परिकल्पना की गई है।

| | |
|---|---|
| **अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र** | 1. शिक्षा के दार्शनिक सिद्धान्त।<br>2. शिक्षा के सामाजिक आधार।<br>3. शिक्षा का मनोविज्ञान।<br>4. शिक्षा तकनीक।<br>5. मापन और मूल्यांकन।<br>6. विद्यार्थी-अनुकूल शिक्षाशास्त्र |
| **विशेषतायें** | • शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पीएम एमएमएनएमटीटी योजना के तहत टीएलसी टीचिंग लर्निंग सेंटर |

- संसाधन कक्ष
- भाषा की प्रयोगशालाएं
- मनोविज्ञान प्रयोगशाला
- विभागीय पुस्तकालय
- शिक्षा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

## ग. संकाय सदस्यों का विवरण

| क्र.सं. | विभाग | पद | प्राध्यापकों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | शिक्षा | आचार्य | 08 |
| | | सह–आचार्य | 01 |
| | | सहायक आचार्य | 23 |

## घ. शोध दिशानिर्देश विवरण

| क्र.सं. | शोध निर्देशक का नाम | शोध विषय | शोध छात्रों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. रचना वर्मा मोहन | शिक्षा | 2 |
| 2. | प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज | शिक्षा | 1 |
| 3. | प्रो. मीनाक्षी मिश्रा | शिक्षा | 1 |
| 4. | डॉ. आरती शर्मा | शिक्षा | 1 |
| 5. | डॉ. सुरेन्द्र महतो | शिक्षा | 1 |
| 6. | डॉ. जीतेन्द्र कुमार | शिक्षा | 1 |
| 7. | डॉ. तमन्ना कौशल | शिक्षा | 1 |
| 8. | डॉ. दिनेश कुमार यादव | शिक्षा | 1 |
| 9. | डॉ. अजय कुमार | शिक्षा | 1 |
| 10. | डॉ. पिंकी मलिक | शिक्षा | 1 |
| 11. | डॉ. प्रदीप कुमार झा | शिक्षा | 1 |
| 12. | डॉ. शिव दत्त आर्या | शिक्षा | 1 |
| 13. | डॉ. सविता राय | शिक्षा | 1 |
| 14. | डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार | शिक्षा | 1 |
| 15. | डॉ. परमेश कुमार शर्मा | शिक्षा | 1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 16. | डॉ. कैलाश चन्द मीणा | शिक्षा | 1 |
| 17. | डॉ. सुनील कुमार शर्मा | शिक्षा | 1 |
| 18 | डॉ. इक्कुर्ति वेंकटेश्वरलु | शिक्षा | 1 |
| 19 | डॉ. विचारी लाल मीना | शिक्षा | 1 |
| | | **कुल** | **20** |

## ङ. नामांकित छात्रों का विवरण ( श्रेणी वार )

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम | सामान्य | | अनु. जाति | | अनु.जन जाति | | विकलांग | | पिछड़ा वर्ग | | अल्पसंख्यक | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | | कुल | | कुलयोग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | पु | स्त्री. | पु. | स्त्री | पु. | स्त्री | |
| 1 | स्नातक (बी.एड) | 57 | 44 | 22 | 45 | 17 | 13 | 2 | 0 | 56 | 81 | 0 | 0 | 43 | 17 | 197 | 200 | 397 |
| 2 | स्नातकोत्तर(एम.एड) | 10 | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 1 | 0 | 0 | 8 | 0 | 23 | 5 | 28 |
| 3 | विद्यावारिधि | 37 | 14 | 7 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 | 3 | 0 | 0 | 11 | 4 | 60 | 23 | 83 |
| | कुल | 104 | 60 | 29 | 49 | 18 | 13 | 2 | 0 | 65 | 85 | 0 | 0 | 62 | 21 | 280 | 228 | 508 |

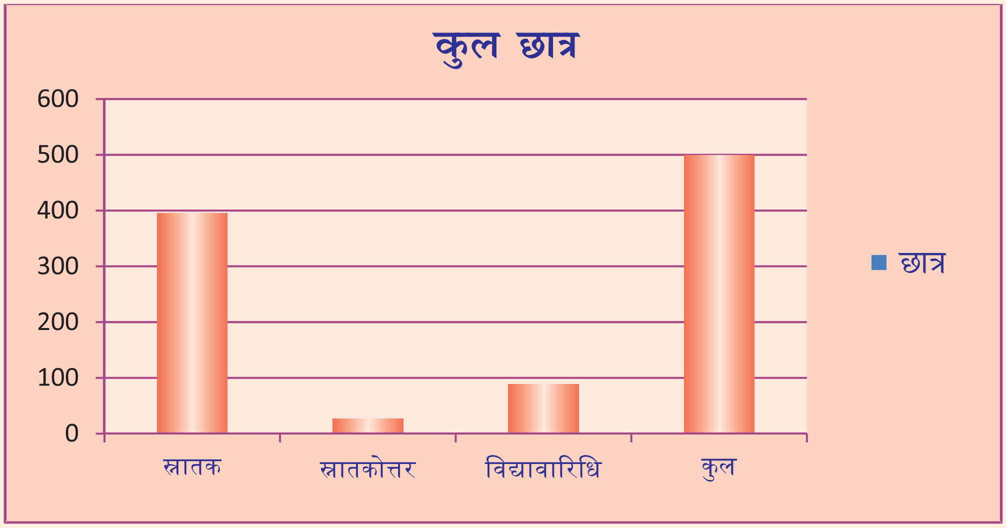

## च. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

| लेखक का नाम | शोध पत्र का शीर्षक | जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक | आईएसबीएन संख्या |
|---|---|---|---|
| प्रो. रमेश प्रसाद पाठक | हिन्दू दर्शन सनातन परम्परा | आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस | 978-81-8370-66-5 |
| | शोध विधि और उपागम | कनिष्क पब्लिशिंग आउस | 978-93-89484-97-7 |
| | Aspects of Education | आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस | 978-81-8370-659-9 |
| | योग शिक्षा-आरोग्य विज्ञान वैश्विक परिदृश्य | कनिष्क पब्लिशिंग आउस | 978-93-93322-41-8 |
| | राष्ट्रीय शिक्षा नीति-भारतीय शिक्षा का पुनरूत्थान | कनिष्क पब्लिशिंग आउस | 978-93-93322-54-8 |
| | The Management of Teaching Skills | कनिष्क पब्लिशिंग आउस | 978-81-972077-0-9 |
| | भारतीय शिक्षा परम्परा | शैक्षिक उन्मेष, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, | 2581-687X |
| | स्वामी श्रद्धानन्द के शैक्षिक विचारों की समसामयिक प्रासंगिकता | शोध प्रभा | 0974-8946 |
| | व्यक्तित्व निर्माण, तनाव प्रबंधन एवं वैशिक संवर्धन के संबंध में श्रीमद् भगवद्गीता की प्रासंगिकता | शैक्षिक उन्मेष, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा | 2581-687X |
| | सनातन संस्कृति में प्रकृति संरक्षण की अवधारणा | शैक्षिक उन्मेष, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा | 2581-687X |
| प्रो. रचना वर्मा | योग: मानसिक स्वास्थ्यञ्च | National Journal or Hindi & Sanskrit Research (Vol-52, Issue Jan-Feb, 2024) | 2454-9177 |
| | मिश्रित अधिगम (Blended Learning) की अवधारणा-संस्कृत शिक्षा के सन्दर्भ में | National Journal or Hindi & Sanskrit Research (Vol-52, Issue Jan-Feb, 2024) | 2454-9177 |
| | तनावप्रबन्धने योगस्य उपयोगिता | Swami Vivekanand Advanced journal for research and studies (Vol-2, Issue 2, Jan-June, 2024) | 2584-105X |

| | | | |
|---|---|---|---|
| डॉ. विचारी लाल मीना | समावेशी शिक्षा NEP 2020 के सन्दर्भ में | "IRJMSH" (Vol-14, Issue:6, June 2023) | 2277-9809 |
| | पंचतंत्र में मापन एवं मूल्यांकन | Anthology The Research (International Journal) (Vol. 8, Issue:10, Jan-2024 | 2456-4397 |
| डॉ. सुरेन्द्र महतो | मनोविज्ञान: आचार्य एवं ग्रन्थ | पी.जी. डिप्लोमा-'संस्कृत साहित्य में विज्ञान', इग्नू, नई दिल्ली | e-journal |
| | धातु एवं रसायन विज्ञान | ई-ज्ञानकोश इग्नू | e-journal |
| | भाषा सीखना तथा भाषा के द्वारा सीखना | SCERT-दिल्ली पाठ्यक्रमान्तर भाषा पर आधारित स्व-शिक्षा सामग्री | 978-81-971630-7-4 |
| | श्रीमद् भगवद्गीता में निहित बुद्धि के स्वरूप का मनोवैज्ञानिक अध्ययन | जम्बू द्वीप (मई 2023) The e-journal of Indic studies (IGNOU) | 2583-6331 |
| | श्रीमद् भगवद्गीता में निहित बुद्धि के अवधारणा एवं प्रकारों का अध्ययन | शोध प्रभा वर्ष-48, अंक-3, जुलाई-सितम्बर, 2023 ई. | 0974-8946 |
| डॉ. अजय कुमार | वैश्विक स्तर पर शिक्षा और समाज के सहसंबंध का विश्लेषण | 'वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा, साहित्य और समाज' हिन्दी केन्द्रीय विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल द्वारा प्रकाशित 2023 | 978-9937-9649-6-8 |
| | मूल्य अर्थ, प्रकृति और प्रकार | 'मूल्य एवं शांति शिक्षा', कालिंदी प्रकाशन, उ.प्र. 2023, | 978-81-966420-2-0 |
| | राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 | 'भारतीय शिक्षा का इतिहास संकल्प प्रकाशन, 2023 | 978-93-91435-73-8 |
| | हिन्दी भाषा की अवधारणा और विकास | 'शिक्षाप्रियदर्शिनी' (अंक-18, जुलाई-दिसम्बर, 2023) | 2454-1230 |
| | A Study of Self-perception of adolescents in relation to academic achievement | A research paper published in TIJER& International Research Journal. Vol. 10, issue-8, Aug 2023 | 2349-9249 |
| डॉ. शिवदत्त आर्य | अनुसंधान प्रविवेदन लेखन में प्रचलित मान्यताएं | Educreator Research Journal, Vol. X, Issue-V | 2455-0515 |
| | व्याकरणशास्त्रस्य संक्षिप्तेतिहास:' | शिक्षाप्रियदर्शिनी | 2454-1230 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 'आत्मनिर्भर भारत निर्माण में भारतीय संस्कृति का योगदान: 21वीं सदी कौशल विकास के सन्दर्भ में | PVDT college of Education for women Mumbai | 978-93-57-68-500-9 |
| | व्याकरणशिक्षणम् | अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन्स, दिल्ली | 978-93-93671-35-6 |
| श्रीमती अनिता | प्रवर्तमानायारूच्च शिक्षाया: प्रमुखा: समस्या:। | शोधशौर्यम्, Vol. 6, Issue-1 जनवरी-फरवरी 2023 | 2581-6306 |
| डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार | प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका | जयन्ती, वार्षिक शोधप्रत्रिका (UGC CARE Listed) 2022-23 | 2248-9435 |
| | भारतीय परिपेक्ष्य में तीर्थाटन, विरासत संरक्षण और समावेशी शिक्षा | पंखुड़ी, जुलाई-दिसम्बर, 2023 (वॉल्यूम 9) | 2454-3950 |
| | भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में संस्कृत साहित्यकारों का योगदान | श्रीरंगलक्ष्मी, वार्षिक शोधप्रत्रिका, 2023 | 2321-7618 |
| | वर्त्तमानसमये संस्कृतशिक्षणे संगणकस्य अनुप्रयोग: | नि:श्रेयसी, वार्षिक शोधप्रत्रिका, 2023-24 | 2582-2608 |
| डॉ. पिंकी मलिक | 'NEP 2020' Analysis of Technological Education and A way forward | Educational Quest, IJEASS, Vol.14, No 1 (2030) Online | 0976-72 |
| | शिक्षकशिक्षायां मूल्यशिक्षाया: आवश्यकता | वेदांजली, वर्ष-10 अंक-20 (जुलाई-दिसम्बर, 2023) | 2349-364X |
| | माध्यमिकस्तरीयच्छात्रेषु सामाजिकसमायोजनसम्बन्धी समस्या: परामर्शाश्च | National Journal of Hindi & Sanskrit Research, 2024-1 | 2454-9177 |
| डॉ. परमेश कुमार | सहनशीलताया: समञ्जनस्य शारीरिकक्षमतायाश्च निरूपणम् | पत्रिका-ज्ञानशौर्यम्, सप्तमपत्रम्, संस्करण-2, मार्च-अप्रैल, 2024 | 2582-0095 |
| | महिलायोग: महिलामहिम-सम्बद्ध प्राचीनावधानस्थलानि | पुस्तक-महिला सुरक्षा एवं अधिकार, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 2024 | 9789334862014 |
| | च व्याकरणशिक्षणम् | पुस्तक-अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन्स, दिल्ली- 09, 2024 | 9789393671356 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| डॉ. आरती शर्मा | संस्कृत और भारतीय संस्कृति : विविध आयाम | संस्कृतसंस्कृतिमञ्जूषा (पुस्तक), 2023 | 978-93-92603-09-9 |
| | मूल्य शिक्षा एवं मूल्यपरक महाकाव्य रामायण | ज्ञानशौर्यम्, मार्च-अप्रैल, 2024 (अंक 7) | 2582-0095 |
| | शिक्षाक्षेत्रे ऐतिहासिकानु-सन्धानोपागमः | शिक्षाप्रियदर्शिनी (अन्ताराष्ट्रिय-पत्रिका) जनवरी-जून, 2024 | 2454-1230 |
| डॉ. कैलाश चंद मीणा | भारतीय ज्ञान परंपरा में योग एवं नारी | (International Journal) Vol-7 Issue-2 (15 March, 2023) | 2581-6306 |

## छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

| क्र.सं. | विभाग का नाम | कार्यक्रम का नाम | अवधि |
|---|---|---|---|
| 1. | शिक्षाशास्त्र | शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम के पुनर्विचार पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 28-29 फरवरी से 1 मार्च 2024 |

## शैक्षणिक

**सिंहावलोकन :**

अकादमिक मामलों का प्रभाग विश्वविद्यालय के केंद्र के रूप में कार्य करता है, अकादमिक नीतियों का संचालन करता है और शैक्षिक कार्यक्रमों के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करता है। प्रतिबद्धता एक गतिशील शिक्षण समुदाय को बढ़ावा देने की है जहां नवाचार और उत्कृष्टता उत्पन्न हो सके।

**महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां**

पाठ्यक्रम परिवर्धन
गुणवत्ता आश्वासन
छात्र सहायता सेवाएं
संकाय विकास
शैक्षणिक योजना

**प्रयास और उपलब्धियां :**

अकादमिक कार्य प्रभाग को कुछ प्रमुख प्रयासों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए गर्व है :

अंत: विषय कार्यक्रम : छात्रों को ज्ञान के अंतर्संबंध का पता लगाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए नवीन अंत: विषय कार्यक्रमों की शुरूआत।

अनुसंधान सहयोग : छात्रों और संकाय के बीच अनुसंधान सहयोग की सुविधा, विश्वविद्यालय के अंदर एक मजबूत अनुसंधान संस्कृति के विकास में योगदान।

अंतरराष्ट्रीय भागीदारी : दुनिया भर में प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ साझेदारी के माध्यम से वैश्विक संपर्क की स्थापना, छात्रों और संकाय को मूल्यवान अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना।

**भावी दिशाएं :**

शैक्षणिक कार्य प्रभाग भविष्य को देखते हुए, निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध है : विविध हितों को पूरा करने के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों की सीमा का विस्तार करना। सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक शैक्षणिक दृष्टिकोण लागू करना। अनुसंधान के मूल संरचा को मजबूत करना और पूछताछ की संस्कृति को बढ़ावा देना।

## छात्र कल्याण

**सिंहावलोकन :**

छात्र कल्याण प्रभाग विश्वविद्यालय के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो सभी छात्रों के लिए एक सहायक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने वे लिए समर्पित है। न केवल शैक्षणिक विकास बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देने में विश्वास रखें।

**महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां :**

२छात्र सहायता सेवाएं
२सांस्कृतिक और पाठ्येतर गतिविधियां
२स्वास्थ्य और कल्याण पहल
२सामुदायिक व्यस्तता
२कैरियर विकास

**गतिविधियाँ:-**

1. दिनांक 25 से 31 अगस्त, 2023 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके समन्वयक प्रो. यशवीर सिंह, संयोजक डॉ. दिनेश यादव तथा सहसंयोजक डॉ. परमेश शर्मा थे।
2. दिनांक 27 अगस्त 2023 को संस्कृत आपण का आयोजन कटवारिया ग्राम में किया गया। जिसके संयोजक - डॉ. दिनेश यादव थे।
3. दिनांक 23-24 जनवरी, 2024 को 61 वीं दिल्ली राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसके समन्वयक - प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक डॉ. दिनेश यादव थे।
4. दिनांक 22 जनवरी, 2024 को संस्कृति संगम का आयोजन प्रो. शिवशंकर मिश्र के संयोजन में किया गया।

5. दिनांक 2 मार्च, 2024 को सरलमानकसंस्कृतम् कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश यादव थे।

6. दिंनाक 16 मार्च, 2024 को संस्कृतशिक्षणशास्त्र कार्यशाला का आयोजन दिल्ली संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। संयोजक डॉ. दिनेश यादव तथा सहसंयोजक डॉ. आरती शर्मा थे।

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
G5RM+95P, Block B, Qutab Institutional Area, New Delhi, Delhi 110016, India
Lat 28.541003°
Long 77.182789°
28/08/23 12:22 PM GMT +05:30
Google

# केन्द्र

- केन्द्र
  - शिक्षण अधिगम केन्द्र
  - महिला अध्ययन केन्द्र
  - संगणक केन्द्र
  - स्वास्थ्य केन्द्र

# शिक्षण अधिगम केन्द्र

## क. केन्द्र के विषय में

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के शिक्षण अधिगम केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक मिशन और शिक्षण योजना के तहत की गई थी। इस केंद्र का दृष्टिकोण शिक्षण-अधिगम प्रणालियों के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन के लिए भाषा शिक्षा, विशेष रूप से संस्कृत से जुड़े शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों के कौशल और दक्षताओं को विकसित करना है। **केंद्र का नेतृत्व प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज कर रही हैं।**

सातवें चरण (2023-24) में अक्टूबर, 2023 तक केन्द्र द्वारा ऑनलाइन माध्यम से 09 कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों के 69 विषय विशेषज्ञों के योग्य मार्गदर्शन में किया गया जिससे देश के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से 1099 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। इन 09 कार्यक्रमों में 06 व्याख्यान एन.ई.पी. 2020 पर, 01 द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.), 01 एक साप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) एवं 01 एक मासिक ऑनलाइन संकाय अनुबोधन कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छात्रों एवं अध्यापकों हेतु थे। इन कार्यक्रमों का विवरण उनके विषय, अवधि, दिनांक, कार्यक्रम प्रकार एवं स्तर, विषयविशेषज्ञ एवं प्रतिभागी संख्या सहित निम्न तालिका में प्रस्तुत है:

## शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विवरण
(दिनांक 01 अप्रैल, 2023 से 30 अक्टूबर, 2023 तक)

| क्र.सं. | कार्यक्रम का प्रकार | विषय | दिनांक | अवधि दिनों में | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | एफ.डी.पी. | अधिगम परिणाम एवं उद्देश्य: अभिकल्प एवं निर्माण | 24-28 अप्रैल, 2023 | 05 | 52 |
| 2. | एफ.डी.पी. | तकनीकी शिक्षणशास्त्रीय एवं शोध कुशलता संवर्द्धन | 29 मई से 08 जून, 2023 | 10 | 123 |
| 3. | एफ.डी.पी. | संकाय विकास कार्यक्रम | 13 जुलाई से 11 अगस्त, 2023 | 30 | 46 |
| 4. | व्याख्यानमाला | भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं दर्शन : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | 22 अप्रैल, 2023 | 01 | 103 |
| 5. | व्याख्यानमाला | भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं समाजशास्त्र: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | 18 मई, 2023 | 01 | 85 |
| 6. | व्याख्यानमाला | भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं मनोविज्ञान: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | 13 जून, 2023 | 01 | 206 |
| 7. | व्याख्यानमाला | भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं प्रबन्धन : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | 12 अगस्त, 2023 | 01 | 183 |
| 8. | व्याख्यानमाला | भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं सुस्थित जीवन शैली: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | 29 अगस्त, 2023 | 01 | 157 |
| 9. | व्याख्यानमाला | भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं पर्यावरण शिक्षा: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | 18 अक्टूबर, 2023 | 01 | 144 |
| | | | **कुल प्रतिभागी** | | **1099** |

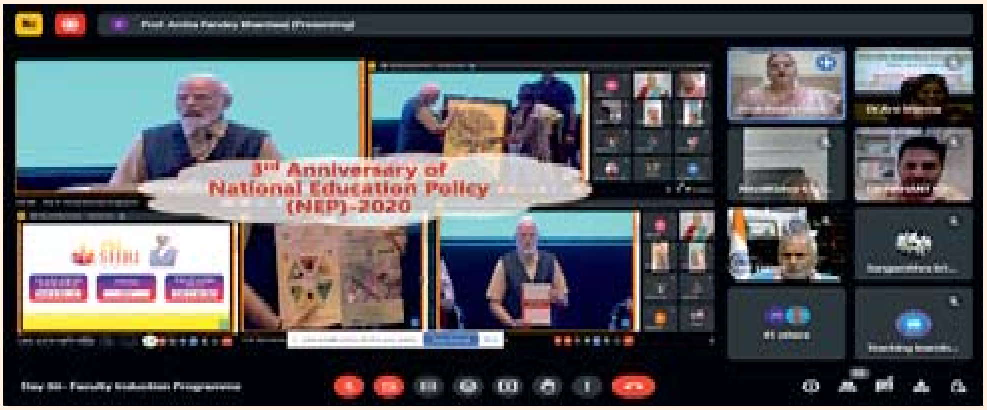

## शिक्षण अधिगम केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों का विवरण (पदवार)

| क्र.सं. | पद नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | परियोजना प्रमुख | 01 |
| 2. | प्राध्यापक सदस्य | 02 |
| 3. | प्रशासनिक अधिकारी | 01 |
| 4. | लेखा अधिकारी | 01 |
| 5. | प्रोजेक्ट फैसिलिटेटर | 01 |
| 6. | कंप्यूटर सहायक | 01 |
| 7. | कनिष्ठ लिपिक | 01 |
| 8. | बहुकार्य कर्मचारी | 01 |

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र - एम.एम.टी.टी.सी. (पूर्व में शिक्षण शिक्षण केंद्र - टी.एल.सी.) की स्थापना 2023 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा संकाय सदस्यों में एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप बेहतर शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान हेतु कौशल तथा दक्षताओ का विकास करना है। उच्च शिक्षा के सभी स्तरों पर संकाय क्षमता संवर्द्धन, शिक्षा में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, जिसे यू.जी.सी. के एच.आर.डी.सी. एवं पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण (PMMMNMTT) योजना, भारत सरकार के अन्तर्गत संचालित विभिन्न केंद्रों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अच्छी तरह से संचालित किया जाता रहा है। भौतिक, मानवीय एवं वित्तीय संसाधनों के इष्टतम प्रयोग की दृष्टि से शिक्षा मंत्रालय द्वारा यू.जी.सी. के एच.आर.डी.सी. एवं पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण (PMMMNMTT) योजना के तहत स्थापित केन्द्रों के मध्य तालमेल एवं एकीकरण को ठोस आधार प्रदान करने तथा एन.ई.पी. 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सम्पूर्ण शिक्षक क्षमता संवर्द्धन प्रयास को मालवीय मिशन के नाम से लोकप्रिय बनाने का निर्णय मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के माध्यम से लिया गया जिसका उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 2023 को किया गया। इस मिशन के क्रियान्वयन हेतु 111 उच्च शिक्षा संस्थानों (66 एचआरडीसी और 45 पीएमएमएनएमटीटी) को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों (MMTTCs) के रूप में चिन्हित किया गया जिसमें हमारा विश्वविद्यालय भी एक है और इसका उद्घाटन यू.जी.सी. के माननीय अध्यक्ष प्रो. एम. जगदेश कुमार ने दिनांक 30 अक्टूबर 2023 को किया।

केन्द्र ने आठ (08) ऑनलाइन राष्ट्रीय **एन.ई.पी. अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम** का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागियों को एनईपी-2020 के प्रमुख विषयों पर उन्मुख और संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम गूगल मीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था। ये सभी कार्यक्रम प्रेरण सत्र के साथ शुरू हुए जहां केंद्र की निदेशक **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम के प्रमुख विषयों और इसके महत्वपूर्ण निर्देशों के बारे में जानकारी दी। इन आठ कार्यक्रमों के लिए एमएमटीटीपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कुल पंजीकरण 655 थे, जिनमें से 529 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम-वार विवरण तिथियां, पंजीकृत प्रतिभागियों और लाभार्थियों की संख्या तालिका में प्रस्तुत की गई है।

## मालवीय मिशन शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा नवम्बर, 2023 से मार्च, 2024 तक आयोजित कार्यक्रम (चरण- VII)

| कार्यक्रम सं. | दिनांक | पंजीकृत प्रतिभागी सं. | लाभार्थी सं. |
|---|---|---|---|
| 1. | 13 से 22 नवम्बर, 2023 | 25 | 25 |
| 2. | 18 से 28 दिसम्बर, 2023 | 98 | 83 |
| 3. | 02 से 11 जनवरी, 2024 | 80 | 56 |
| 4. | 15 से 24 जनवरी, 2024 | 110 | 77 |
| 5. | 05 से 14 फरवरी, 2024 | 113 | 113 |
| 6. | 19 से 28 फरवरी, 2024 | 104 | 77 |
| 7. | 06 से 15 मार्च, 2024 | 58 | 44 |
| 8. | 13 से 22 मार्च, 2024 | 67 | 54 |
| | **कुल** | **655** | **529** |

एमएमटीटीपी सूचना विवरणिका के अनुसार 08 प्रमुख एनईपी विषयों को कवर करते हुए सभी कार्यक्रमों को 16 सत्रों के माध्यम से चलाया गया। समग्र और बहुविषयक शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन, अनुसंधान और विकास, उच्च शिक्षा और समाज, कौशल विकास, छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी।

## मालवीय मिशन शिक्षण अधिगम केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों का विवरण (पदवार)

| क्र.सं. | पद नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | निदेशक | 01 |
| 2. | प्राध्यापक सदस्य | 02 |
| 3. | प्रशासनिक अधिकारी | 01 |
| 4. | लेखा अधिकारी | 01 |
| 5. | परियोजना सहायक | 01 |
| 6. | कंप्यूटर सहायक | 01 |
| 7. | सहायक कर्मचारी | 01 |

# महिला अध्ययन केन्द्र

## क. केन्द्र के विषय में

महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 2005 में यूजीसी की दसवीं योजना के तहत की गई थी। संकाय सदस्यों की नियुक्ति मार्च, 2006 तक की गई थी और केंद्र ने अप्रैल 2006 तक अपना कामकाज शुरू कर दिया था। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को महिला अध्ययन केंद्र वाला एकमात्र संस्कृत विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है। **केंद्र की अध्यक्षता प्रो. मीनू कश्यप कर रही हैं।**

संस्कृत विश्वविद्यालय के पारंपरिक माहौल में, महिला अध्ययन केंद्र की एक विशेष कार्य सूची है। केंद्र के उद्देश्य हैं :-

- भारतीय महिलाओं के अतीत के गौरव और सम्मान को पुनर्जीवित करना।
- बीते समय की महिलाओं की उपलब्धियों और पूर्णताओं को रोल मॉडल के रूप में उजागर करना।
- महिला अध्ययन के नजरिए से प्राचीन शास्त्रीय ग्रंथों की व्याख्या करना।

**कार्यक्रम का आयोजन**

| क्र.सं. | कार्यक्रम का नाम | दिनांक |
|---|---|---|
| 1. | दस दिवसीय जेंडर संवेदीकरण फाउंडेशन कोर्स (शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए) | 20.04.2023 – 03.05.2023 |
| 2. | प्रतियोगितायें (आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में) | 14.08.2023 – 21.08.2023 |
| 3. | जेंडर संवेदीकरण कार्यशाला (शिक्षाचार्य प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए) | 26.02.2024 |

| | | |
|---|---|---|
| 4. | महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम | 05.03.2024 |
| 5. | प्रतियोगितायें (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में) | 01.03.2024 - 06.03.2024 |
| 6. | मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम | 21.03.2024 |
| 7. | दस दिवसीय जेंडर संवेदीकरण फाउंडेशन कोर्स | 12.02.2024 - 23.02.2024 |

# संगणक केन्द्र

**केन्द्र के विषय में**

कंप्यूटर सेंटर विश्वविद्यालय समुदाय को कंप्यूटिंग सुविधाओं, प्रशिक्षण, शिक्षण, ई-मेल, वेबसाइट होस्टिंग, विकास और प्रबंधन आदि में गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है। यह शोधकर्ताओं को उनके मूल्यवान डेटा का विश्लेषण करने में मदद करता है, विश्वविद्यालय में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करता है, वर्ल्ड वाइड वेब तक पहुँच को सक्षम बनाता है और विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों को प्रयोगशाला की सुविधा प्रदान करता है। केंद्र विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करता है।

**स्थापना इतिहासः**

1989 में, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, भारत सरकार ने एक संयुक्त परियोजना 'कैसल' दी (कम्प्यूटर असिस्टेड संस्कृत टीचिंग/लर्निंग एनवायरनमेंट) जेएनयू, नई दिल्ली के साथ विश्वविद्यालय को दिया गया। इसके बाद 1993 में विश्वविद्यालय को इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से एक और प्रोजेक्ट "CALT" (कम्प्यूटर असिस्टेड लैंग्वेज टीचिंग) मिला। विश्वविद्यालय ने इन दोनों प्रोजेक्ट के लिए 1989 में एक छोटी सी कार्यशील कंप्यूटर लैब की स्थापना की और शिक्षा शास्त्री में एक वैकल्पिक विषय के रूप में कंप्यूटर कोर्स शुरू किया। तब से विश्वविद्यालय ने कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत योगदान दिया है और विकास किया है।

यूजीसी ने दिसंबर, 2005 में विश्वविद्यालय के लिए कंप्यूटर सेंटर को मंजूरी दी थी। विश्वविद्यालय ने जून, 2006 में एक सुसज्जित कंप्यूटर सेंटर की स्थापना की और जनवरी, 2007 में यह केंद्र कार्यात्मक हो

## वर्तमान आईटी अवसंरचना

- विश्वविद्यालय के पास संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में नई तकनीक के साथ त्रिभाषी वेबसाइट है और GIGW दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी तरह गतिशील है।
- क्र विश्वविद्यालय ने समर्थ ई-गवर्नेंस सूट, भर्ती, प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सुचारू और डिजिटल संचालन के लिए स्टाफ प्रबंधन सॉफ्टवेयर प्रणाली को लागू किया है।
- क्र विश्वविद्यालय में 03 सुसज्जित कंप्यूटर लैब, 06 स्मार्ट क्लासरूम और 07 सेमिनार/कॉन्फ्रेंस हॉल हैं, जिनमें इंटरनेट की सुविधा है और छात्रों के सीखने के कौशल को बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम के अनुसार पोडियम, इंटरेक्टिव बोर्ड, एलसीडीटीवी, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर और विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सॉफ्टवेयर जैसे विभिन्न शिक्षण उपकरणों का उपयोग किया जाता है, ताकि नई चुनौतियों का सामना किया जा सके।
- विश्वविद्यालय के पास यूजीसी के स्वयं पोर्टल के लिए संस्कृत में वीडियो व्याख्यानों की रिकॉर्डिंग के लिए एक वर्चुअल ई-क्लास रूम स्टूडियो है।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एनकेएन परियोजना के तहत इंटरनेट बैंडविड्थ केंद्र में 1.0 जीबीपीएस इंटरनेट लिंक के साथ इंटरनेट सुविधाएं हैं। यह छात्रों, संकायों, शोधकर्ताओं और सभी विभागों को विभिन्न स्रोतों से सभी प्रकार की जानकारी तक पहुंचने और डाउनलोड करने का अवसर प्रदान करता है।
- विश्वविद्यालय ने एक वर्चुअल ई-क्लासरूम स्टूडियो स्थापित किया है, जिसमें केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग और नियंत्रण प्लेटफॉर्म है, जो उपयोग में सबसे आसान है और रिच मीडिया लाइव वेबकास्टिंग और कंटेंट मैनेजमेंट, वेब और मोबाइल डिलीवरी सिस्टम के लिए सबसे अच्छा सपोर्ट करता है, जो हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग, ऑडियो-विजुअल कॉन्फ्रेंसिंग, नियंत्रण प्रणाली और केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग और नियंत्रण प्रणाली सहित पूरी तरह से एकीकृत समाधान का एक समावेशी पैकेज होगा।
- विश्वविद्यालय के पास संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में त्रिभाषी वेबसाइट है और अब इसे नई तकनीक के साथ अपग्रेड किया गया है, जो GIGW दिशानिर्देशों के अनुसार पूरी तरह से गतिशील है।
- क्र विश्वविद्यालय के पास एनालॉग, डिजिटल और IP एक्सटेंशन लाइनों के साथ IP आधारित EPABX सुविधा है और यह उच्च उपलब्धता, मजबूत सुरक्षा, शक्तिशाली प्रदर्शन और लागत प्रभावी एकीकृत संचार प्रदान करता है।
- विश्वविद्यालय ने इंट्रानेट के माध्यम से थीसिस तक पहुँचने के लिए सर्वर स्थापित किया है।

- विश्वविद्यालय ने विभिन्न स्थानों पर 85 CCTV कैमरे लगाए हैं।
- विश्वविद्यालय का पूरा परिसर वाई–फाई सक्षम है।

**कंप्यूटर सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली सामान्य सुविधाएं**

कंप्यूटर सेंटर विश्वविद्यालय को कंप्यूटिंग सुविधाएँ, ई–मेल, वेबसाइट होस्टिंग, विकास और प्रबंधन आदि में गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है। यह शोधकर्ताओं की मदद करता है।

विश्वविद्यालय के मूल्यवान डेटा का विश्लेषण करना, विश्वविद्यालय में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करना, वर्ल्ड वाइड वेब तक पहुँच को सक्षम बनाना तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को टैबोरेटरी सुविधा प्रदान करना। यह विश्वविद्यालय की निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करता है।

- विश्वविद्यालय की आवश्यकता के अनुसार सॉफ्टवेयर सेवाओं का डिजाइन, विकास तथा रखरखाव।
- विश्वविद्यालय में डेस्कटॉप, लैपटॉप, प्रिंटर तथा सर्वर कंप्यूटरों की खरीद, स्थापना तथा रखरखाव।
- क्र सभी कंप्यूटरों, बाह्य उपकरणों तथा नेटवर्किंग का रखरखाव जिसमें उनका AMC भी शामिल है।
- विश्वविद्यालय के सभी विभिन्न सर्वरों का रखरखाव (सर्वर प्रबंधन)।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण तथा गैर–शिक्षण विभागों, कर्मचारियों के आवासों, छात्रावासों, अतिथि गृहों आदि को इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना।
- विभिन्न विभागों, छात्रावासों, कर्मचारियों के आवासों, अतिथि गृहों आदि को दूरसंचार सुविधाएँ प्रदान करना तथा संचार प्रणाली सॉफ्टवेयर का प्रबंधन करना।
- विश्वविद्यालय नेटवर्क को बाहरी हैकरों से बचाने, नेटवर्क पर लोड को संतुलित करने, अनावश्यक ट्रैफिक को फिल्टर करने, अवांछित वेब सामग्री को ब्लॉक करने तथा प्राथमिकताएँ निर्दिष्ट करके नेटवर्क ट्रैफिक को सुव्यवस्थित करने के लिए फायरवॉल प्रणाली का प्रबंधन करना।
- विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की नेटवर्क, दूरसंचार और हार्डवेयर संबंधी समस्याओं का समाधान करना।
- आईटी अवसंरचना का प्रबंधन, विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं की नेटवर्क संबंधी समस्याओं का समाधान करना।
- डेस्कटॉप, प्रिंटर और अन्य बाह्य उपकरणों की इन–हाउस मरम्मत का कार्य करना।
- @gov.in और Google पर हमारे डोमेन फ्रीवेयर शैक्षिक खाते के माध्यम से मेलिंग सिस्टम और आधिकारिक ईमेल को बनाए रखना।

- विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को समय-समय पर कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करना।
- साप्ताहिक आधार पर स्टोरेज/फाइल सर्वर पर उपयोगकर्ता होम निर्देशिकाओं का बैकअप और रिकवरी लेना।
- स्व-वित्तपोषित योजना के तहत सप्ताहांत पर कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में तीन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। इस कोर्स की अवधि महीने दिन है।
- विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट का प्रबंधन: विश्वविद्यालय से संबंधित सामान्य जानकारी के अलावा, विश्वविद्यालय की वेबसाइट उपयोगकर्ताओं के लिए निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करती है:-
  - २ विश्वविद्यालय की वेबसाइट त्रिभाषी है अर्थात संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में।
  - २ निविदाएं और कैरियर: कोटेशन/निविदाएं और नौकरी पोस्टिंग प्रकाशित करना।
  - २ विभिन्न प्रकार के फॉर्म, परिपत्र, अधिसूचना आदि पोस्ट करना।
  - २ ई-संसाधन। संकाय और छात्रों के पास ज्ञदपउइने जैसे ई-संसाधनों तक पहुँच है जो उनके शोध कार्य के लिए उपयोगी है।
  - २ पूर्व छात्र पंजीकरण विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र वेबसाइट के माध्यम से खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।
  - २ प्रवेश सूचना वेबसाइट प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश परीक्षा के लिए प्रॉस्पेक्टस और अन्य संबंधित जानकारी प्रॉस्पेक्टस, आवेदन पत्र, परिणाम आदि के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करती है।
  - २ विश्वविद्यालय के संबंधित विभागों के अनुरोध के अनुसार कंप्यूटर केंद्र द्वारा वेबसाइट की जानकारी को इन-हाउस अपडेट किया जाता है।

**प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम**

विभिन्न विषयों में नियमित कंप्यूटर विषयों के अलावा, कंप्यूटर केंद्र छात्रों, शोध विद्वानों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए उनके कंप्यूटर कौशल और उनके काम में आवश्यकतानुसार विभिन्न सॉफ्टवेयर के लिए कार्य ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है।

**प्रशिक्षण कार्यक्रम**

कम्प्यूटर केन्द्र ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और शोधार्थियों के लिए लघु अवधि कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिससे उन्हें अपने कम्प्यूटिंग कौशल में आने वाली समस्याओं का समाधान करने में सहायता मिली।

**प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमः**

केन्द्र कार्यरत पेशेवरों और छात्रों के लिए सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) में स्व-वित्तपोषित 1 वर्षीय अंशकालिक कम्प्यूटर पाठ्यक्रम में कम्प्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा भी चला रहा है, ताकि उनके व्यावसायिक कौशल, ज्ञान में वृद्धि हो और विश्वविद्यालय के लिए राजस्व उत्पन्न हो।

- विश्वविद्यालय ने सभी विभागों के कम्प्यूटरीकरण के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर (समर्थ ई-गवर्नेंस सुइट और इन-हाउस एप्लीकेशन) को आंशिक रूप से क्रियान्वित किया है और निकट भविष्य में कंप्यूटर केंद्र समर्थ परियोजना को पूरी तरह कार्यात्मक बना देगा।

## कम्प्यूटर केन्द्र कर्मचारीः

| क्र.सं | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर | 01 |
| 2. | सहायक प्रोग्रामर | 01 |
| 3. | तकनीकी सहायक | 02 |
| 4. | प्रयोगशाला परिचर | 01 |

## भविष्य के लिए संभावित

विश्वविद्यालय ने सभी विभागों के कम्प्यूटरीकरण के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर (समर्थ ई-गवर्नेंस सुइट और इन-हाउस एप्लीकेशन) को आंशिक रूप से क्रियान्वित किया है और निकट भविष्य में कंप्यूटर केंद्र समर्थ परियोजना को पूरी तरह कार्यात्मक बना देगा।

# स्वास्थ्य केन्द्र

## क. केन्द्र के बारे में:

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य केंद्र छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को चिकित्सा सेवाएँ और स्वास्थ्य जाँच प्रदान करने के लिए समर्पित है। आवश्यक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित, स्वास्थ्य केंद्र में अनुभवी डॉक्टर और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर हैं जो सामान्य स्वास्थ्य सेवा, आपातकालीन उपचार और दंत चिकित्सा देखभाल सहित विभिन्न सेवाएँ प्रदान करते हैं। केंद्र नैदानिक उद्देश्यों के लिए नमूना संग्रह सुविधाओं से भी सुसज्जित है।

**सुविधाएँ और सेवाएँ:**

- सामान्य स्वास्थ्य देखभाल: स्वास्थ्य केंद्र नियमित स्वास्थ्य जाँच, सामान्य बीमारियों के लिए उपचार और निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है।
- आपातकालीन सेवाएँ: छोटी-मोटी आपात स्थितियों से निपटने के लिए सुसज्जित, स्वास्थ्य केंद्र तत्काल स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर तत्काल ध्यान देता है।
- विशेषज्ञ सेवाएँ: केंद्र में चिकित्सा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दंत विशेषज्ञ, आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सक जैसे विशेषज्ञ हैं जो अपनी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए नियमित रूप से आते हैं।
- निदान सुविधाएँ: निदान परीक्षणों के लिए नमूना संग्रह सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो त्वरित और सटीक स्वास्थ्य आकलन सुनिश्चित करती हैं। कुछ इन-हाउस निदान सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।
- पहुँच: स्वास्थ्य केंद्र सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए सुलभ है, जो विश्वविद्यालय परिसर के भीतर सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवा सहायता प्रदान करता है।

**विशेषज्ञ चिकित्सक सेवा एवं परामर्श सुविधाः**

स्वास्थ्य केंद्र में योग्य डॉक्टरों की एक टीम परामर्श के लिए विशिष्ट घंटों के दौरान उपलब्ध रहती है:

| क्र.सं. | डॉक्टर का नाम | मिलने का समय |
|---|---|---|
| 1. | डॉ. के.एल. ठाकुर (आंतरिक चिकित्सा) | दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक (सोमवार से शनिवार) |
| 2. | डॉ. मोनिका शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ) | दोपहर 2:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक (मंगलवार और शुक्रवार) |
| 3. | डॉ. नवनीश मनोचा (दंत रोग विशेषज्ञ) | सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक (मंगलवार और गुरुवार) |
| 4. | डॉ. स्वाति त्यागी (आयुर्वेद विशेषज्ञ) | सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक (बुधवार और शुक्रवार) |
| 5. | डॉ. वनिता कुमार (होम्योपैथी विशेषज्ञ) | सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक (सोमवार और गुरुवार) |

स्वास्थ्य केंद्र तक विश्वविद्यालय के सभी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी पहुँच सकते हैं। सुविधाओं के सबसे प्रभावी उपयोग के लिए, स्वास्थ्य केंद्र सेवाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और विश्वविद्यालय समुदाय की उभरती हुई स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्हें अद्यतन किया जाता है।

# प्रकोष्ठ एवं ईकाई

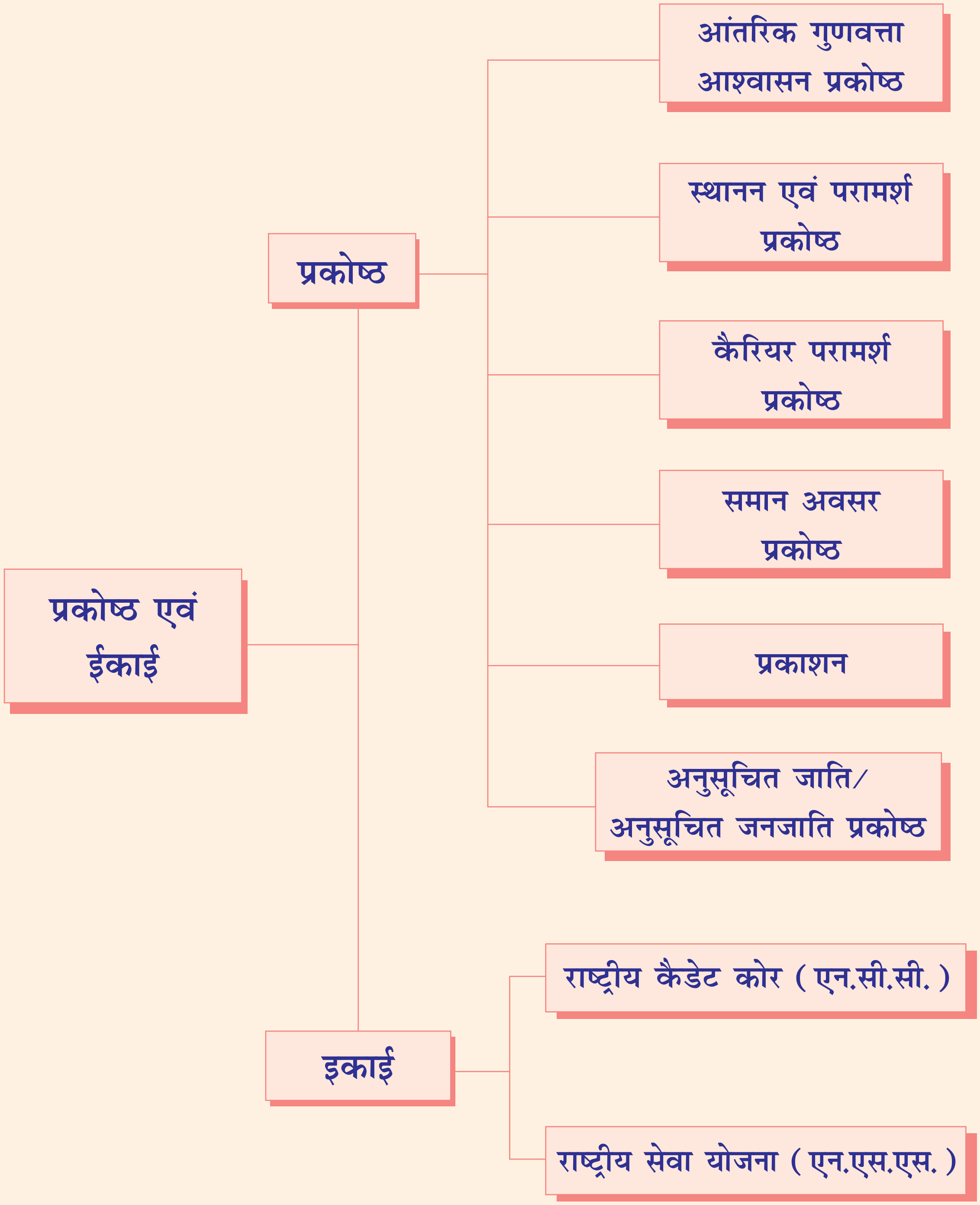
प्रकोष्ठ एवं ईकाई
प्रकोष्ठ
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ
कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ
समान अवसर प्रकोष्ठ
प्रकाशन
अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ
इकाई
राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)
राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

# प्रकोष्ठ एवं ईकाई

## आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ( आई.क्यू.ए.सी. )

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना उत्कृष्टता की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों और उपायों को प्रसारित करने और व्यवस्थित करने के लक्ष्य के साथ की गई थी, साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार के लिए सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक क्रमादेशित कार्रवाई के लिए एक गुणवत्ता प्रणाली विकसित करने के लक्ष्य के साथ की गई थी। आईक्यूएसी कुलपति के निर्देशन में काम करता है और गुणवत्ता संस्कृति के अंतरराष्ट्रीयकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं के संस्थागतकरण के माध्यम से गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में संस्थागत कार्यों के उपायों को बढ़ावा देने हेतु भविष्य की कार्रवाई की सलाह देता है। **प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी ( वास्तुशास्त्र ), आईक्यूएसी के निदेशक हैं।**

अवधि के दौरान आयोजित बैठक:-

आई.क्यू.ए.सी. बैठक - 04.10.2023 तथा 04.01.2024

## स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ

कैंपस प्लेसमेंट सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के कैलेंडर में बहुप्रतीक्षित घटनाओं में से एक है। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ और परामर्श प्रकोष्ठ हमारे छात्रों के लिए एसएलबीएसएनएसयू की कैरियर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। एसपीओ का फोकस छात्रों को टूल और विभिन्न अन्य सॉफ्ट स्किल्स पर कौशल के सेट के साथ पूरकता प्रदान करने में सहायता देने पर है जिससे उन्हें नौकरी खोजने में मदद मिलेगी। प्रकोष्ठ को आवश्यक दिशानिर्देश तैयार करने और विश्वविद्यालय के छात्रों के प्लेसमेंट के तौर-तरीकों पर निर्णय लेने की आवश्यकता होगी। आवश्यकता होने पर प्रकोष्ठ किसी भी विशेषज्ञ सदस्य को शामिल कर सकता है। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ को उचित रिकॉर्ड बनाए रखना होगा और एक प्रेजेंटेशन देना होगा। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ कार्यशालाओं का आयोजन करता है और उद्योग और शिक्षा जगत दोनों के विशेषज्ञों से बातचीत आमंत्रित की जाती है। एसपीओ का संचालन कर्मचारियों और छात्रों की एक टीम द्वारा किया जाता है जो प्लेसमेंट संबंधी गतिविधियों के समन्वय का ख्याल रखते हैं। **प्रो. के भारत भूषण सेल के समन्वयक हैं।**

## आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय के कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत की गई थी। कैरियर परामर्श प्रकोष्ठि विविध आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि वाले विश्व विद्यालय के छात्रों को व्यक्तित्व गुणों और संचार कौशल को बढ़ाकर विभिन्न कैरियर के लिए तैयार करने में सहायता करता है। **प्रो. एम. जयकृष्णन प्रकोष्ठ के समन्वयक हैं।**

## समान अवसर प्रकोष्ठ

भारत विविधता का देश है और विभिन्न जातीय, भाषा संबंधी, क्षेत्रीय, आर्थिक, धार्मिक, वर्ग और जाति समूहों का केंद्र है। इसे प्राप्त करने के लिए और वर्तमान शिक्षा प्रणाली को कर्मचारियों और छात्रों के साथ समान व्यवहार करने और उनकी जाति, उम्र, जेंडर, लैंगिकता या निःशक्तनता पर विचार किए बिना समान अवसर देने के लिए उन्मुख बनाना, ताकि उनके खिलाफ भेदभाव किया जा सकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 2019 में एक समान अवसर प्रकोष्ठर (ईओसी) की स्थापना की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर्मचारी, विशेष रूप से छात्र, अवसरों का लाभ उठाने के लिए निष्पक्ष और समान व्यवहार की उम्मीद कर सकें और गैर-कानूनी भेदभाव, उत्पीड़न और उत्पीड़न से मुक्तव हों। प्रो. के. भारत भूषण प्रकोष्ठ के समन्वयक हैं। प्रो. सुमन कुमार झा प्रकोष्ठ के समन्वयक हैं। **प्रो. नीलम ठगेला प्रकोष्ठ की समन्वयक हैं।**

## प्रकाशन

प्रकाशन इकाई की शुरुआत पुस्तकों के संरक्षण, संपादन और प्रकाशन के साथ-साथ अनुसंधान के लिए नामांकित छात्रों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। इकाई में संस्कृत भाषा की विभिन्न पुरानी पांडुलिपियों का संपादन किया गया है। इकाई द्वारा त्रैमासिक संदर्भित अनुसंधान पत्रिका, 'शोध प्रभा' का संपादन और प्रकाशन किया जाता है जिसमें प्रसिद्ध अध्येरताओं के लेख और शिक्षकों और अनुसंधान अध्येताओं के अनुसंधान पत्र प्रकाशित होते हैं। वार्षिक शोध कार्यशालाओं के आयोजन के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर सेमिनार भी आयोजित किए गए हैं। यू.जी.सी. के अनुसार विनियमों, शोधार्थियों को अनुसंधान की विधि का प्रशिक्षण दिया जाता है तथा शास्त्रों के अध्ययन की विशिष्ट विधियों का ज्ञान भी दिया जाता है।

### अनुसंधान पत्रिका 'शोधप्रभा' का संपादन एवं प्रकाशन

शोध विभाग के प्रोफेसर शिव शंकर मिश्र की अध्यक्षता में सलाहकार समिति और संपादकीय बोर्ड द्वारा विधिवत अनुशंसित और शोध सहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक की सहायता से शोध लेखों को 'शोधप्रभा' में संपादित और प्रकाशित किया गया था।

### संपादन और प्रकाशन

शास्त्रों एवं संस्कृत साहित्य के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार की योजना के अंतर्गत निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित हुईः-

**पत्रिका**

i. हीरकगौरवम् (स्मारिका)

ii. शोध-प्रभा (अक्टूबर, 2022)

iii. विद्यापीठ पंचांग (संवत-2081)

iv. विश्वविद्यालयवार्ता (जनवरी - जून, 2023)

**प्रकाशनों का विक्रयण**

एमओई की पुनर्मुद्रण योजना के तहत विभिन्न पुस्तकों के साथ विश्वाविद्यालय द्वारा शोध प्रभा, सुमंगली, भैषज्यज्योतिषम, पंचांग, वास्तुविमर्श आदि पुस्तकें, पत्रिकाएं प्रकाशित की गई हैं। विश्वाविद्यालय द्वारा इन प्रकाशनों को नाममात्र दरों पर बिक्री भी की जाती है।

प्रकाशन अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अनुसंधान सहायक | 02 |
| 2 | प्रूफ रीडर | 01 |
| 3 | बहुकार्य कर्मचारी | 01 |

## अनुसूचित एवं जनजाति प्रकोष्ठ

नियुक्ति, पदोन्नति, प्रवेश, स्टाफ क्वार्टर और छात्र छात्रावास के आबंटन आदि में भारत सरकार और यूजीसी की आरक्षण नीति का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चिोत करना और विश्वविद्यालय में इसकी निगरानी के लिए, विश्वणविद्यालय में अनु.जाति/अनु. जनजाति सदस्यों के कल्याण के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। **प्रो. नीलम थगेला प्रकोष्ठ के संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य कर रही हैं।** यह रिकॉर्ड करना महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्षों की तुलना में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में अनु. जाति/अनु. जनजाति सदस्यों की संख्या और विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के नामांकन में भी काफी सुधार हुआ है।

प्रकोष्ठ ने वर्ष के दौरान विभिन्न शिक्षण और गैर-शिक्षण संवर्गों के रोस्टर रजिस्टरों को अंतिम रूप दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी किए गए विज्ञापनों की उचित जांच की गई और बैकलॉग रिक्तियों को विज्ञापनों के लिए रिकॉर्ड में रखा गया। अनु.जाति/अनु. जनजाति कर्मचारियों के संबंध में सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार की गई और डेटा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और यूजीसी को प्रस्तुत किया गया।

## पदों में आरक्षण का विवरण ( श्रेणी वार )

### शैक्षणिक कर्मचारी

| स्वीकृत पद | भरे हुए पद | रिक्त पद |
|---|---|---|
| 139 | 109 | 30 |

| शैक्षणिक | पुरुष/महिला | सामान्य | अनु. जाति | अनु.जन जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | दिव्यांग | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आचार्य (प्रत्यक्ष) | पुरुष | 06 | 01 | – | | – | – | 07 |
| | महिला | – | – | – | – | – | – | – |
| आचार्य (सी.ए.एस. के अंतर्गत) | पुरुष | 29 | 02 | – | – | – | – | 31 |
| | महिला | 09 | 01 | – | – | – | – | 10 |
| सह आचार्य (प्रत्यक्ष) | पुरुष | 02 | – | – | – | – | – | 02 |
| | महिला | 00 | – | – | – | – | – | 00 |
| सह-आचार्य (सी.ए.एस. के अंतर्गत) | पुरुष | 06 | 02 | – | – | 01 VH | – | 09 |
| | महिला | 01 | – | – | – | – | – | 01 |
| सहायक आचार्य (प्रत्यक्ष) | पुरुष | 12 | 04 | 02 | 06 | | 03 | 27 |
| | महिला | 04 | – | – | 01 | – | – | 05 |
| सहायक आचार्य (सीएएस 11/12 के अंतर्गत) | पुरुष | 04 | 02 | 01 | 04 | – | – | 11 |
| | महिला | 05 | – | – | 01 | – | – | 06 |
| | **योग** | **78** | **12** | **03** | **12** | **01** | **03** | **109** |

## गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

| स्वीकृत पद | भरे हुए पद | रिक्त पद |
|---|---|---|
| 136 | 110 | 26 |

| गैरशैक्षणिक | पुरुष/महिला | सामान्य | अनु. जाति | अनु.जन जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | दिव्यांग | अल्प-संख्यक | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 'अ' वर्ग | पुरुष | 06 | 02 | - | 02 | - | - | 10 |
| | महिला | 02 | 01 | - | - | - | - | 03 |
| 'बी' वर्ग | पुरुष | 08 | 03 | 01 | 05 | 01(ओ.एच.) | - | 18 |
| | महिला | 06 | 03 | - | 01 | - | - | 10 |
| 'स' वर्ग (बहुकार्य कर्मचारी वर्ग सहित) | पुरुष | 33 | 10 | 02 | 15 | 01 (एच.एच.) | - | 61 |
| | महिला | 06 | - | - | 02 | - | - | 08 |
| **कुल** | - | **61** | **19** | **03** | **25** | **02** | - | **110** |

# विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बैकलॉग रिक्त पदों का विवरण (31.03.2024 तक)

## शैक्षणिक

| क्र.सं. | पद नाम | बैकलॉग अनुसूचित जाति शैक्षणिक पदों की संख्या | | | बैकलॉग अनुसूचित जनजाति शैक्षणिक पदों की संख्या | | | बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग शैक्षणिक पदों की संख्या | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अभिज्ञात | पूरित | अपूरित | अभिज्ञात | पूरित | अपूरित | अभिज्ञात | पूरित | अपूरित |
| 1. | आचार्य | 0 | 0 | 0 | 01 | 0 | 01 | 0 | 0 | 0 |
| 2. | सह–आचार्य | 03 | 0 | 03 | 01 | 0 | 01 | 05 | 0 | 05 |
| 3. | सहायक आचार्य | 08 | 04 | 04 | 03 | 01 | 02 | 04 | 01 | 03 |
| | **योग** | **11** | **04** | **07** | **05** | **01** | **04** | **09** | **01** | **08** |

## गैर शैक्षणिक

| क्र.सं. | पद नाम | बैकलॉग अनुसूचित जाति गैर शैक्षणिक पदों की संख्या | | | बैकलॉग अनुसूचित जनजाति गैर शैक्षणिक पदों की संख्या | | | बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग गैर शैक्षणिक पदों की संख्या | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अभिज्ञात | पूरित | अपूरित | अभिज्ञात | पूरित | अपूरित | अभिज्ञात | पूरित | अपूरित |
| 1. | अ वर्ग | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. | ब वर्ग | 0 | 0 | 0 | 01 | 0 | 01 | 0 | 0 | 0 |
| 3. | स वर्ग (पूर्ववर्ती ग्रुप डी कैडर सहित) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 02 | 0 | 02 |
| | **योग** | **0** | **0** | **0** | **01** | **0** | **01** | **02** | **0** | **02** |

विश्वविद्यालय द्वारा कोई विशेष भर्ती अभियान आयोजित नहीं किया गया है। जबकि, विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर रिक्तियों के बैकलॉग को भरने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए गए हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा रिक्त शैक्षणिक एवं गैर-शिक्षण पदों के संबंध में नए सिरे से विज्ञापन की प्रक्रिया शुरू की गयी है। हाल ही में, विज्ञापन संख्या 02/2022, 04/2022 और 2/2023 के माध्यम से विश्विविद्यालय द्वारा आरक्षित पदों को फिर से विज्ञापित किया गया है। जहां तक गैर-शिक्षण पदों का संबंध है, रिक्ति गैर-शिक्षण पदों को भरने के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करने के लिए मामला राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के साथ उठाया गया है और उनके उत्तर की अभी भी प्रतीक्षा है। उम्मीद है कि गैर-शिक्षण पदों के साथ-साथ रिक्त शैक्षणिक पदों को जल्द से जल्द भरा जाएगा। विज्ञापन संख्या 02/2022, 04/2022 और 2/2023 के अनुसार पद नहीं भरे जाने की स्थिति में विशेष भर्ती अभियान भी शुरू किया जाएगा।

## एन.सी.सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर) वार्षिक रिपोर्ट 2023-24

### क. एन.सी.सी. के विषय में-

एनसीसी कैडेटों की भागीदारी एनसीसी कैडेटों ने विभिन्न विश्वविद्यालय-व्यापी गतिविधियों जैसे स्थापना दिवस, व्याख्यान श्रृंखला, रक्तदान शिविर आदि में भाग लिया। एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी निदेशालय के स्वच्छ भारत अभियान, एकता दिवस, प्री-रिपब्लिक डे कैंप, गणतंत्र दिवस कैंप, सीएम रैली, पीएम रैली, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम और अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। **लेफ्टिनेंट डॉ. मिनाक्षी मिश्रा गर्ल्स विंग के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर हैं, और लेफ्टिनेंट डॉ. अभिषेक तिवारी बॉयज विंग के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर हैं, जो विश्वविद्यालय में एनसीसी गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण और समन्वय के लिए जिम्मेदार हैं।**

### ख. इस अवधि के दौरान एनसीसी कैडेटों की भागीदारी:-

- जेयूओ अभिषेक चंद्र झा ने 17 जून से 26 जून 2023 तक नेहरू पर्वतारोहण संस्थान, उत्तरकाशी में एडवेंचर कोर्स कैंप पूरा किया।
- एसयूओ वरुण और कैडेट सौरभ डोंडियाल ने 1 दिल्ली नौसेना इकाई द्वारा आयोजित 26 जून से 03 जुलाई 2023 तक स्कूबा डाइविंग कैंप में भाग लिया।
- 07 सीडीटीएस ने 7 दिल्ली बटालियन द्वारा 15 जुलाई से 24 जुलाई 2023 तक सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली में आयोजित सीएटीसी कैंप में भाग लिया।
- जेयूओ शिवम तिवारी और कैडेट अभिषेक पोखरियाल ने 01 अगस्त से 15 अगस्त 2023 तक छत्रसाल स्टेडियम, नई दिल्ली में मुख्यमंत्री रैली में भाग लिया।
- एसयूओ वरुण ने श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को विशेष गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जहां माननीय कुलपति द्वारा स्वतंत्रता दिवस, 2023 पर चयनित सीडीटीएस को

रैंक प्रदान की गई।

- 15 कैडेट्स ने लेफ्टिनेंट (डॉ.) अभिषेक तिवारी (एएनओ) के मार्गदर्शन में 05 सितंबर 2023 को कुतुब मीनार में जी20 प्रेसीडेंसी पर समूह चर्चा और जागरूकता अभियान का आयोजन किया।
- एनसीसी कैडेट्स ने श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, कटवारिया सराय (02 अक्टूबर 2023) में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।
- 08 कैडेट्स ने 20 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2023 तक श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश में अखिल भारतीय उत्तर प्रदेश ट्रैकिंग (भारत-नेपाल अभियान) शिविर पूरा किया, जिसमें एसयूओ वरुण दिल्ली निदेशालय के वरिष्ठ थे। इस शिविर में हमारे कैडेटों का प्रदर्शन निम्नानुसार रहा: (i) जेयूओ शिवम तिवारी ने भाषण और निबंध लेखन प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। (ii) सीएचएम निकुंज त्रिपाठी और कैडेट सौरभ डोंडियाल ने समूह गान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। (iii) अंतर निदेशालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में टीम दिल्ली ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- एसयूओ वरुण ने 19 नवंबर से 30 नवंबर 2023 तक आगरा, उत्तर प्रदेश में एडवांस लीडरशिप कैंप पूरा किया।
- एसयूओ वरुण ने विश्वविद्यालय के कैडेट्स के साथ माननीय शिक्षा मंत्री तथा कौशल विकास तथा कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी और माननीय कुलपति महोदय को दीक्षांत समारोह के दौरान 05 दिसंबर, 2023 को विशेष गार्ड ऑफ ऑनर दिया।
- 03 कैडेट्स ने 01 दिसंबर से 12 दिसंबर 2023 तक 19 बिहार रेजिमेंट द्वारा शंकर विहार, नई दिल्ली में आयोजित आर्मी अटैचमेंट कैंप में भाग लिया।
- विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने 26 जनवरी 2024 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति महोदय को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिसमें कैडेट्स को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्राप्त हुए।
- 16 कैडेट्स क्रमश: 16 फरवरी और 03 मार्च 2024 को श्सीश सर्टिफिकेट प्रैक्टिकल और लिखित परीक्षा में उपस्थित हुए।

# एन.एस.एस ( राष्ट्रीय सेवा योजना ) वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

## क. एन.एस.एस.के विषय में-

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती है जिसमें इसके स्वयंसेवक भाग लेते हैं और तत्काल समुदाय की सेवा करते हैं। इसके द्वारा विविध रक्तदान शिविरों के साथ-साथ कई अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके द्वारा आपदाओं के दौरान राहत कार्यों भी किया जाता है और विशेष शिविरों का आयोजन करता है। **विश्वविद्यालय में एन.एस.एस. की गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं समन्वयार्थ डॉ. सौरभ दूबे सहयोगी एन.एस.एस. इकाई के अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।**

## ख. इस अवधि के दौरान एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की भागीदारी:-

- एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 5 जून, 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण में 30 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 22 - 24 अगस्त, 2023 तक आयोजित **मेरी माटी मेरा देश** में 70 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 23 अगस्त, 2023 को आयोजित **तिरंगा यात्रा** में 75 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 30 अगस्त, 2023 को आयोजित **स्वच्छता पखवाड़ा** में 40 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 12 अक्टूबर, 2023 को एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित **अमृत कलश यात्रा ( मेरी माटी मेरा देश )** में 100 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 26 नवंबर, 2023 को एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित **संविधान दिवस** में 50 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 10 दिसंबर, 2023 को एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित **अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस** में 25 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- 06 मार्च, 2023 को एनएसएस इकाई, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित **मेरा पहला वोट देश के लिए** में 40 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

# प्रशासनिक अनुभागों, विश्वविद्यालय निर्माण विभाग तथा RTI अधिकारियों से संबंधित विवरण

**प्रशासनिक अनुभागों, विश्वविद्यालय निर्माण विभाग तथा RTI अधिकारियों से संबंधित विवरण**

- लेखा
- शैक्षणिक
- प्रशासन
- विकास
- परीक्षा
- विश्वविद्यालय निर्माण विभाग
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत अपीलीय प्राधिकारी, सीएपीआईओ और सीपीआईओ

# प्रशासनिक अनुभागों एवं विश्वविद्यालय निर्माण विभाग से संबंधित विवरण

## लेखा

लेखा विभाग वित्त अधिकारी के अधीन कार्य करता है। इसमें उप कुल सचिव, सहायक कुल सचिव, अनुभाग अधिकारी, सहायक, यूडीसी/कैशियर और एलडीसी शामिल हैं। विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान मिलता है। लेखा विभाग विश्वविद्यालय के दैनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विश्वविद्यालय का लेखा विभाग बहुत प्रगतिशील है और पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है।

लेखा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | वित्त अधिकारी | 01 |
| 2. | उप कुलसचिव | 01 |
| 3. | सहायक कुलसचिव | 01 |
| 4. | अनुभाग अधिकारी | 01 |
| 5. | सहायक | 03 |
| 6. | वरिष्ठ लिपिक | 01 |
| 7. | कनिष्ठ लिपिक | 02 |
| 8. | बहुकार्य कर्मचारी | 01 |
| | **कुल** | **11** |

## शैक्षणिक

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुभाग का उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाना और विश्वपविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों और अन्य संबंधित विषयों में छात्र नामांकन की सुविधा प्रदान करना था। यह अनुभाग अध्ययन के कई क्षेत्रों में छात्र परामर्श के साथ संकायों की सहायता करने में सक्षम है। शैक्षणिक अनुभाग विभिन्न पाठ्यक्रमों, कक्षाओं और विषयों में छात्र नामांकन पर जानकारी और डेटा प्रदान करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों को परामर्श प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। यह अनुभाग छात्रों की उपस्थिति पर नजर रखने और इसकी एक विस्तृत सूची रखने के संदर्भ में है।

शैक्षणिक अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | सहायक कुलसचिव | 01 |
| 2. | अनुभाग अधिकारी (प्र) | 01 |
| 3. | सहायक | 01 |
| 4. | वरिष्ठ लिपिक | 02 |
| 5. | बहुकार्य कर्मचारी | 02 |
| | **कुल** | **07** |

## प्रशासन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से प्रवेश

अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की गई थी।

# प्रशासन

प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को तीन अनुभागों (प्रशासन I, II और GAD) में वर्गीकृत किया गया है। प्रत्येक अनुभाग का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है: -

## प्रशासन I (शैक्षणिक)

प्रशासन अनुभाग (शैक्षणिक) विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण अनुभाग है, जो कुल सचिव के निर्देशन में कर्तव्यों का पालन करता है। यह अनुभाग मुख्य रूप से विश्विविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों और विनियमों के साथ-साथ केंद्रीय संस्कृत विश्वगविद्यालय अधिनियम, 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षकों की भर्ती से संबंधित गतिविधियों का प्रभारी है।

**प्रशासन -I अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-**

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | सहायक कुलसचिव | 01 |
| 2. | अनुभाग अधिकारी | 01 |
| 3. | सहायक | 01 |
| 4. | वरिष्ठ लिपिक | 01 |
| 5. | कनिष्ठ लिपिक | 01 |
| 6. | बहुकार्य कर्मचारी | 01 |
| | **कुल** | **06** |

**गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए अनुभाग द्वारा निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया**

| क्र.सं. | दिनांक | विषय | प्रतिभागी |
|---|---|---|---|
| 1. | 14.09.2023 | हिंदी भाषा की विकास यात्रा में विज्ञापन की भूमिका | 48 |
| 2. | 03.10.2023 | प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग सुगम एवं सरल है | 25 |
| 3. | 20.12.2023 | कार्यालय कामकाज में हिन्दी की बढती प्रगति | 29 |

## प्रशासन-II (गैर-शैक्षणिक)

प्रशासन अनुभाग-II विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो कुल सचिव और कुलपति को रिपोर्ट करता है। यह अनुभाग पेंशनभोगियों सहित विश्वविद्यालय में सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी सेवा संबंधी सरोकारों का प्रभारी है। इन मुद्दों पर, संस्कृत विश्वयविद्यालय अधिनियम, 2020 और विश्वविद्यालय के कानून, नियम और यूजीसी और भारत सरकार की समय-समय पर जारी/अपनाई गई विनियम/नीतियों का पालन किया जाता है। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 136 गैर-शिक्षण पद स्वीकृत हैं, जिनके प्रति 111 कर्मचारी कार्यरत हैं।

**प्रशासन-II अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-**

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | सहायक कुलसचिव | 01 |
| 2. | अनुभाग अधिकारी | 01 |
| 3. | सहायक | 01 |
| 4. | कनिष्ठ लिपिक | 01 |
| | **कुल** | **04** |

## प्रशासन सामान्य

सामान्य प्रशासन अनुभाग, अपने कर्तव्यों के आधार पर, पूरे विश्वविद्यालय को प्रशासनिक और तार्किक सहायता प्रदान करता है। विभाग कुल सचिव की देखरेख और मार्गदर्शन में काम करता है। यह सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है और उन्हें तदनुसार संबंधित कार्यालयों के सुचारू कार्यों की सुविधा प्रदान करता है।

जीएडी सुरक्षा सेवाओं, स्टोर और खरीद, भारत सरकार के विभिन्न सामुदायिक प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और उत्सव, कानूनी मामलों, आवास आबंटन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि जैसे मामलों के लिए विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीएडी अनुभाग का नेतृत्व एक सहायक कुल सचिव (जीएडी) करते हैं जो अनुभाग को आबंटित कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की देखरेख करते हैं। सामान्य प्रशासन अनुभाग विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण समुदायों के लिए एक समग्र सेवा सुविधा और समन्वय इकाई के रूप में भी कार्य करता है।

**प्रशासन-सामान्य अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-**

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | सहायक कुलसचिव | 01 |
| 2. | अनुभाग अधिकारी | 01 |
| 3. | वरिष्ठ लिपिक | 01 |
| 4. | बहुकार्य कर्मचारी | 01 |
| | **कुल** | **04** |

## विकास

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विकास अनुभाग की स्थापना विश्वविद्यालय के सभी प्रस्तावों, कार्यक्रमों और पहलों के आयोजन करने के उद्देश्य से की गई थी। विकास अनुभाग को समग्र विकास के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक कार्यनीतिक और परिचालन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन का काम सौंपा गया है, जिससे विश्वविद्यालय के दूर के दृष्टिकोण को परिभाषित किया जा सके। यह अनुभाग विभिन्न निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी सहायता करता है ताकि अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक क्षेत्रों में भी उपलब्धि हासिल की जा सके और उन्हें मजबूत किया जा सके। इस अनुभाग को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सचिवालय को संभालने, यूजीसी विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) को लागू करने और निगरानी करने, विभिन्न स्व-वित्त पाठ्यक्रमों में निधि का प्रबंधन, विश्वविद्यालय, सेमिनार का आयोजन/ संगोष्ठी/ सम्मेलन और अन्य प्रमुख कार्यक्रम की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने जैसी विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई

हैं। विकास अनुभाग कर्मचारियों और छात्रों को चिकित्सा सुविधाएं, कैंटीन सुविधाएं, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), अन्य एजेंसियों और संस्थानों को विश्वविद्यालय ग्राउंड स्पेस, सेमिनार हॉल और व्याख्यान कक्ष के आबंटन के लिए स्वास्थ्य देखभाल इकाई (एचसीयू) के कार्यों की भी देखभाल करता है। विकास अनुभाग कुल सचिव की देखरेख और मार्गदर्शन में काम करता है। विकास अनुभाग का नेतृत्व उप कुल सचिव (लेखा एवं विकास) करता है जो अनुभाग को आबंटित कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की देखरेख करता है।

**विकास अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-**

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | उप कुलसचिव | 01 |
| 2. | सहायक कुलसचिव | 01 |
| 3. | निजि सचिव | 01 |
| | **कुल** | **03** |

## परीक्षा

परीक्षा विभाग द्वारा सेमेस्टर प्रणाली के माध्यम से नियमित कक्षाओं और अंशकालिक पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। जिसमें परीक्षा आवेदन पत्र जमा करने से लेकर परीक्षा परिणाम घोषित करने, मार्कशीट, अस्थाई प्रमाण-पत्र, निष्क्रमण प्रमाण-पत्र वितरण आदि का कार्य भी परीक्षा विभाग द्वारा किया जाता है। दीक्षांत समारोह में छात्रों को उपाधि प्रमाण-पत्र वितरण करने से सम्बन्धित समस्त कार्य परीक्षा विभाग द्वारा किया जाता है।

**परीक्षा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-**

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | परीक्षा नियंत्रक | 01 |
| 2. | उपकुलसचिव | 01 |
| 3. | अनुभाग अधिकारी | 01 |
| 4. | सहायक | 01 |
| 5. | वरिष्ठ लिपिक | 01 |
| 6. | कनिष्ठ लिपिक | 02 |
| 7. | बहुकार्य कर्मचारी | 04 |
| | **कुल** | **11** |

# विश्वविद्यालय निर्माण विभाग (वि.नि.वि.)

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग (वि.नि.वि.) विश्वविद्यालय परिसर की निम्नलिखित भूमि और भवन के रखरखाव एवं निर्माण का कार्य करता है।

विश्वविद्यालय परिसर, दक्षिणी दिल्ली में शहीद जीत सिंह मार्ग बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र में स्थित है। परिसर में कुल पचास आवासीय मकान, कुलपति आवास, एक गेस्ट हाउस, एक लड़कों का छात्रावास तथा चार शैक्षणिक भवन हैं। सभी इमारतें सड़कों से अच्छी तरह जुड़ी हुई हैं। परिसर को हरा भरा एवं सुंदर बनाने के लिए कई छोटे पार्क और उद्यान, जैसे विश्रांति वाटिका और स्वर्ण जयंती पार्क हैं। परिसर में रात्रि में बच्चों एवं कर्मचारियों को खेलने के लिए एवं टहलने के लिए बाहरी प्रकाश को पूरी तरह व्यवस्थित किया गया है। कैम्पस में एक जन्तर मन्तर है जहां कई यन्त्र बने हुए हैं, यहां छात्रों को दिन और रात्रि में सभी राशियों के बारे में समय के साथ- साथ विश्वविद्यालय के आचार्यों द्वारा शोध कराया जाता है। बाहर से भी कई बार इस जन्तर मन्तर को देखने लोग आते हैं।

**विश्वविद्यालय में चार (4) शैक्षणिक भवन हैं:-**

1. **शैक्षिक सदनः-** यह सबसे पुरानी दो मंजिला इमारत है। शैक्षणिक, अनुसंधान और पुस्तकालय विभाग इस भवन में स्थित हैं। इस भवन में दर्शन पीठ, साहित्य एवं संस्कृति-पीठ तथा आधुनिक पीठ के छात्रों का पठन पाठन एवं शोध का कार्य किया जाता है।
2. **सारस्वत साधना सदनः-** यह 5 मंजिला (बी+जी+3) संरचना। इस भवन में कुलपति सचिवालय, कंप्यूटर प्रयोगशाला सहित कंप्यूटर केंद्र, परीक्षा विभाग, शोध विभाग हैं। विश्वविद्यालय के सभी बड़े उच्च कोटी के व्याख्यानमाला, समितियों की बैठक तथा ट्रेनिंग आदि इस भवन में स्थित सम्मेलन कक्षों और समिति कक्षों में की जाती है।
3. **वृहस्पति भवनः-** यह दो मंजिला संरचना है। इस भवन में वेद और पौरोहित्य विभाग के छात्रों को पठन पाठन एवं शोध का कार्य किया जाता है। इस भवन में एक कर्मकांड प्रयोगशाला भी है। छात्रों को यज्ञ आदि सीखने के लिए ईस्ट-याज्ञ प्रयोगशाला बनायी गई है।
4. **स्वर्ण जयंती सदनः-** यह 5 मंजिला (बी+जी+3) भवन है। इस भवन के भूतल पर प्रशासनिक विभाग जैसे वित्त, शैक्षणिक, विकास, सांख्यिकीय प्रकोशठ, सेंट्रल स्टोर तथा कुलसचिव कार्यालय एवं वित्ताधिकारी कार्यालय तथा प्रथम, द्वितिय एवं तृतीय तल पर ज्योतिष विभाग, वास्तुशास्त्र विभाग, व्याकरण विभाग, धर्मशास्त्र विभाग, शिक्षा संकाय पीठ, और अन्य विभागों के छात्रों को पठन पाठन एवं शोध का कार्य कराया जाता है।

**विश्वविद्यालय निर्माण विभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-**

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | अधिशासी अभियंता | 01 |
| 2. | सहायक अभियंता | 01 |
| 3. | कनिष्ठ अभियंता | 02 |
| 4. | वरिष्ठ लिपिक | 01 |
| 5. | इलेक्ट्रिशियन | 01 |
| 6. | कनिष्ठ लिपिक | 02 |
| 7. | पंप प्रचालक | 01 |
| 8. | बहुकार्य कर्मचारी | 05 |
| | **कुल** | **14** |

# केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत)

जन सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में नियुक्त किया गया है।

| क्र.सं. | नाम और पदनाम एवं सम्पर्क सूत्र | पद नाम | सूचना क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव,<br>वित्त अधिकारी<br>और कुलसचिव (I/C)<br>011-46060567<br>fo@slbsrsv.ac.in | अपीलीय अधिकारी | कोई भी व्यक्ति जो सीपीआईओ/सीएपीआईओ से निर्दिष्ट समय के भीतर सूचना/उत्तर/निर्णय प्राप्त नहीं करता है और पीड़ित है, आरटीआई अधिनियम, 2005 के अनुसार अपीलीय प्राधिकारी को अपील कर सकता है। |
| 2. | श्री अजय कुमार टंडन,<br>उप कुलसचिव (लेखा एवं विकास)<br>011-46060521<br>tandon@slbsrsv.ac.in | पारदर्शिता अधिकारी | सूचनाओं को वेबसाइट पर प्रकाशित (अपलोड) करने के संबंध में पारदर्शिता। |
| 3. | श्री बनवारी लाल वर्मा<br>सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर<br>011-46060616<br>bl.verma@slbsrsv.ac.in | नोडल अधिकारी और केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी | सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत दिए गये नोडल अधिकारी और केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी के कर्तव्य और जिम्मेदारियां। |
| 4. | प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा,<br>पीठ प्रमुख, वेद वेदांग पीठ<br>011-46060643<br>jaikant@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | वेद वेदांग पीठ से संबंधित सूचना। |
| 5. | प्रो. ए.एस. आरावमुदन,<br>पीठ प्रमुख, दर्शनशास्त्र<br>011-46060527<br>jaikant@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | दर्शन पीठ से संबंधित सूचना। |
| 6. | प्रो. सदन सिंह,<br>पीठ प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष<br>शिक्षाशास्त्र पीठ (शिक्षा)<br>011-46060636<br>sadan@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | शिक्षा संकाय से संबंधित सूचना। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ला, पीठ प्रमुख, साहित्य एवं संस्कृति पीठ<br>011-46060518<br>shitla@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | साहित्य और संस्कृति संकाय से संबंधित सूचना। |
| 8. | प्रो. मीनू कश्यप<br>पीठ प्रमुखा, आधुनिक विषय पीठ<br>011-46060527<br>minu@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | आधुनिक विषया पीठ तथा महिला अध्ययन केंद्र से संबंधित सूचना। |
| 9. | प्रो. शिव शंकर मिश्र<br>छात्र कल्याण पीठ प्रमुख<br>सम्पर्क अधिकारी एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ<br>011-46060621<br>shankar@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | छात्र कल्याण से संबंधित सूचना। |
| 10. | प्रो. वीर सागर जैन<br>विभागाध्यक्ष, योग विभाग<br>011-46060641<br>veersagar@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | योग विभाग से संबंधित सूचना |
| 11. | प्रो देवी प्रसाद त्रिपाठी<br>निदेशक-आई.क्यू.ए.सी. सेल<br>011-46060651<br>devi@slbsrsv.ac.in | नोडल अधिकारी तथा केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | आई.क्यू.ए.सी., एंटी रैगिंग सेल और कुलानुशासक से संबंधित सूचना। |
| 12. | प्रो. के. भरत भूषण, आचार्य एवं नोडल अधिकारी, स्थानन प्रकोष्ठ<br>bharat@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | स्थानन प्रकोष्ठ से संबंधित सूचना। |
| 13. | प्रो. दिवाकार दत्त शर्मा<br>मुख्य सतर्कता अधिकारी<br>011-46060668<br>diwakardutt@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | सतर्कता मामलों से संबंधित सूचना। |
| 14. | प्रो. शिव शंकर मिश्र,<br>विभागाध्यक्ष, शोध विभाग<br>011-46060609<br>shankar@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | शोध एवं प्रकाशन विभाग से संबंधित सूचना। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 15. | प्रो. जगदेव कुमार शर्मा<br>प्रमुख (हिंदी राजभाषा समिति)<br>011-46060525<br>jagdev@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | हिंदी राजभाषा से सम्बंधित सूचना। |
| 16. | प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज<br>आचार्य और निदेशक<br>011-46060637<br>amita@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी। | PMMMNMTT (TLC) परियोजना से संबंधित सूचना। |
| 17. | प्रो. सुमन कुमार झा, आचार्य एवं नोडल अधिकारी, आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ, 011-46060546<br>suman@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी। | आजीविका परामर्श से संबंधित सूचना। |
| 18. | डॉ. सुन्दर नारायण झा<br>सह-प्रोफेसर एवं छात्रावास वार्डन (छात्रा वर्ग) 011-46060353<br>sunder@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | विद्यापीठ के छात्रा छात्रावास एवं एन.सी.सी. (छात्रा वर्ग) से संबंधित सूचना |
| 19. | डॉ. मनोज कुमार मीणा,<br>सहायक आचार्य-शारीरिक शिक्षा<br>011-46060528<br>manoj@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा/खेल गतिविधियों/व्यायामशाला से संबंधित सूचना |
| 20. | डॉ. अभिषेक तिवारी<br>सहायक आचार्य एवं प्रमुख<br>एनसीसी (छात्र) 011-46060608<br>abhishek@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | एन.सी.सी. (छात्र वर्ग) से संबंधित जानकारी। |
| 21. | डॉ. सुरेन्द्र महतो,<br>सहायक आचार्य (शिक्षाशास्त्र) एवं सम्पर्क अधिकारी (ओ.बी.सी.)<br>mahto@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | सम्पर्क अधिकारी (ओ.बी.सी.) से संबंधित जानकारी। |
| 22. | डॉ. मीनाक्षी मिश्र<br>सहायक आचार्य एवं प्रमुख.<br>एन.सी.सी. (छात्रा)<br>011-46060552<br>meenakshi_dharm@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | एन.सी.सी. (छात्रा वर्ग) से संबंधित जानकारी। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 23. | डॉ. कांता,<br>उप-कुलसचिव (परीक्षा)<br>011-46060323<br>kanta@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | परीक्षा विभाग से संबंधित सूचना। |
| 24. | श्री रमाकांत उपाध्याय<br>कार्याकारी अभियंता (सिविल)<br>011-46060323<br>ramakant@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | विश्वविद्यालय निर्माण से संबंधित सूचना। |
| 25. | डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय,<br>सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष<br>011-46060532<br>rajeshpandey@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | पुस्तकालय से संबंधित सूचना। |
| 26. | श्रीमती सुषमा डेमला,<br>सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)<br>011-46060559 | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | लेखा एवं वित्त अनुभाग से संबधित सूचना |
| 27. | श्रीमती सुच्चा सिंह,<br>सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)<br>011-46060548<br>sucha@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | शैक्षणिक अनुभाग, छात्रों से संबधित मामले और एससी/एसटी/ओबीसी/पीएच आदि से संबधित सूचना। |
| 28. | श्री मंजीत सिंह<br>सहायक कुलसचिव<br>(गैर-शिक्षण एवं सामान्य प्रशासन/ अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ) 011-46060556<br>manjit@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | गैर-शैक्षणिक विभाग, कार्यकारी परिषद और जन सूचना अधिकार मामलों से संबंधित सूचना, मंत्रालय/यूजीसी के संसदीय प्रश्नों, कोर्ट केस और चयन, सामान्य प्रशासन स्टोर, GeM द्वारा क्रय, सुरक्षा व्यवस्था और जनसूचना अधिकार, चिकित्सा बिल भुगतान से संबंधित सूचना, विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन से सम्बंधित कार्य, आवासीय परिसर में आबंटन से सम्बंधित कार्य आदि। |
| 29. | श्रीमती भारती त्रिपाठी<br>सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)<br>011-46060501<br>bharti@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | शैक्षणिक विभाग एवं जनसूचना अधिकार से संबंधित सूचना, CAS/ चयन के तहत पदोन्नति, कोर्ट केस, हिन्दी राजभाषा, गेस्ट हाउस आदि से संबधित जानकारी। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 30. | श्री राजेश कुमार<br>सहायक कुलसचिव<br>(विकास) 011-46060682<br>rajesh@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | विकास अनुभाग, NAAC, वार्षिक प्रतिवेदन एवं स्वास्थ्य केन्द्र से संबंधित सूचना। |
| 31. | श्री बिपिन कुमार त्रिपाठी<br>शोध-सह-सांख्यिकी अधिकारी (अनुसूचित जाति/जनजाति) एवं विशेष कार्याधिकारी (कुलपति)<br>011-46060604<br>bipin@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ एवं Affiliation Cell से संबंधित सूचना। |
| 32. | श्री प्रमोद चतुर्वेदी<br>निजी सचिव (कुलपति)<br>011-46060605<br>pramod@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | कुलपति कार्यालय से सम्बन्धित सूचना। |
| 33. | श्री ज्ञान चंद शर्मा<br>सहायक प्रोग्रामर (कंप्यूटर)<br>011-46060645<br>gyan@slbsrsv.ac.in | केंद्रीय जन सूचना अधिकारी | संगणक केन्द्र से संबंधित सूचना। |

## जनसूचना अधिकार वार्षिक रिटर्न सूचना प्रणाली

सी.आई.सी. की अनिवार्य आवश्यकता के अनुसार विवरण शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है।

# मूल संरचना एवं सुविधाएं

## केन्द्रीय पुस्तकालय

### क. पुस्तकालय के बारे में

केन्द्रीय-ग्रंथालय श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्थापना काल से ही सह-अस्तित्व में है तथा विश्वविद्यालय के समस्त हितधारकों को आवश्यक सूचना और ज्ञान संसाधनों तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने और संरक्षित करने के उद्देश्य से सतत रूप से कार्य कर रहा है। महामहोपाध्याय पद्म श्री डॉ. मंडन मिश्र केंद्रीय-ग्रंथालय के रूप में विख्यात इस ग्रंथालय में वेद, पुराण, उपनिषद, धर्मशास्त्र, योग, ज्योतिष, व्याकरण, वास्तुशास्त्र, साहित्य, दर्शन, पौरोहित्य, आयुर्वेद आदि सहित प्रमुख संस्कृत ग्रंथों का एक व्यापक संग्रह है। इसके अतिरिक्त ग्रंथालय में शिक्षा, दर्शन, मनोविज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी और अन्य समकालीन विषयों का भी संग्रह है।

**केंद्रीय-ग्रंथालय ने उपयोगकर्ता के लिए प्रौद्योगिकी आधारित सेवा प्रदान कर रहा है। इनमें प्रमुख है-**

I. साहित्यिक चोरी/समानता का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर: केन्द्रीय-ग्रंथालय इनफ्लिबनेट द्वारा उपलब्ध कराए गए ड्रिलबिट नामक पीडीएस की मदद से संकाय सदस्यों, शोध-छात्रों, आदि के शोध-प्रबंध एवं शोध-पत्र में साहित्यिक चोरी/समानता की जांच की सुविधा प्रदान करता है।

ii. आरएफआईडी प्रौद्योगिकी

iii. स्व-पुस्तक निर्गत प्रणाली (कियोस्क)

iv. दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा

### ख. पुस्तकालय सेवाएं

| पुस्तकालय सेवाविध | मौजूदा | | नव नियोजित | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्य पुस्तकें | 9040 | 58,32,675 | 3581 | 1952913 | 1261 | 77,855,88 |
| संदर्भ पुस्तकें | 3568 | 18,06,672 | 1334 | 727502 | 4902 | 25,34,174 |
| ई पुस्तकें | 289 | 8,19,638 | – | – | 289 | 8,19,638 |
| पत्रिकायें | 124 | 1,52,457 | 05+124 | 1,43,445 | 129 | 1,43,445 |
| ई-पत्रिकायें | 08 | 28,286 | 06 | 1,47,178 | 14 | 175,464 |
| डिजिटल डेटा बेस | 518 | – | – | – | 518 | – |

### ग. उपरोक्त के अलावा पुस्तकालय में निम्नलिखित पुस्तकालय सॉफ्टवेयर भी स्वचालित है:-

| ILMS सॉफ्टवेर का नाम | स्वचालन की प्रकृति (पूर्ण रूप या आंशिक रूप से) | संस्करण | स्वचालनवर्ष |
|---|---|---|---|
| LIBSYS | पूर्ण रूप से | 10 | 2010-11 |

### घ. संसाधनों का विवरण:-

| संग्रह संसाधन | मार्च 2022 तक |
|---|---|
| ग्रन्थ | 120120 |
| शोध-पत्रिकाएं | 129 |
| शोधप्रबंध | 651 |
| अन्य गैर-पुस्तक सामग्री (सीडी) | 131 |

### ङ. परिसंचरण सांख्यिकी

परिसंचरण डेस्क यह सुनिश्चित करने की प्रभारी है कि शिक्षण सामग्री पुस्तकालय के अंदर और बाहर है, साथ ही मूल दिशात्मक और सूचनात्मक सहायता प्रदान करता है, पुस्तकालय विशेषाधिकारों और प्रसंस्करण शुल्क और जुर्माने से संबंधित प्रश्नों का समाधान करता है।

| परिसंचरण संसाधन | अप्रैल 2023 – मार्च 2024 |
|---|---|
| निर्गत | 9348 |
| प्राप्ति | 9535 |
| नवीकृत | 4027 |
| अन्य संसाधन | 1962 |
| **कुल** | **24872** |

### च. ई-संसाधन विवरण (प्रत्यक्ष सदस्यता)

छात्रों और अनुसंधान अध्येताओं के लाभ के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय में इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों की विशाल रेंज और विविधता को संभालने के तरीके और कार्यनीतियां विकसित की गई हैं। यह अनुसंधान इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग माप में कला की स्थिति की जांच करता है, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग करते समय विश्वविद्यालय के महत्व पर जोर देता है।

| संसाधन | | 2023 | | | | | | | | | 2024 | | | Total |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अप्रैल | मई | जून | जुलाई | अगस्त | सित | अक्तू | नम्ब. | दिस. | जन. | फर. | मार्च | |
| ज्ञानकोष-द जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन मैनेजमेंट | सदस्यता | 3 | 3 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 8 | 9 | 0 | 32 |
| जर्नल ऑफ नॉलेज एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट | सदस्यता | 6 | 2 | 0 | 5 | 5 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 20 |
| लाइब्रेरी हेरल्ड | सदस्यता | 3 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 4 | 7 | 0 | 0 | 0 | 24 |
| पर्ल : ए जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस | सदस्यता | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 3 | 5 | 4 | 9 | 0 | 0 | 0 | 24 |
| वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरीज एन इंटरनेशनल जर्नल | सदस्यता | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| इंडिया क्वार्टरली | सदस्यता | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 4 |

**ख्र केन्द्रीय-ग्रंथालय द्वारा दिनांक 30 एवं 31 अक्टूबर, 2023 को ष्इनोवेटिव एप्रोच इन नॉलेज क्रिएशन, कम्युनिकेशन, एंड प्रिजर्वेशन: पर्सपेक्टिव फ्रॉम संस्कृत यूनिवर्सिटीज एंड लाइब्रेरीजष् विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश से लगभग तीन सौ विशेषज्ञ, अध्यापक, शोधार्थी, ग्रंथालय-कर्मी, आदि ने सहभागिता की।**

### ज. पुस्तकालय कर्मचारियों की विविधकार्यक्रमों में प्रतिभागिता-

| क्र.सं. | कार्यक्रम का नाम | दिनांक | पुस्तकालय से प्रतिभागिता |
|---|---|---|---|
| 1. | ड्रिलबिट पीडीएस सॉफ्टवेयर पर एक दिवसीय कार्यशाला | 15 फरवरी, 2024 | 02 |

### ज. पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का विवरण (पदवार)

| क्र.सं. | पद का नाम | कर्मचारियों की संख्या |
|---|---|---|
| 1. | वरिष्ठ सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | 01 |
| 2. | प्रोफेशनल सहायक | 02 |
| 3. | सेमी प्रोफेशनल सहायक | 02 |
| 4. | पुस्तकालय सहायक | 03 |
| 5. | पुस्तकालय परिचर | 04 |

## जलपान गृह

संस्थान के परिसर में एक महत्वपूर्ण कैंटीन सुविधा है जिसका प्रबंधन तीसरे पार्टी के कैटरर द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को बेहतरीन गुणवत्ता के विभिन्न प्रकार के दक्षिण भारतीय व्यंजन और स्नैक आइटम काफी रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाते हैं। परिसर कैंटीन में एक शानदार रसोई है, और रसोई कर्मचारी छात्रों और कर्मचारियों को पौष्टिक और स्वच्छ व्यंजन परोसने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। सभी कार्य दिवसों पर, कैंटीन सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुली रहती है।

## विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन सुविधा

विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए उत्सुक है। हमारे विश्वविद्यालय की बनावट और निर्माण एक अनुकूल वातावरण प्रदान करते हुए तथा दिव्यांग लोगों की मूल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यह सभी प्रकार के दिव्यांग लोगों के लिए एक बहुत ही अनुकूल परिसर है। विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर जैसी भौतिक सुविधाएं, मूलभूत तथा  रैम्प/रेल की सुविधा भी उपलब्ध है।

## पर्यावरण-सुरक्षित एवं हरित परिसर, 24x7 सुरक्षा और वहनीय वाहन स्थल

विश्वविद्यालय का हरा-भरा परिसर सिर्फ एक दृश्य नहीं है बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता है। महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्यनीतिक रूप से सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए, चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित की गई, सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए महिला गार्ड सहित सुरक्षा गार्डों की एक समर्पित टीम बनाई गई। सुविधा बढ़ाने के लिए, पार्किंग सुविधाओं का विस्तार किया गया है, और स्थायी भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता के साथ गौरव सहित ई-चार्जिंग स्टेशन प्रदान किए गए हैं।

## उत्कृष्टता का मैदान : एसएलबीएसएनएसयू परिसर में एक स्पोर्टिंग ओडिसी

एसएलबीएसएनएसयू में सावधानीपूर्वक तैयार किए गए ग्राउंड स्थान, जहां खेल और सौहार्द एक साथ दिखाई देते हैं। खुला बैडमिंटन ग्राउंड (168 मीटर), वॉलीबॉल कोर्ट (880 मीटर), मल्लयुद्ध पार्क (750 मीटर), क्रिकेट ग्राउंड (3900 मीटर) और बास्केटबॉल कोर्ट (810 मीटर) बैडमिंटन, वॉलीबॉल, आउटडोर फिटनेस, क्रिकेट और बास्केटबॉल क्रमशः के लिए समर्पित क्षेत्र प्रदान करते हैं। ये विविध मैदान न केवल उत्साही मैचों की मेजबानी करते हैं बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ावा देते हैं, जिससे उनके पवित्र मैदानों पर यादों की एक टेपेस्ट्री बनती है।

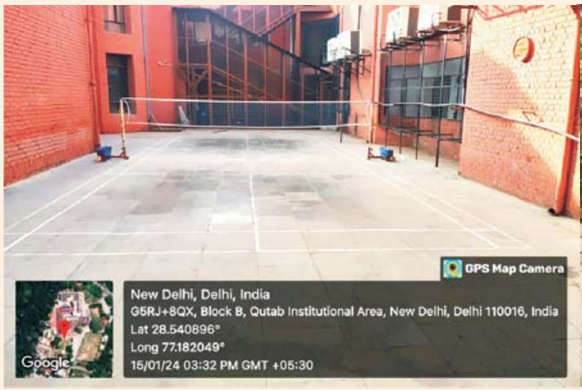

## बहुमुखी स्थानः अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ शैक्षणिक अनुभवों को बढ़ाना

यहां 400 लोगों के बैठने की क्षमता वाला बहुउद्देशीय हॉल है जो उन्नत ध्वनि प्रणाली, परिष्कृत प्रकाश व्यवस्था और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यह भव्य आयोजनों और अकादमिक चर्चाओं के केंद्र के रूप में कार्य करता है। इसकी सराहना करते हुए, 20 से 80 व्यक्तियों तक की लचीली बैठने की क्षमता वाले सात समिति हॉल की प्रस्तुत की गई है, जिनमें से प्रत्येक में प्रोजेक्टर, स्क्रीन और रिकॉर्डिंग सिस्टम हैं। ये हॉल सहयोगात्मक चर्चाओं, प्रस्तुतियों और ऑनलाइन बैठकों के लिए तैयार किए गए हैं, जो हमारे शैक्षणिक स्थानों की बहुमुखी प्रतिभा को बढ़ाते हैं।

## आभासीय कक्षा/ स्टूडियो

विश्वविद्यालय ने केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग और नियंत्रण मंच के साथ एक आभासीय ई-कक्ष/ स्टूडियो की स्थापना की है जो उपयोग करने में सबसे आसान है और समृद्ध मीडिया लाइव वेबकास्टिंग और सामग्री प्रबंधन, वेब और मोबाइल वितरण प्रणाली के लिए सबसे अच्छा समर्थित है जो हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग, ऑडियो-विजुअल कॉन्फ्रेंसिंग, नियंत्रण प्रणाली और केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग सहित पूरी तरह से एकीकृत समाधान की और नियंत्रण प्रणाली का समावेशी पैकेज होगा।

## अतिथि गृह (विश्रान्ति निलय)

अतिथि गृह विश्रांति निलयम नामक विश्वविद्यालय की एक गैर-व्यावसायिक इकाई होगी और इसका उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। विश्वविद्यालय के परिसर में, दो मंजिला विश्वविद्यालय अतिथि गृह भवन है। इसमें आठ डबल रूम, दो वीआईपी सुइट्स, एक डाइनिंग एरिया और एक ऑफिस रूम है। अतिथि गृह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों/सदस्यों के साथ-साथ शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधि के संबंध में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी कर सकता है।

## छात्रावास

विश्वविद्यालय में एक लड़कों का छात्रावास है, जिसमें 51 कमरे हैं और इसमें 99 छात्र रह सकते हैं। अनुसंधान अध्येताओं और वरिष्ठ छात्रों के लिए, 16 एकल सीट वाले कमरे, 18 डबल सीट वाले कमरे और 17 ट्रिपल सीट वाले कमरे हैं। छात्रावास में एक कॉमन रूम, डाइनिंग हॉल, रिफ्रेशमेंट हॉल, किचन और पेंट्री के साथ-साथ एक स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क, कंप्यूटर, टीवी और टेलीफोन जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। **डॉ. सुंदर नारायण झा 2021-22 से छात्रावास के वॉर्डन का कार्यभार देख रहे हैं।**

## मनोरंजन कक्ष

विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों के बीच स्वस्थ मनोरंजन और आपसी संपर्क के लिए, विश्वविद्यालय में एक मनोरंजन कक्ष प्रदान किया गया है। यह क्षेत्र महिलाओं को उनके रिक्त समय में विश्रांति, अध्ययन और अनौपचारिक बातचीत करने के उदेश्य से बनाया गया था। दर्द से राहत के लिए कुछ इनडोर गेम, फिटनेस उपकरण और फुल बॉडी मसाजर मशीन उपलब्ध हैं। सामुदायिक वाचनालय में कर्मचारियों के उपयोग के लिए समाचार पत्र और पत्रिकाएं भी उपलब्ध हैं। महिला कर्मचारियों की सुविधाओं के लिए मनोरंजन कक्ष में महिला कर्मचारी को नियुक्त किया गया है।

## व्यायामशाला

सभी छात्रों को विश्वविद्यालय में जिम की सुविधा उपलब्ध है। एक सूक्ति के अनुसार, 'स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ दिमाग रहता है,' छात्रों के लिए एक व्यावसायिक रूप से प्रबंधित वातावरण स्थापित किया जाता है। व्यक्तियों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उनके समग्र कल्याण में आवश्यक कारक हैं। परिसर में एक आंतरिक पूर्णतः वातानुकूलित आंतरिक व्यायामशाला है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। इसमें टॉप-ऑफ-द-लाइन फिटनेस और वर्कआउट उपकरण, जैसे ट्रेडमिल और मजबूत मशीनें हैं। संक्षेप में, जिम छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित होने के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है।

## देवसदनम् ( मन्दिर )

विश्वविद्यालय परिसर में, मन्दिर दैनिक जीवन के पहलुओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंदिर न केवल अपनी धार्मिक विशेषताओं के लिए बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक गुणों के लिए भी उल्लेखनीय है जो कि यह समाज को एक संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में देता है। मंदिर हिंदू धर्म के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। एक हिन्दू के लिए, मंदिर एक भव्य संरचना से कहीं अधिक है। मंदिर दैनिक जीवन के बौद्धिक, कलात्मक, आध्यात्मिक, शैक्षिक और सामाजिक तत्वों का एक केंद्र है। विश्वविद्यालय का हर नया कार्यकाल परिसर में विद्यमान मंदिर में एक विशेष पूजा के साथही शुरू होता है।

## आवासीय भवन

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए 48 आवासीय भवन निर्मित हैं, जिसमें सात टाइप-V क्वार्टर, आठ टाइप-IV क्वार्टर, आठ टाइप-III क्वार्टर, आठ टाइप-II क्वार्टर, सोलह टाइप-I क्वार्टर और एक कुलपति आवास भवन शामिल है।

## शिशु सदन

कामकाजी माताओं के लिए बच्चों की सुरक्षा हमेशा एक प्रमुख चिंता का विषय रही है। विश्वविद्यालय कामकाजी माताओं (शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ से) को घर और काम की दोहरी भूमिका निभाने में मदद करने के लिए एक शिशु सदन प्रदान करता है, ताकि उनके बच्चे के कल्याण और भलाई से संबंधित तनाव को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय के शिशु सदन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक आरामदायक, सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। यह केंद्र विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी सुविधा है क्योंकि यह दिन के दौरान शिशुओं और छोटे बच्चों की देखरेख और देखभाल प्रदान करता है, ताकि उनके माता-पिता, विशेष तौर पर माताओं को अपना काम करने और विश्वविद्यालय में रोजगार जारी रखने में सक्षम बनाया जा सके।

## वेधशाला

ज्योतिष विभाग के छात्रों को सिद्धांत ज्योतिष का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यापीठ परिसर में एक वेधशाला विद्यमान है। इसे जंतर-मंतर, जयपुर के तत्कालीन विभागाध्यक्ष, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता स्वर्गीय एम.एम. कल्याण दत्त शर्मा जी द्वारा स्थापित किया गया। जहां कारकवलय, तुलावलय और मकरवलय इत्यादि यन्त्र विभिन्न राशियों के विषय में जानकारी प्रदान करने में सहायक हैं, वहीं भित्तीयंत्र और चक्रयंत्र क्रांति का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होते है। नाड़ीवलय यन्त्र के माध्यम से स्थानीय समय का ज्ञान ज्ञात करना संभव है। सम्राटयंत्र, यम्योत्तरलंघन काल, स्थानीय समय और मानक समय ज्ञानप्रदान करता है। भारतीय तारामंडल नतांश, अक्षांशा और क्रांति अंश आदि के अन्वेषण में सहायता करता है।

## यज्ञशाला

बृहस्पति भवन में एक यज्ञशाला निर्मित है जहां राजधानी के अर्चकों के लिए डिप्लोमा और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष यज्ञशाला में अनेक यज्ञानुष्ठानों का आयोजन किया गया। यज्ञशाला में वैदिक अनुष्ठानों और यज्ञों विधान के लिए विविध प्रकार के भद्र मंडल बनाए गए हैं। जैसे-सर्वतोभद्र मण्डल, चतुर्भद्र मण्डल, वास्तु मण्डल, एकषष्टिपद वास्तु मण्डल, नवग्रह मण्डल, षोडश मातृका मण्डल, सप्त घृत मातृका मण्डल, क्षेत्रपाल मण्डल, योगिनी मण्डल तथा अन्य भी विविध प्रकारक मण्डलों का चित्रण किया गया है। यज्ञशाला में गुरु-शिष्य परम्परा द्वारा अध्ययन और अध्यापन किया जाता है, गुरु और शिष्य विधिवत् चटाई पर बैठकर, विशिष्ट वेशभूषा में (धौती, कुर्ता, उत्तरिय आदि) आमने-सामने बैठते हैं और आसनस्थ पाठ को लकड़ी के पीठ के ऊपर रखकर स्वाध्याय करते हैं। इसके अतिरिक्त यज्ञशाला में प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है।

## श्रौतयज्ञ प्रयोगशाला

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि सभी धर्मों के मूलभूत वेदों में कर्म और ज्ञान के माध्यम से धर्म का प्रतिपादन किया गया है। इन में जो कर्म मार्ग है वह यज्ञीयधर्म के रूप में है। वेदों के अधिकतर भाग इसी यज्ञविद्या का प्रतिपादन करता है। ये समस्त यज्ञीयप्रयोग साक्षात् वैज्ञानिक प्रयोग ही है। प्राचीन ऋषि वैज्ञानिक विविध यज्ञीयप्रयोगों को मानवकल्याण् के लिए करते थे। जैसा की आज के वैज्ञानिक विविध प्रयोगों को करने के लिए किसी किसी प्रयोगशाला का प्रयोग करते है, ठीक वैसे ही वे प्राचीन ऋषि वैज्ञानिक भी इन वैज्ञानिक यज्ञीय प्रयोगों को करने के लिए यागशालाओं का उपयोग करते थे। अत: विविध यज्ञप्रयोगों को करने के लिए यागशालाओं का स्वरूप भी उसी प्रयोजन के अनुरूप होता है। यागों मे कुछ याग तो अहिताग्नि यजमान को आजीवन करने पडते हैं। इस तरह के यागों को नित्य करने के लिए एक यागशाला का विधान किया है, जैसे कि यह इष्टियागविहार है। इस विहार में अग्निहोत्री को यजमान के लिए आजीवन जो याग करने होते हैं, उनको किया जा सकता है स जैसे कि नित्य सायं-प्रात: अग्निहोत्र, दर्शपूर्णमासेष्टियाग, आग्रयणेष्टियाग इत्यादि। यज्ञीय कर्म का आधार यह वेदि है, जिसके बिना याग विषयक अनुष्ठान या अध्ययन असंभव है। वेदी की इसी अनिवार्यता को समझते हुए वेदविभागीय छात्रों को श्रौतयज्ञीय प्रयोगों के अध्ययनार्थ माननीय कुलपति महोदय प्रो. मुरली मनोहर पाठक द्वारा विश्वविद्यालय के परिसर में "श्रौतेष्टियागविहार" नाम से एक श्रौतयागशाला का निर्माण कराया गया है जो कात्यायन श्रौतसूत्र के अनुसार बनी है।

## वर्षा जल संचयन प्रणाली

विश्वविद्यालय ने 2004-05 में केंद्रीय भूजल बोर्ड, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की मदद से कुशल वर्षा जल संग्रहण व्यवस्था स्थापित की। पूरे परिसर को प्रभावी तरीके से कवर करने के लिए, सी.जी. डब्ल्यू.बी. द्वारा प्रस्तावित चार अलग-अलग स्थानों पर सात वर्षा जल संचयन बोर खोदे गए थे।

## छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र

एजेंसी मेसर्स एज्योर पावर रूफ टॉप वन प्राइवेट लिमिटेड, भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सौर ऊर्जा निगम के अधीन है। भारत सरकार ने मौजूदा विश्वविद्यालय भवनों की छतों पर रेस्कोामोड में 151. 27 किलोवॉट पीकरूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया।

## मलजल शोधन संयंत्र

2006-07 में फिल्टर प्रेस के साथ (120 कि.ली. प्रति दिन क्षमता का) एक नवीनतम एफ.ए.बी प्रकार कमल जल शोधन यन्त्र स्थापित किया है। परिसर की पाकशालाओं, स्नान घरों, शौचालय आदि के माध्यम से उत्पन्न अपशिष्ट जल का उपयोग परिसर में गैर-आवासीय भवनों के शौचालयों को फ्लश करने और बागवानी में पुनः उपयोग करने के उद्देश्य से यह स्थापित है। शत प्रतिशत शुद्ध किये गये अपशिष्ट जल का उपयोग मलजल शोधन यन्त्र के माध्यम से करता है और प्रभावी ढंग से इसका उपयोग आवर्ष विद्यापीठ के पार्कों और उद्यानों को सुव्यवस्थित एवं विकासित करने के लिए और (वर्षा ऋतु में कुछ दिनों को छोड़कर) गैर-आवसीय भवनों के शौचालयों में फ्लश के लिए करता है। अपशिष्ट जल के उपचार के बाद उत्पन्न ठोस अपशिष्ट को फिल्टर प्रेस द्वारा खाद के रूप में परिवर्तित किया जाता है जिसका उपयोग बागवानी कार्यों के लिए किया जाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय पूरे वर्ष उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग कर रहा है। मलजल शोधन यन्त्र चौबीसों घंटे काम करता है।

# क्रीडा, शैक्षणिक एवं पाठयेतर गतिविधियाँ

## क्रीडा गतिविधियां

विश्वविद्यालय छात्रों और कर्मचारियों के लिए पर्याप्त क्रीड़ा की सुविधाओं से युक्त है और छात्र समुदाय के लाभ के लिए क्रीडा से बुनियादी ढ़ाचे के विकास में सक्रिय है स स्वस्थ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्रीडा का अपना महत्व है स इसी बात को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्रीडाओं का आयोजन किया गया। डॉ. मनोज कुमार मीणा विश्वविद्यालय के क्रीडा प्रभारी है। विश्वविद्यालय योगासन, कुश्ती, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन (लडकें और लडकियों), भारोत्तोलन के बाद एथलेटिक स्पर्धाओं आदि में वर्षिक ढेक प्रतियोगिता आयोजित करता है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गण ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 (खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड और नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी के वार्षिक कैलेंडर में भाग लिया है।

### विश्वविद्यालय खेल/टूर्नामेंट का नाम तिथि (से और तक) छात्रों की संख्या, कोच और प्रबंधक

| क्र. | विश्वविद्यालय का नाम | क्रीडा/क्रीडा प्रतियोगिता | अवधि | छात्रों, कोच और प्रबंधको की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1. | गुरु काशी यूनिवर्सिटी भटिंडा | नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी चौंपियनशिप (पुरुष) | 19-22 अक्टूबर, 2023 | 11 छात्र, 1 प्रबंधक 1 कोच |
| 2. | महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक | उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन स्टाइल चौंपियनशिप (एम एंड एफ) | 09-24, नवंबर, 2023 | 11 छात्र, 1 प्रबंधक 1 कोच |
| 3. | चितकारा यूनिवर्सिटी, राजपुरा | नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चौंपियनशिप (पुरुष) | 24-29 नवंबर, 2023 | 4 छात्र, 1 प्रबंधक |
| 4. | चंडीगढ़ विश्वविद्यालय | अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन स्टाइल चैंपियनशिप (पुरुष) | 04-11 दिसंबर, 2023 | 12 छात्र, 1 प्रबंधक |
| 5. | चंडीगढ़ विश्वविद्यालय | नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चौंपियनशिप (पुरुष) | 20-23 दिसंबर, 2023 | 10 छात्र, 1 प्रबंधक |
| 6. | कलिंगा इंस्टीट्यूट इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा | अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय योग चैंपियनशिप (महिला) | 21-23 दिसंबर, 2023 | 11 छात्र, 1 प्रबंधक 1 कोच |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 7. | कलिंगा इंस्टीट्यूट इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा | अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप (पुरुष) | 25-30 दिसंबर, 2023 | 12 छात्र,<br>2 प्रबंधक<br>1 कोच |
| 8. | गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर, पी.बी. | ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी फेंसिंग चौंपियनशिप (पुरुष) | 09-11, जनवरी, 2024 | 1 छात्र,<br>1 प्रबंधक |
| 9. | जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू | अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय वुशू चौम्पियनशिप (पुरुष) | 13-17 फरवरी, 2024 | 1 छात्र,<br>1 प्रबंधक |
| 10. | कोहिमा, नागालैंड | राष्ट्रीय स्तर - खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स | 22-25 फरवरी, 2024 | 3 छात्र,<br>2 प्रबंधक<br>1 कोच |
| 11. | एसएलबीएसएनएसयू | खेल मैदान वार्षिक खेल टूर्नामेंट | 13-15 मार्च, 2024 | 500-600 छात्रों ने भाग लिया |

## राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सूची

| क्र.सं. | विश्वविद्यालय का नाम | खेल/प्रतियोगिता | आयोजन तिथि | छात्र और उनका विवरण |
|---|---|---|---|---|
| 1. | किर्गिस्तान में उमेश (शास्त्री द्वितीय वर्ष मीमांसा) के छात्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ग्रीको रोमन 63वीं ओलंपिक प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त की। | | | |
| 2. | महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक | राष्ट्रस्तरीय-उत्तर पूर्व क्षेत्र कुश्ती प्रतियोगिता | 5-7 नवम्बर, 2023 | रजत पदक - आकाश<br>शास्त्री प्रथम वर्ष (धर्मशास्त्र)<br>फ्रीस्टाइल 61 किलोग्राम वर्ग में<br>कांस्य पदक - सनी<br>शास्त्री प्रथम वर्ष (धर्मशास्त्र)<br>फ्री स्टाइल 74 किलोग्राम वर्ग में<br>कांस्य पदक - उमेश<br>शास्त्री द्वितीय वर्ष (मीमांसा)<br>ग्रीको रोमन 67 किलोग्राम वर्ग में |
| 3. | चंडीगढ़ विश्वविद्यालय | राष्ट्रस्तरीय-अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय | 3-11 दिसम्बर, 2023 | स्वर्ण पदक - सनी<br>शास्त्री प्रथम वर्ष (धर्मशास्त्र)<br>फ्री स्टाइल 74 किलोग्राम वर्ग में<br>कांस्य पदक - दीपक<br>शास्त्री प्रथम वर्ष (धर्मशास्त्र)<br>फ्री स्टाइल 65 किलोग्राम वर्ग में |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4. | कोहिमा, नागालैंड | राष्ट्रस्तरीय - खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल | 22-25 फरवरी, 2024 | रजत पदक - आकाश शास्त्री प्रथम वर्ष (धर्मशास्त्र) फ्री स्टाइल 61 किलोग्राम वर्ग में<br>रजत पदक - सतीश शास्त्री प्रथम वर्ष (जैन दर्शन) ग्रीको रोमन 82 किलोग्राम वर्ग में |

## 2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2023

इस दिन, हम अपने कुछ बेहतरीन वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों की उपलब्धियों और प्रौद्योगिकी को उपयोगी, वाणिज्यिक उत्पादों और प्रक्रियाओं में बदलने में उनकी सफलता का जश्न मनाते हैं जो लोगों के जीवन को बदल देती हैं। विश्वविद्यालय के छात्रों ने हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा संबोधित विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर लाइव-प्रसारण सत्र में भाग लिया।

## 3. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2023 को सुबह 8:00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में माननीय कुलपति की अध्यक्षता में मनाया गया। 400 से अधिक कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों की भागीदारी के साथ आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आसन प्राणायाम आदि किए गए।

## 4. आजादी का अमृत महोत्सव ( हर घर तिरंगा )

13 से 15 अगस्त 2023 तक आजादी का अमृत महोत्सव (हर घर तिरंगा) विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा) मनाया गया। इस विश्वविद्यालय के शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए गए। साथ ही, विश्वविद्यालय परिसर में झंडों के साथ चले।

## 5. भयावह स्मृति दिवस

विभाजन भयावह स्मृति दिवस 14.08.2023 को विश्वविद्यालय परिसर में मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने की। विभाजन भयावह स्मृति दिवस एक वार्षिक राष्ट्रीय स्मृति दिवस है जो हर साल 14 अगस्त को मनाया जाता है, जो 1947 के भारत विभाजन के दौरान पीड़ितों के बलिदान और लोगों की पीड़ा को याद करता है। इसे पहली बार 2021 में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषणा के बाद मनाया गया था।

## 6. स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे शुरू हुआ। माननीय कुलपति को विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। गार्ड ऑफ ऑनर के निरीक्षण के बाद कुलपति ने श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उपस्थित दर्शकों द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों, विशेषकर एन.सी.सी. कैडेटों को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति ने उन्हें कामेन को मजबूत बनाने और उसकी रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्र की शान। इस अवसर पर माननीय कुलपति के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण भी किया गया।

## 7. अंगदान प्रतिज्ञा/अंगदान महोत्सव- 2023

इस दिन, इस विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य सेवा इकाई से डॉक्टर को आमंत्रित किया गया और उन्होंने विशेष व्याख्यान दिया और शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों को अपने शरीर के अंगों को जरूरतमंद व्यक्तियों को दान करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के प्रमुख, शिक्षकों और छात्रों द्वारा जहाँ आवश्यकता हो वहाँ अंग दान करने की शपथ ली गई। अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे लोगों की मदद करने और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सभी में जागरूकता पैदा की गई।

## 8. शिक्षक दिवस

विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस 5 सितंबर, 2023 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। वे एक प्रसिद्ध विद्वान, भारत रत्न प्राप्तकर्ता, पहले उपराष्ट्रपति और स्वतंत्र भारत के दूसरे राष्ट्रपति थे। सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक भारतीय राजनीतिज्ञ, दार्शनिक और राजनेता थे, जिन्होंने 1962 से 1967 तक भारत के दूसरे राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया, जिन्होंने पहले 1952 से 1962 तक भारत के पहले उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वे 1949 से 1952 तक सोवियत संघ में भारत के दूसरे राजदूत थे।

## 9. हिंदी पखवाड़ा

इस वर्ष भी विश्वविद्यालय परिसर में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन, नोटिंग और ड्राफ्टिंग और गायन प्रतियोगिताओं के साथ-साथ लोक संगीत जैसे कार्यक्रमों में छात्रों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विश्वविद्यालय की हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने पूरे वर्ष नियमित रूप से अपनी बैठकें आयोजित कीं।

## 10. श्री लाल बहादुर शास्त्री जी एवं श्री महात्मा गांधी जी की जयंती का आयोजन

02 अक्टूबर को श्री महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों/अधिकारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पाठ किया गया।

## 11. स्वच्छता अभियान

यह कार्यक्रम 01 सितम्बर से 15 सितम्बर, 2023 तक विश्वविद्यालय परिसर में सार्वजनिक स्थानों एवं घरों की सफाई हेतु आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिसर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए माननीय कुलपति एवं अन्य शिक्षकों, गैर-शैक्षणिक अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा परिसर की सफाई की गई। इस अभियान के दौरान छात्रों और अधिकारियों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा की गई, ताकि महात्मा गांधी के 'स्वच्छ भारत' के सपने को साकार किया जा सके।

## 12. खादी महोत्सव

यह अभियान 02.10.2023 से 31.10.2023 तक आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के बीच खादी के हमारे दैनिक जीवन, अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी और महिला सशक्तिकरण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाई गई और आम जनता और विशेष रूप से युवाओं को खादी और स्थानीय उत्पाद खरीदने और उनमें स्थानीय उत्पादों के प्रति गर्व पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कई छात्रों ने MyGOV प्लेटफॉर्म पर खुद को पंजीकृत किया और उत्साहपूर्वक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिताओं में भाग लिया। सभी ने अधिक से अधिक खादी उत्पादों का उपयोग करने की शपथ भी ली।

## 13. मेरी माटी मेरा देश अभियान ( 01.10.23 से 13.10.2024 )

इस अभियान के दौरान श्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा के समक्ष 'अमृत कलश यात्रा' निकाली गई। विद्यार्थियों को 'पंच प्राण प्रतिज्ञा' लेने तथा उनकी तस्वीरें वेबसाइट yuva.gov.in पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। देश की धरती से अपने जुड़ाव को मजबूत करने के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया।

## 14. संविधान दिवस

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, 26 नवंबर, 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के संबंधित अनुभागों में शपथ समारोह आयोजित किया गया। संविधान दिवस, जिसे 'राष्ट्रीय विधि दिवस' के रूप में भी जाना जाता है, भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 26 नवंबर को नियमित रूप से मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया और यह 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ।

## 15. अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023-31.10.2023

बाजरा के उपयोग और इसके पोषण संबंधी लाभों को बढ़ावा देने के लिए रैलियों में भाग लेने के लिए छात्रों के बीच जागरूकता फैलाई गई ताकि बाजरा की खपत को बढ़ाया जा सके। खाद्य और कृषि संगठन और संयुक्त राष्ट्र ने बाजरा के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष' या 'IYM2023' के रूप में मान्यता दी है। भारत सरकार ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा।

## 16. विकसित भारत/2047 ( युवाओं की आवाज )

विश्वविद्यालयों के प्रमुखों यानी कुलपति, प्रमुखों और संकाय सदस्यों ने इस जन आंदोलन में भाग लिया, जहाँ हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शविकसित भारत/2047: भारत युवाओं की आवाजश का शुभारंभ किया। 'यह भारत के इतिहास का वह दौर है जब देश एक बड़ी छलांग लगाने जा रहा है, यही समय है, सही समय है (यही समय है, सही समय है)' 'विचार' की शुरुआत 'एल' से होती है, जैसे 'भारत' की शुरुआत 'एल' से होती है, विकास के प्रयास स्वयं से शुरू होते हैं'। 'युवा शक्ति परिवर्तन का वाहक भी है और परिवर्तन का लाभार्थी भी'। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक विश्वविद्यालय के छात्रों और युवाओं की ऊर्जा को 'विकसित भारत' के साझा लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगाने की आवश्यकता पर बल दिया। स्लाइड शो के माध्यम से अपनी सच्ची भावना को साबित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के बीच प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

## 17. दीक्षांत समारोह/दीक्षांत दिवस

05.12.2023 को छात्रों को उपाधियां प्रदान करने और विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए दीक्षांत समारोह/दीक्षांत दिवस मनाया गया। इस बार दीक्षांत समारोह में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने भाग लिया।

## 18. गणतंत्र दिवस

विश्वविद्यालय परिसर में 'गणतंत्र दिवस समारोह' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के बगल में गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ। कुलपति ने श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उपस्थित दर्शकों ने राष्ट्रगान गाया। माननीय कुलपति ने गणतंत्र दिवस समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स को स्मृति चिन्ह भेंट किए। माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षण कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा तथा कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

## 19. संस्कृति समागम-22.01.2024

विश्वविद्यालय द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों के प्रमुखों के सहयोग से संस्कृत भाषा की उपयोगिता को अधिकतम करने के लिए विभिन्न व्याख्यान तथा गतिविधियाँ आयोजित की गई।

## 20. राष्ट्रीय मतदाता दिवस तथा मेरा पहला वोट देश के लिए

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रतिवर्ष 25 जनवरी को भारत के चुनाव आयोग के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक युवा मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

## 21. सरस्वती पूजन

विश्वविद्यालय में दिनांक 14 फरवरी, 2024 को वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आचरण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता एवं समस्त पीठों के आचार्यों की उपस्थिति में डॉ. सुन्दर नारायण झा द्वारा शास्त्रीय परम्परा के अनुसार देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई।

**नोटः - 'प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित वार्षिक प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित वार्षिक प्रतिवेदन मान्य होगा।'**